LKS
दैनिक लोकतंत्र की शान
RNI NO.: DELHIN / 2008 / 23928
www.loktantrakishaan.com
दिल्ली से प्रकाशित
सोमवार 06 अप्रैल 2026
लोकतंत्र का स्तंभ

स्वदेशी 1000 किलो के हवाई बम खरीदेगी वायुसेना, अमेरिका के एमके-84 बम जितना ताकतवर

- अमेरिका-ईरान युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर से मिला बड़ा सबक

एजेंसी, नई दिल्ली

भारत ने अमेरिका-ईरान युद्ध और ऑपरेशन सिंदूर से बहुत बड़ी सीख ली है। इन दोनों घटनाओं ने दिखाया कि लड़ाई के समय हथियारों की मौजूदगी और उनकी ताकत कितनी जरूरी होती है। इसी वजह से रक्षा मंत्रालय ने अब वायु सेना को और मजबूत करने का फैसला किया है। रक्षा मंत्रालय स्वदेशी 1000 किलो के हवाई बम खरीदने की तैयारी में जुट गया है। ये बम अमेरिका के एमके-84 बम जैसा ही होगा, जो 2000 पाउंड यानी करीब 907 किलो विस्फोटक ले जा सकते हैं। इसका मतलब है कि ये बम दुश्मन के बड़े-बड़े टारगेट को पूरी तरह बर्बाद कर सकते है। अब भारत खुद इन बमों को बनाएगा ताकि विदेश से खरीदने की जरूरत कम हो जाए और वायु सेना हमेशा तैयार रहे।

रक्षा मंत्रालय ने इन स्वदेशी बमों की खरीद के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंटरेस्ट यानी ईओसी जारी किया है। इसके तहत 600 इसतरह के 1000 किलो के हवाई बम बनाए और खरीदे जाएंगे। इनके साथ टेल यूनिट यानी पूंछ वाला हिस्सा और दूसरे जरूरी उपकरण भी शामिल रहने वाले है। यह पूरा प्रोजेक्ट बाय इंडियन कैटेगरी में चलेगा यानी सब कुछ भारत में ही तैयार होगा। इससे भारतीय कंपनियां आगे बढ़ेंगी और देश की रक्षा व्यवस्था मजबूत होगी। ये नए हवाई बम खुद-ब-खुद टुकड़ों में बंटकर फैल जाएंगे। ये उच्च कैलिबर के हथियार हैं जो बहुत तेज विस्फोट पैदा करते हैं। दुश्मन के टारगेट पर भारी प्रभाव डालते हैं। ये बम रूसी और पश्चिमी दोनों तरह के विमानों पर लगाए जा सकते हैं, जो कि वायु सेना के पास हैं। अभी तक वायु सेना इसतहर के एमके-84 क्लास के बम विदेशी कंपनियों से खरीदती थी। अब स्वदेशी बम आने से वायु सेना को ज्यादा विश्वास होगा और लॉजिस्टिक्स आसान होगा। ये बम दुश्मन के बड़े ठिकानों, पुलों, रनवे या गोदामों को एक झटके में नष्ट कर सकते हैं। बात दें कि इस प्रोजेक्ट को दो चरणों में पूरा किया जाएगा। पहले चरण में छह प्रोटोटाइप बनाए जाएंगे, जिसमें लाइव वाले और इनर्ट यानी बिना विस्फोटक वाले दोनों तरह के बम शामिल रहने वाले है। इनके साथ टेल यूनिट और दूसरे उपकरण भी विकसित किए जाएंगे। इस चरण में सिंगल स्टेज कंपोजिट ट्रायल्स होगा और उसके बाद एयर स्टाफ क्वालिटेटिव रिक्वायरमेंट्स यानी एएसक्यूआर की जांच की जाएगी।

पहले चरण में करीब 50 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल जरूरी है। दूसरे चरण में योग्य कंपनियों को कमर्शियल रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल यानी आरएफपी जारी किया जाएगा और कुल 600 बम खरीदे जाएंगे। यह खरीद बाय इंडियन-आईडीडीएम कैटेगरी में होगी जो डीएपी 2020 के हिसाब से सबसे ज्यादा स्वदेशी वाला रास्ता है। प्रोजेक्ट को पूरा होने में करीब ढाई साल का समय लगेगा। ईओआई जारी होने से लेकर कॉन्ट्रैक्ट साइन होने तक यह समय लगेगा। इसमें प्रोटोटाइप बनाना, यूजर ट्रायल्स करना, मूल्यांकन, कॉमर्शियल प्रोसे और अंत में कॉन्ट्रैक्ट फाइनल करना शामिल है।

बात दें कि वायु सेना प्रोजेक्ट को तेजी से आगे बढ़ा रही है, ताकि स्वदेशी विकास हो सके। आगे चलकर बड़े स्तर पर उत्पादन हो सके। ट्रायल्स भारत में ही आईएएफ यूनिट्स या तय जगहों पर होगा और तय आईएएफ विमान पर ही इनकी टेस्टिंग की जाएगी। इससे लॉजिस्टिक एंड्योरेंस यानी लंबे समय तक हथियारों की सप्लाई आसान होगी। ये स्वदेशी 1000 किलो के बम वायु सेना को भारी ताकत देने वाले है। अब वायु सेना को विदेशी बमों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। भारतीय निजी कंपनियां भी इसमें हिस्सा ले सकती हैं। विदेशी सहयोग की भी अनुमति है लेकिन शर्त यह है कि डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग ज्यादातर भारत में ही की जाएं। कंपनियों को वित्तीय और तकनीकी दोनों तरह से जांचा जाएगा। उनकी इंजीनियरिंग क्षमता, इंफ्रास्ट्रक्चर, इंटीग्रेशन क्षमता, स्वदेशी सामग्री का प्रतिशत और जरूरी स्टैंडर्ड का पालन देखा जाएगा।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

एक बार फिर कोरोना जैसे हालात?

ईरान से इजरायल-अमेरिका सैन्य संघर्ष के चलते पिछले 35 दिनों में भारत की अर्थव्यवस्था एवं जिस तरह से महंगाई और बेरोजगारी की मार पड़ी है उससे मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। एलपीजी के दाम पहले ही बढ़ाए जा चुके हैं बावजूद इसके लोगों को रसोई गैस नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण उनका जीवन बहुत कष्टप्रद हो गया है। हर चीज के दाम बढ़ते चले जा रहे हैं। गैस एवं पेट्रोल-डीजल के कारण देश में हजारों फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं। आईटी कंपनियों के बाद अब देश के विभिन्न हिस्सों में जो छोटी-छोटी फैक्ट्रियां चल रहीं थीं, जिनमें सैकड़ो मजदूर काम करते थे उन्हें भी निकाला जा रहा है। पिछले 35 दिनों से निर्यात एक तरह से बंद है। कच्चा माल फैक्ट्री को मिल नहीं रहा है। रही सही कसर पेट्रोल डीजल पूरी कर रहे हैं, जिसके कारण लघु एवं मध्यम उध्यम भी तेजी के साथ बंद होते चले जा रहे हैं।

विभिन्न राज्यों से रोजाना हजारों की संख्या में मजदूरों का पलायन शुरू हो गया है। खाने-पीने की चीजों के दाम बढ़ गए हैं। देश में लाखों छोटे-छोटे होटल और ढाबे बंद हो गए हैं। शेयर बाजार में लगातार गिरावट देखने को मिल रही है। सोने-चांदी के भाव में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। कुल मिलाकर देश में जिस तरह की स्थिति बनती जा रही है यह ठीक कोरोना काल की तरह नजर आ रही है। उस समय भी लगभग सब कुछ ठहर गया था। कुछ इसी तरह की स्थिति अब देखने को मिल रही है। सरकार और राजनीतिक दल चुनाव लड़ने में व्यस्त हैं। जनता हैरान और परेशान होकर घूम रही है। सरकार सच भी नहीं बता रही है। ऐसी स्थिति में लोगों में घबराहट का माहौल बनता जा रहा है। वो करे भी तो क्या करे।

अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर अचानक हमला किया गया था। इन हमलों में ईरान के 40 से अधिक प्रमुख नेता और सैन्य प्रमुख मारे जा चुके हैं। इसका जिस तरह से ईरान ने जवाब दिया है उसने सारी दुनिया को भयाक्रांत करके रख दिया है। अमेरिका और इजरायल जैसे देश ईरान का मुकाबला नहीं कर पा रहे हैं। इन दोनों देशों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इस युद्ध का सबसे बड़ा असर कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस एवं खाद पर पड़ा है। पिछले एक महीने से दिनों-दिन स्थिति खराब होती चली जा रही है। अब तो यह भी आशंका व्यक्त की जाने लगी है, कि पेट्रोल-डीजल और गैस के बाद अब सारी दुनिया को खाद के संकट का सामना पड़ेगा। वर्तमान में खाद्य उत्पादन मात्र 50 फ़ीसदी रह गया है। यदि खाद्य संकट और उत्पन्न हो गया तो सारी दुनिया एक बार फिर 60 और 70 के दशक में लगभग अकाल की स्थिति में पहुंच जाएगी। दुनिया के आधे से ज्यादा देशों में दो टाइम का भोजन भी लोगों को मुहैया नहीं होगा। सारी दुनिया के अर्थशास्त्री वैश्विक मंदी की चिंता जाता रहे हैं। सारी दुनिया के देश भारी कर्ज में फंसे हुए हैं। जनता के ऊपर भी कर्ज है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

10 को राज्यसभा सदस्य की शपथ लेंगे नीतीश, जल्द सामने आएगा बिहार सीएम का नाम

एजेंसी, पटना । बिहार की राजनीति में एक अहम और सकारात्मक मोड़ आने वाला है। सीएम नीतीश कुमार 10 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने रविवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि शपथ ग्रहण के बाद एनडीए का केंद्रीय नेतृत्व और खुद नीतीश कुमार मिलकर आगे की रणनीति तय करेंगे। इस पूरे घटनाक्रम के बाद बिहार में नई सरकार के गठन और नए सीएम के नाम को लेकर चल रही चर्चाओं को भी जल्द विराम मिलने की उम्मीद है। राजनीतिक गलियारों में कई नामों पर मंथन जारी है, लेकिन अब फैसले की घड़ी नजदीक मानी जा रही है। आने वाले दिनों में राज्य को नया नेतृत्व मिल सकता है, जिससे शासन-प्रशासन में तेजी और स्पष्टता आने की उम्मीद है। सीएम नीतीश कुमार ने 2005 में बिहार की कमान संभाली। तब से कुछ महीनों को छोड़कर वे लगातार सीएम बने हुए हैं। जब राज्यसभा चुनाव का समय था तो उन्होंने दिल्ली जाने का फैसला कर सबको चौंका दिया। उनसे अब भी फैसले पर पुनर्विचार का आग्रह किया जा रहा है। हालांकि अब वे राज्यसभा के लिए चुने जा चुके हैं। इसके बाद उनके शपथ ग्रहण पर सबकी नजरें टिकी हुई थीं। अब वह स्थिति स्पष्ट कर दी गई है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, रालोमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा, केंद्रीय मंत्री रामनाथ ठाकुर और शिवेश कुमार भी निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में अब उम्मीद जताई जा रही है कि बीजेपी का सीएम होगा। हालांकि जदयू की ओर से कई नेताओं ने सीएम के पुत्र निशांत के हाथों में राज्य की कमान सौंपने की मांग की है।

हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का आया भूकंप, जान-माल का नुकसान नहीं

एजेंसी, नई दिल्ली । रविवार तड़के हिंद महासागर में 4.2 तीव्रता का भूकंप आया, जिसने क्षेत्र में भूगर्भीय हलचल पैदा की। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक यह भूकंप समुद्र तल से करीब 90 किलोमीटर की गहराई पर आया। सुबह के समय आए इस भूकंप से किसी प्रकार के जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। विशेषज्ञों ने इसे सामान्य और कम तीव्रता वाला भूकंप बताया है, जिसके कारण किसी बड़े खतरे की संभावना नहीं बनी। साथ ही, किसी भी प्रकार की सुनामी चेतावनी भी जारी नहीं की गई है। हालांकि वैज्ञानिकों का मानना है कि समुद्र के अंदर होने वाली ऐसी हलचलें भूगर्भीय गतिविधियों का संकेत होती हैं, जिन पर लगातार निगरानी बनाए रखना जरुरी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भूकंप केवल सतह पर ही नहीं, बल्कि पृथ्वी के अंदर कई गहराइयों पर भी उत्पन्न होते हैं। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भूकंपों को उनकी गहराई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है। उथले भूकंप सतह से 70 किलोमीटर तक की गहराई में आते हैं, मध्यवर्ती भूकंप 70 से 300 किलोमीटर के बीच और गहरे भूकंप 300 से 700 किलोमीटर तक की गहराई में उत्पन्न होते हैं।

दुष्कर्मी खरात पुलिस के चंगुल में, वीरान पड़ा मंदिर और फार्महाउस 'ब्रह्मसदन'

- फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और ५ हजार आम के पेड़

एजेंसी, नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले के मीरगांव में मौजूद ईशान्येश्वर महादेव मंदिर और अशोक खरात उर्फ कैप्टन बाबा का 20 एकड़ का फार्महाउस 'ब्रह्मसदन' में अब सन्नाटा पसरा हुआ है। खरात के 58 अश्लील वीडियो वायरल होने के बाद मंदिर और फार्महाउस चर्चा में आए। मंदिर कभी वीआईपी और नेताओं के लिए आकर्षण था, लेकिन अब पुजारी भी सुरक्षा और पूछताछ के डर से नियमित पूजा नहीं हो रही हैं। पुजारी का कहना है कि मंदिर में कभी भी कोई अश्लील घटना नहीं हुई। मंदिर में विशेष पूजा केवल बड़े नेता और वीआईपी के आने पर होती थी। फरार पत्नी और पुलिस हिरासत में बेटे के कारण अब मंदिर में कोई भक्त नहीं आता। 18 मार्च को खरात की गिरफ्तारी के बाद एसआईटी ने फार्महाउस की 8 घंटे तक पूछताछ की, जहां रिवॉल्वर, 21 कारतूस और विजिटर बुक मिली। फार्महाउस अब पुलिस द्वारा सील है। फार्महाउस का गार्डन एरिया चीकू, बेल, अंगूर और रसभरी के पेड़ों से भरा है, और 5,000 आम के पेड़ों का बाग भी इस फार्महाऊस में मौजूद है।

अनिल अंबानी और अमेरिकी अपराधी जेफ्री एपस्टीन के बीच व्हाइट हाउस कनेक्शन का खुलासा?

एजेंसी, न्यूयॉर्क

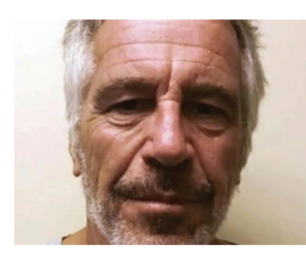

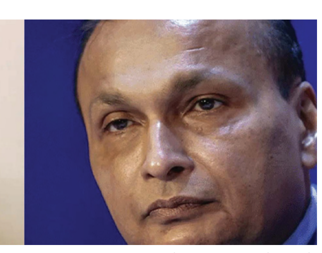

अमेरिका के कुख्यात यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन और भारतीय उद्योगपति अनिल अंबानी के बीच कथित गहरे संपर्कों को लेकर एक सनसनीखेज रिपोर्ट सामने आई है। दस्तावेजों के विश्लेषण से पता चला है कि साल 2017 में एपस्टीन ने खुद को तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के पहले कार्यकाल के दौरान व्हाइट हाउस के एक इनसाइडर (अंदरूनी सूत्र) के तौर पर पेश किया था। रिपोर्ट के मुताबिक, अनिल अंबानी और एपस्टीन के बीच लगभग दो साल तक सैकड़ों ईमेल और संदेशों के जरिए बातचीत हुई। ये बातचीत सिग्नल और टेलीग्राम जैसे एन्क्रिप्टेड प्लेटफॉर्म पर होती थी, जहां अंबानी ने अपना नाम अरमानी ए रखा हुआ था। यह संपर्क उस दौर का है, जब एपस्टीन नाबालिगों से जुड़े यौन अपराधों में जेल की सजा काट चुका था। दोनों का परिचय दुबई की कंपनी डीपी वर्ल्ड के चेयरमैन सुल्तान अहमद बिन सुलायेम ने कराया था। संदेशों के अनुसार, अनिल अंबानी ने एपस्टीन से भारत-अमेरिका संबंधों और रक्षा सहयोग के लिए व्हाइट हाउस से डील करने में मार्गदर्शन मांगा था। जवाब में एपस्टीन ने उन्हें इनसाइड जानकारी देने का वादा किया। हैरानी की बात यह है कि एपस्टीन द्वारा दी गई कुछ जानकारियां बाद में सच भी साबित हुईं। उदाहरण के तौर पर, एपस्टीन ने जुलाई 2017 में ही बता दिया था कि जॉन बोल्टन नए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) होंगे, जबकि उस समय राष्ट्रपति ट्रम्प मौजूदा एनएसए का बचाव कर रहे थे। आठ महीने बाद बोल्टन ने ही यह पद संभाला। अंबानी की अमेरिकी डिफेंस पॉलिसी में दिलचस्पी की एक बड़ी वजह 2016 की राफेल डील मानी जा रही है, जिसमें उनकी कंपनी को पार्ट्स से जुड़ी डील मिली थी। संदेशों में अंबानी ने लिखा था कि भारत के लिए अमेरिकी राजदूत का चयन उनके लिए अहम है। वे चाहते थे कि पाकिस्तान जैसे पड़ोसियों से निपटने के लिए किसी मजबूत व्यक्ति की नियुक्ति हो। एपस्टीन ने अंबानी को ट्रम्प के बेहद करीबी सहयोगियों जैसे स्टीफन बैनन और थॉमस बैरक जूनियर से मिलवाने का प्रस्ताव दिया था। वहीं, अंबानी ने खुद को भारत में राजनीतिक रूप से प्रभावशाली बताते हुए जेरेड कुश्नर जैसे दिग्गजों से मुलाकात कराने में मदद मांगी थी।

ये छोटी सी झलक है, कहानी अभी बाकी है, जबरन बनाए पंजाब के मुद्दे न उठाने के वीडियो

एजेंसी, मोहाली । आम आदमी पार्टी से चल रही तकरार के बीच राघव चड्ढा ने एक पोस्ट में लिखा- मेरे उन सहयोगियों के लिए जो मजबूर होकर वीडियो जारी कर रहे हैं और कह रहे हैं कि राघव चड्ढा ने संसद में पंजाब के मुद्दे उठाने में असफल रहे। उनके लिए एक छोटी झलक। कहानी अभी बाकी है। चड्ढा ने आगे लिखा- पंजाब मेरे लिए सिर्फ एक विषय नहीं है। यह मेरा घर है, मेरा कर्तव्य है, मेरी मिट्टी है, मेरी आत्मा है। राघव ने इस पोस्ट के साथ एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें उन्होंने संसद में अपने भाषण भी दिखाए हैं। इनमें चड्ढा को पंजाब के मुद्दे उठाते सुना जा सकता है। इधर, मशहूर कवि कुमार विश्वास का पुराना वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह कह रहे हैं कि आप का अगला शिकार राघव चड्ढा होंगे। उसने हीरोइन से शादी कर ली और रील दिखने लगी है। कुमार विश्वास का यह वीडियो करीब डेढ़ साल पुराना है, जिसमें वह पॉडकास्ट के दौरान बात कर रहे हैं। बता दें कुमार विश्वास ने 29 अगस्त 2024 को एक पॉडकास्ट में कहा था- अब अगला शिकार कौन है, अगला शिकार वह बालक है, जो खुद ने ही पैदा किया। इसकी कोई औकात भी नहीं है, बस वह थोड़ा लोकप्रिय हो गया है।

ईरान में भीषण गोलीबारी के बीच अमेरिकी पायलट का रेस्क्यू, ट्रंप ने बताया सबसे साहसी अभियान

एजेंसी, वाशिंगटन

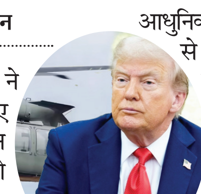

अमेरिकी सेना ने ईरान में लापता हुए एफ-15 लड़ाकू विमान के एक पायलट को नाटकीय और बेहद खतरनाक परिस्थितियों में सुरक्षित बचा लिया है। इस साहसिक अभियान को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसे अमेरिकी इतिहास के सबसे जोखिम भरे और बहादुरीपूर्ण खोज एवं बचाव अभियानों में से एक बताया है। पायलट को सकुशल निकाल लाने का दावा करते हुए ट्रंप ने कहा, कि अमेरिकी सेना ने अपने एक "असाधारण क्रू सदस्य" को बचाने के लिए दुनिया के सबसे आधुनिक और घातक हथियारों से लैस दर्जनों विमान तैनात किए। उन्होंने जानकारी दी कि यह पायलट, जो एक सम्मानित कर्नल भी हैं, ईरान के दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र में फंसे हुए थे और दुश्मन लगातार उनके करीब पहुंच रहे थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने बताया कि यह ऑपरेशन लगातार निगरानी और समन्वय के साथ चलाया गया। उन्होंने कहा, "वह कभी अकेले नहीं थे। उनके कमांडर इन चीफ, युद्ध सचिव, संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष और उनके साथी सैनिक हर पल उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए थे और उन्हें सुरक्षित वापस लाने के लिए पूरी ताकत लगा रहे थे।"

सीमांचल क्षेत्र में फर्जी आधार बनाने के नेटवर्क का खुलासा, यूपी-बंगाल से जुड़े तार

- किशनगंज जो नेपाल-बांग्लादेश की सीमा के पास स्थित, नेटवर्क का प्रमुख केंद्र बना

एजेंसी, किशनगंज

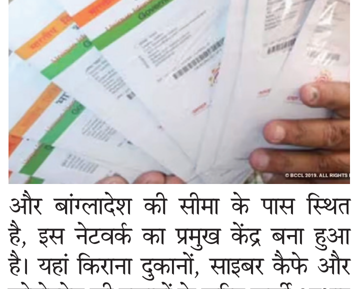

सीमांचल क्षेत्र में फर्जी आधार कार्ड बनाने के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा हुआ है, जिसके तार यूपी और पश्चिम बंगाल से जुड़े मिले। पुलिस जांच में सामने आया है कि इस रैकेट के जरिए ग्रामीण इलाकों में बड़े पैमाने पर अवैध तरीके से आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं, जिनका इस्तेमाल बैंक खाते खोलने से लेकर सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तक में किया जा रहा है।

जानकारी के मुताबिक बिहार के सीमावर्ती जिले किशनगंज जो नेपाल और बांग्लादेश की सीमा के पास स्थित है, इस नेटवर्क का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। यहां किराना दुकानों, साइबर कैफे और फोटोस्टेट की दुकानों के जरिए फर्जी आधार कार्ड तैयार किए जा रहे हैं। पुलिस जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि गिरोह के सदस्य यूपी और पश्चिम बंगाल के अधिकृत आधार केंद्रों से सांठगांठ कर लेते हैं। इन केंद्रों से आधार पंजीकरण के लिए इस्तेमाल होने वाले लॉगिन आईडी और पासवर्ड अवैध रूप से साझा किए जाते हैं। कई मामलों में फिंगरप्रिंट का क्लोन भी तैयार कर गिरोह को उपलब्ध कराया जाता है, जिससे असली पहचान की आड़ में नकली आधार कार्ड बनाए जा सकें।

इसके अलावा एनीडेस्क जैसे रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर के जरिए भी दूसरे राज्यों से बैठकर आधार कार्ड बनाए जाने की बात सामने आई है। एक फर्जी आधार कार्ड बनाने के लिए 2,000 से 10,000 रुपए तक वसूले जाते हैं, जिसमें लॉगिन उपलब्ध कराने वाले केंद्रों को 20 से 40 फीसदी कमीशन दिया जाता है।

नदियो का ननिहाल

बैतूल जिले के लेखक पत्रकार डॉ. रामकिशोर दयाराम पंवार रोंढ़ावाला की सातवीं पुस्तक प्रकाशित

बैतूल। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम रोढा में जन्मे 62 वर्षीय निःशक्तलेखक एवं पत्रकार रामकिशोर दयाराम पंवार रोंढ़ावाला जिले के एक मात्र ऐसे लेखक है जिनकी सातवीं पुस्तक नदियो का ननिहाल प्रकाशित हो गई है। ब्राइट एम पी पब्लिशर फरीदाबाद हरियाणा द्वारा प्रकाशित पुस्तक नदियो का ननिहाल सतपुड़ा की हरि भरी वादियो में बसे मध्यप्रदेश के आदिवासी बाहुल्य बैतूल जिले से निकलने वाली एवं जिले से बहने वाली नदियो पर आधारित है। पुस्तक में नदी एवं नारी की स्वच्छता एवं निर्मलता को आधार मान कर लेखक ने यह बताने का प्रयास किया है कि भारत नदियो का देश है उसी देश में मध्यप्रदेश नदियो का मायका प्रदेश है लेकिन बैतूल जिला नदियो का ननिहाल है जहां पर एक नहीं अनेक नदियां निकलती है। लेखक ने बैतूल जिले की नदियो की जानकारी संकलित करने का प्रयास किया है लेखक के अनुसार उनके पास जिले के उतर वन मंडल की जानकारी प्राप्त है जिसके अनुसार उतर वन मंडल के बैतूल, सारणी, रानीपुर, शाहपुर - भौरा वन परिक्षेत्र में 256 से अधिक बरसाती, बारहमासी नदियां, नाले, झरने, एवं अन्य जल स्त्रोत है। लेखक ने जिले की तीन पवित्र नदियो का उल्लेख किया है जिनकी परिक्रमा या यात्रा की जाती है जिसमें ताप्ती, पूर्णा, बेल का जिक्र है। जिले की झापल पहाड़ी सणे् निकलने वाली सात नदियो का भी सचित्र विवरण पुस्तक में पढऩे को मिल जाएगा। बैतूल जिले के इतिहासिक एवं गौरवशाली तथा पौराणिक इतिहास तथा नदियो से जुड़ी कहानी किस्सो को भी प्रकाशित किया है। डॉ. रामकिशोर दयाराम पंवार की अभी तक छै पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है जिसमें बैतूलवी पत्रकारिता, पुस्तक मेरा बेतूल, मेरे बाबूजी, अजब गांव की गजब दास्तां, काला गुलाब, सहकारिता का सुहाना सफर प्रकाशित हो चुकी है। सोशल मीडिया एवं आन लाइन नेटवर्किंग साइट फिलीपकार्ट, अमेजान जैसे प्लेट फार्म पर भी लेखक की पुस्तक उपलब्ध है। 300 सौ रूपये मूल्य वाली इस पुस्तक की प्रथम प्रति पुण्य सलीला मां सूर्यपुत्री ताप्ती के श्री चरणो में भेट कर अन्य प्रति उनकी पूज्यनीय माताजी श्रीमती कसिया बाई दयाराम पंवार को सप्रेम भेंट कर उनका आर्शिवाद प्राप्त किया । पुस्तक की दूसरी प्रति श्री पंवार की सुपौत्री कुमारी तृप्ति पंवार को तथा तीसरी प्रति बैतूल जिले के लोकप्रिय सासंद एवं भारत सरकार के जन जातिय मामलो के राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके को तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष एवं बैतूल से विधायक हेमंत विजय कुमार खण्डेलवाल को सप्रेम भेट की। श्री पंवार की चार पुस्तके अभी वर्तमान में प्रकाशनार्थ के लिए प्रकाशको के पास पहुंच चुकी है। जिसमें पंचायती राज को समर्पित मेरा गांव, मेरी सरकार, औद्योगिक नगरी मिनी इंडिया कहे जाने वाले पाथाखेड़ा - सारणी के हालात पर लिखी गई पुस्तक उजड़ा गुलशन रोता माली, पुण्य सलिला मां सूर्यपुत्री ताप्ती की परिक्रमा पर लिखी पुस्तक तापी ताप हरोए तथा मेरी आत्मकथा 2026 - 27 में छप कर आ जाएगी।

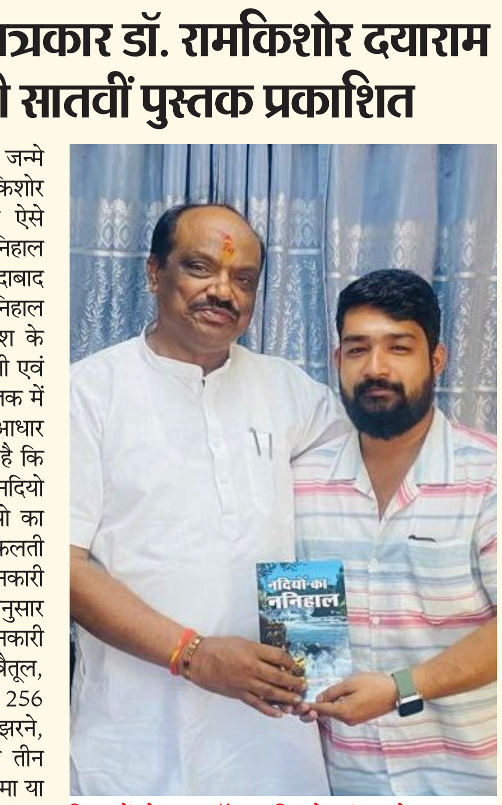

चित्र में लेखक डॉ. रामकिशोर पंवार के सुपुत्र मोहित पंवार श्री उइके को पुस्तक नदियो का ननिहाल की प्रति सप्रेम भेट करते हुए।

कांग्रेस का हिमंता की पत्नी पर तीन देशों के पासपोर्ट रखने और विदेशों में संपत्ति छिपाने का आरोप

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। असम विधानसभा चुनाव की सरगर्मी के बीच कांग्रेस ने मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन अलग-अलग देशों के पासपोर्ट होने का दावा किया है। पार्टी ने असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास विदेशों में संपत्तियां होने और इनका विवरण चुनावी हलफनामे में नहीं देने का आरोप भी लगाया है। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कथित दस्तावेजों की फोटोकॉपी दिखाते हुए कहा कि रिंकी भुइयां सरमा के पास संयुक्त अरब अमीरात, एंटीगुआ-बारबुडा और मिस्र के पासपोर्ट हैं। यूएई का पासपोर्ट 14 मार्च 2022 को जारी हुआ और 13 मार्च 2027 तक वैध है, एंटीगुआ-बारबुडा का पासपोर्ट 26 अगस्त 2021 को जारी हुआ और 25 अगस्त 2031 तक वैध है, जबकि मिस्र का पासपोर्ट 13 फरवरी 2022 को जारी हुआ और 12 फरवरी 2029 तक वैध है। भारत में दोहरी नागरिकता की अनुमति नहीं है, ऐसे में यह मामला गंभीर जांच का विषय बनता है। पवन खेड़ा ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की राजनीति एक ओर जहां धार्मिक ध्रुवीकरण पर आधारित बताई जाती है, वहीं दूसरी ओर उनकी पत्नी के पास कथित तौर पर विदेशी पासपोर्ट होना कई सवाल खड़े करता है। इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए, जिससे कि सच्चाई सामने आ सके। पवन खेड़ा ने दावा किया कि रिंकी भुइयां सरमा के नाम पर दुबई में दो संपत्तियां हैं, जिनका पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध है, लेकिन मुख्यमंत्री के चुनावी हलफनामे में इनका कोई उल्लेख नहीं किया गया। चुनाव लड़ने वाले किसी भी उम्मीदवार के लिए यह अनिवार्य है कि वह अपनी और अपने परिवार की चल-अचल संपत्तियों का पूरा ब्योरा हलफनामे में दे। ऐसे में इन संपत्तियों का जिक्र न होना गंभीर सवाल खड़े करता है। खेड़ा ने कहा कि अमेरिका के वायोमिंग में रिंकी भुइयां सरमा से जुड़ी एक कंपनी संचालित है, जिसमें मुख्यमंत्री और उनके परिवार के अन्य सदस्यों के नाम भी जुड़े हैं। इस कंपनी का बजट 3,467 करोड़ अमेरिकी डॉलर है और इसमें परिवार के सदस्यों के बीच लगभग 52,000 करोड़ रुपये के हिस्से का उल्लेख किया गया है। पवन खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि वायोमिंग जैसे स्थान का चयन इसलिए किया गया क्योंकि वहां कर संबंधी नियम अपेक्षाकृत सरल हैं और संपत्तियों को छिपाने के आरोप भी अक्सर लगते रहे हैं।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने इन दस्तावेजों को सार्वजनिक करने से पहले दो दिन तक उनका सत्यापन किया है। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से इस पूरे मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित कर जांच कराने की मांग की। साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग से भी इस मामले में संज्ञान लेने और हलफनामे में कथित जानकारी छिपाने के आरोपों की जांच करने की अपील की।

खास खबर

मेट्रो स्टेशन पर रोती मिली किशोरी, पुलिस ने काउंसलिंग कर परिवार से मिलाया

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो परिसर में संवेदनशीलता और तत्परता का परिचय देते हुए मेट्रो यूनिट पुलिस ने एक परेशान किशोरी को सुरक्षित उसके परिजनों से मिलाया। यह घटना 4 अप्रैल की है, जब आनंद विहार मेट्रो स्टेशन पर गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों की नजर एक रोती हुई लड़की पर पड़ी। मेट्रो का काम देख रहे पुलिस उपायुक्त बी भरत रेड्डी ने रविवार को बताया कि हेड कांस्टेबल आदर्श और महिला कांस्टेबल सुनीता नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान उन्होंने मेट्रो स्टेशन के अंदर एक किशोरी को अकेले बैठे रोते हुए देखा। उसकी हालत को देखते हुए दोनों पुलिसकर्मी तुरंत उसके पास पहुंचे और उसे सुरक्षित स्थान पर ले जाकर बातचीत शुरू की। शुरुआत में लड़की काफी घबराई हुई थी और कुछ भी बताने से हिचक रही थी। महिला कांस्टेबल ने उसे शांतिपूर्वक समझाया और भरोसा दिलाया। धीरे-धीरे वह सहज हुई और अपनी पहचान व घर का पता बताया। पूछताछ में सामने आया कि वह पिछले दो-तीन दिनों से पढ़ाई को लेकर परिवार के दबाव में मानसिक तनाव से गुजर रही थी। इसी कारण वह सुबह करीब चार बजे बिना बताए घर से निकल गई थी। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसके पिता से संपर्क किया। पिता ने पुष्टि की कि लड़की घर से बिना बताए चली गई थी और परिवार उसकी तलाश कर रहा था। उन्होंने तुरंत दिल्ली आने की बात कही और अपने रिश्तेदार को भी मौके पर भेजा। कुछ ही देर में लड़की के चाचा अन्य परिजनों के साथ थाने पहुंचे और उसकी पहचान की। बाद में पिता के पहुंचने पर सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी की गईं। परिवार को लड़की की स्थिति के बारे में जानकारी दी गई और मेडिकल जांच की सलाह भी दी गई, हालांकि परिजनों ने बताया कि वह सामान्य है। सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बाद किशोरी को सुरक्षित उसके पिता के सुपुर्द कर दिया गया।

पड़ोसियों के विवाद में किराना दुकानदार की हत्या, दो घायल

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिमी जिले के सुभाष प्लेस थाना क्षेत्र में शनिवार रात पड़ोसियों के बीच हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। शकुरपुर इलाके के संजय पार्क, के-ब्लॉक में हुई इस घटना में 50 वर्षीय किराना दुकानदार की चाकू मारकर हत्या कर दी गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, शनिवार रात करीब 9:10 बजे पीसीआर कॉल के माध्यम से सूचना मिली कि शकुरपुर के संजय पार्क इलाके में पड़ोसियों के बीच झगड़ा हो रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जांच में सामने आया कि किसी बात को लेकर कहासुनी के बाद दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया और देखते ही देखते हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि इस दौरान हमलावरों ने लाठी-डंडों, लोहे की रॉड और चाकुओं से हमला कर दिया। हमले में राजकुमार (50), जो इलाके में किराना दुकान चलाते थे, को कई बार चाकू मारा गया। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। वहीं, दो अन्य लोग भी इस झगड़े में घायल हुए हैं, जिनका इलाज चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव टीम के साथ मौके पर पहुंची। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम टीम और एफएसएल की टीम को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। इस मामले में सुभाष प्लेस थाने में एफआईआर संख्या 177/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपित को हिरासत में ले लिया है, जबकि अन्य आरोपितों की पहचान कर ली गई है। कुछ आरोपित घायल बताए जा रहे हैं और उनका उपचार जारी है। पुलिस का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है और जल्द ही सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे आपसी विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं और गुस्से में आकर कानून हाथ में न लें, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

भारी बारिश-ओलावृष्टि से फसल नुकसान पर केंद्र सतर्क, प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ होगी बैठक : शिवराज सिंह चौहान

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में हाल ही में हुई भारी बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान को लेकर केंद्र सरकार सक्रिय हो गई है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस स्थिति का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को तत्काल समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। कृषि मंत्रालय के अनुसार, मंत्री शिवराज सिंह चौहीन ने संबंधित राज्यों के अधिकारियों से संपर्क कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि फसलों को हुए नुकसान का सही आकलन जरूरी है, ताकि प्रभावित किसानों को समय पर राहत प्रदान की जा सके। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में केंद्र सरकार किसानों के साथ मजबूती से खड़ी है और उन्हें किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। सरकार हर संभव सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि प्रभावित राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ आज बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में फसल क्षति का विस्तृत आकलन कर राहत और मुआवजे के उपायों पर निर्णय लिया जाएगा।

डीयू में 'कैंपस लोकतंत्र के लिए दौड़' मैराथन के साथ एनएसयूआई स्थापना दिवस सप्ताह की शुरुआत

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। एनएसयूआई ने अपने स्थापना दिवस (9 अप्रैल) के उपलक्ष्य पर आयोजित सप्ताह भर चलने वाले कार्यक्रमों की शुरुआत दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में 'कैंपस लोकतंत्र के लिए दौड़' मैराथन के साथ की। यह कार्यक्रम एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ के नेतृत्व में आयोजित किया गया। विश्वविद्यालय परिसरों में लोकतांत्रिक मूल्यों पर बढ़ते खतरे के बीच, हजारों छात्रों ने उत्साहपूर्वक इस मैराथन में भाग लिया और कैंपस लोकतंत्र तथा छात्र अधिकारों की रक्षा के समर्थन में एक सशक्त और एकजुट संदेश दिया। यह विशाल भागीदारी छात्रों के सामूहिक संकल्प को दर्शाती है कि वे लोकतांत्रिक परंपराओं की रक्षा करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि उनकी आवाज सुनी जाए। एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि 9 अप्रैल एनएसयूआई का स्थापना दिवस है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए हमने एक सात दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया है, जिसका उद्देश्य यह उजागर करना है कि देश का संविधान और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता किस प्रकार खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि आज दिल्ली विश्वविद्यालय में 'कैंपस लोकतंत्र के लिए दौड़' में हजारों छात्रों ने भाग लिया, ताकि हमारे कैंपस लोकतंत्र की रक्षा की जा सके। इस दौड़ का एक स्पष्ट उद्देश्य है—दिल्ली विश्वविद्यालय के भीतर छात्र आवाज़ों के दमन के विरुद्ध अपनी आवाज उठाना। इस प्रकार की कार्रवाइयां लोकतंत्र की भावना के विपरीत हैं। इसके प्रतिरोध में हमने यह मैराथन आयोजित की, जिसमें छात्रों की भारी भागीदारी रही।

चोरी के वाहन व हथियार के साथ आरोपित गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। द्वारका जिले के सेक्टर-23 थाना पुलिस ने क्षेत्र में गश्त के दौरान एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से चोरी की स्कूटी और एक अवैध बटनदार चाकू बरामद किया गया है। साथ ही उसकी निशानदेही पर एक अन्य चोरी की दोपहिया वाहन भी बरामद किया गया। द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुंशल पाल सिंह ने रविवार को बताया कि द्वारका सेक्टर-23 थाना टीम इलाके में नियमित गश्त कर रही थी। इसी दौरान एक संदिग्ध युवक स्कूटी पर भागने की कोशिश करता दिखाई दिया। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे रोककर जांच की। तलाशी के दौरान उसके पास से एक होंडा एक्टिवा स्कूटी और एक बटन दबाकर खुलने वाला चाकू बरामद हुआ। जांच में स्कूटी चोरी की पाई गई, जो उत्तम नगर थाने में दर्ज एक ई-एफआईआर से संबंधित थी। पूछताछ के दौरान आरोपित ने एक और चोरी की वारदात का खुलासा किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने एक स्कूटर बरामद किया, जो सेक्टर-23 द्वारका थाने में दर्ज चोरी के मामले से जुड़ा हुआ है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार गिरफ्तार आरोपित की पहचान गोयला डेयरी निवासी रवि रंजन (24) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपित पहले भी वाहन चोरी के कई मामलों में शामिल रहा है और उसके खिलाफ विभिन्न थानों में केस दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

खरगे बोले-केरलम में चल रही बदलाव की हवा, कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का बनना तय

लोकतंत्र की शान , संवाददाता जीशान अली

नई दिल्ली: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि केरलम में बदलाव की हवा चल रही है और कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का बनना तय है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि प्रगतिशील विचारधारा और सामाजिक न्याय के प्रतीक केरलम को एलडीएफ शासन ने भ्रष्टाचार, आर्थिक कुप्रबंधन व बेरोजगारी में धकेल दिया है। केरलम में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान इडुक्की की विशाल जनसभा में मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले दस वर्षों में एलडीएफ केवल घोटालों और भ्रष्टाचार की सरकार बनकर रह गई है। उन्होंने लाइफ मिशन हाउसिंग घोटाला, सबरीमाला मंदिर से सोना चोरी जैसे मामलों का जिक्र करते हुए सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा। खरगे ने जनसभा में उमड़ी भारी भीड़ को संबिधित करते हुए कहा कि केरलम के मुख्यमंत्री विजयन स्वतंत्र नहीं हैं, बल्कि मोदी उन्हें नियंत्रित कर रहे हैं। विजयन मोदी के रास्ते पर चल रहे हैं। बस फर्क इतना है कि एक का झंडा केसरिया है और दूसरे का लाल, लेकिन दोनों की कार्यशैली एक जैसी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में भाजपा एक भी सीट नहीं जीतने वाली है।

फिट इंडिया संडेज ऑन साइकिल में 800 से ज्यादा प्रतिभागियों ने दिखाया फिटनेस का जोश

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। नई दिल्ली के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में शनिवार को फिट इंडिया संडेज़ ऑन साइकिल के 68वें संस्करण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने विभिन्न फिटनेस जोन्स में हिस्सा लिया। इन गतिविधि जोन्स में बैडमिंटन, टेबल टेनिस, क्रिकेट, रस्साकशी, योग, स्किपिंग चैलेंज और कैरम, लूडो व सांप-सीढ़ी जैसे पारंपरिक खेल शामिल थे। कार्यक्रम में शामिल दिल्ली की निवासी रितु शर्मा ने कहा कि मैं यहां सिर्फ साइकिल चलाने आई थी, लेकिन यह तो एक पूरा फिटनेस फेस्टिवल जैसा लग रहा है। मेरे बच्चे बैडमिंटन और टेबल टेनिस खेल रहे हैं, जबकि मैं योग कर रही हूं। यहां हर किसी के लिए कुछ न कुछ है। एक अन्य प्रतिभागी जस्मीत चंदोक ने कहा कि यहां का माहौल अद्भुत है। संगीत, खेल और साइक्लिंग—सब मिलकर इसे विश्व स्वास्थ्य दिवस के उत्सव जैसा बना देते हैं। इस आयोजन की खास बात यह रही कि स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन और इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी जैसे संगठनों ने विशेष भागीदार के रूप में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जुम्बा, योग और रस्सी कूद जैसे ऊर्जावान सत्रों ने वातावरण को जीवंत बना दिया। इस अवसर पर पूर्व क्रिकेटर परविंदर अवाना, पावरलिफ्टिंग गुरु मुकेश गहलोत और पैरालंपियन पुष्पेंद्र सिंह सहित कई विशिष्ट अतिथि और फिटनेस इन्फ्लुएंसर मौजूद रहे। परविंदर अवाना ने कहा कि यह सिर्फ रविवार तक सीमित नहीं रहना चाहिए, इसे रोज की आदत बनाना चाहिए।" मुकेश गहलोत ने कहा कि कई वर्षों बाद यह एक नया अनुभव रहा और मुझे बहुत अच्छा लगा। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यह पहल हमारे जीवन में अपनाने के लिए सबसे बेहतरीन है। एक युवा डॉक्टर ने कहा कि साथियों के साथ साइक्लिंग करना "अस्पताल के बाहर एक उत्सव जैसा अनुभव" था, जबकि एक नर्सिंग छात्रा ने इसे "याद दिलाने वाला पल" बताया कि दूसरों की देखभाल से पहले खुद की देखभाल जरूरी है। इस अवसर पर रहगिरी फाउंडेशन ने एक नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया, जिसमें सक्रिय जीवनशैली और सुरक्षित सार्वजनिक स्थानों के महत्व को दर्शाया गया।

आचार संहिता लागू होने के बाद से पांच राज्यों में 651.51 करोड़ की नकदी जब्त: चुनाव आयोग

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनाव के मद्देनज़र लागू आदर्श आचार संहिता के तहत कार्रवाई करते हुए अब तक 651.51 करोड़ रुपये मूल्य की नकदी और अवैध सामग्री जब्त की है। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई निष्पक्ष, पारदर्शी और स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है। चुनाव आयोग के अनुसार, चार राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में चुनावी तैयारियों के बीच आचार संहिता के प्रभावी पालन के लिए व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत 5,173 से अधिक फ्लाइंग स्क्वॉड और 5,200 से ज्यादा स्टैटिक सर्विलांस टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जांच, तलाशी और नाकाबंदी अभियान चला रही हैं, ताकि अवैध गतिविधियों पर तुरंत अंकुश लगाया जा सके। आयोग की ओर से बताया गया कि इलेक्ट्रॉनिक सीजर मैनेजमेंट सिस्टम (ईएसएमएस) के माध्यम से 26 फरवरी से अब तक बड़ी मात्रा में अवैध वस्तुओं की जब्ती दर्ज की गई है। इसमें 53.2 करोड़ रुपये नकद, 79.3 करोड़ रुपये की शराब, 230 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ, 58 करोड़ रुपये की कीमती धातु और 231.01 करोड़ रुपये के अन्य मुफ्त उपहार शामिल हैं। राज्यवार आंकड़ों पर नजर डालें तो सबसे अधिक जब्ती पश्चिम बंगाल में 319 करोड़ रुपये की हुई है। इसके बाद तमिलनाडु में 170 करोड़ रुपये, असम में 97 करोड़ रुपये, केरल में 58 करोड़ रुपये और पुडुचेरी में 7 करोड़ रुपये की जब्ती दर्ज की गई है। आयोग ने यह भी बताया कि आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए जिला स्तर पर शिकायत निवारण समितियां गठित की गई हैं। साथ ही लोगों और राजनीतिक दलों से अपील की गई है कि वे 'सी-विजिल' ऐप के जरिए आचार संहिता उल्लंघन की शिकायत दर्ज कराएं, जिससे कि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

एक पेड़ मां के नाम' आन संडे अभियान के तहत लक्ष्मीबाई नगर में किया वृक्षारोपण

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। 'एक पेड़ मां के नाम' आन संडे अभियान के अंतर्गत जनभागीदारी को बढ़ावा देने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने आज तिकोना पार्क, लक्ष्मीबाई नगर मार्केट (सेंट्रल गवर्नमेंट ऑफिसर्स आरडब्ल्यूए टाइप–3 एवं 4, लक्ष्मीबाई नगर) नई दिल्ली में वृक्षारोपण कार्यक्रम का नेतृत्व किया। चहल ने स्थानीय निवासियों के साथ पौधे लगाए और कहा कि "एक पेड़ मां के नाम" अभियान प्रधानमंत्री की प्रेरणा से प्रारंभ किया गया एक भावनात्मक एवं सामाजिक जन-अभियान है, जिसके माध्यम से लोगों को अपनी मां के सम्मान में एक पेड़ लगाने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह अभियान केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति के प्रति सम्मान, सामाजिक जिम्मेदारी और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण सुनिश्चित करने का संकल्प भी है। चहल ने बताया कि पालिका ने वर्षभर के लिए एक " ग्रीन कैलेंडर" तैयार किया है, जिसके अंतर्गत हर रविवार को क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी कि की हरित पहलें और नागरिक सेवाओं से जुड़ी गतिविधियांप्रधानमंत्री के "विकसित भारत @2047" के विज़न के अनुरूप हैं, जहां स्वच्छ हवा, स्वस्थ वातावरण और सतत शहरी विकास को विशेष महत्व दिया गया है। ऐसे अभियानों के माध्यम से एनडीएमसी केवल हरित क्षेत्र बढ़ाने का कार्य कर रही है, बल्कि नागरिकों में पर्यावरण संरक्षण और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को भी सुदृढ़ कर रही है।

गोदामों से एलपीजी सिलेंडर की बिक्री पर सख्त रोक : रेखा गुप्ता

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली में एलपीजी वितरण व्यवस्था को और अधिक पारदर्शी एवं सुचारू बनाने के लिए सरकार ने सख्त कदम उठाते हुए गोदामों से सिलेंडरों की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) ने सभी वितरकों को स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं कि गोदाम से सीधे सिलेंडर बेचना अवैध है और इस प्रकार की किसी भी गतिविधि पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ सरकार ने उपभोक्ताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूरे शहर में 5 किलोग्राम एलपीजी सिलेंडरों की उपलब्धता में उल्लेखनीय विस्तार किया है। अब ये छोटे सिलेंडर वैध पहचान पत्र दिखा कर गैस एजेंसियों से आसानी से प्राप्त किए जा सकते हैं, इसके लिए पते के सत्यापन की आवश्यकता नहीं होगी। प्रवासी श्रमिकों को विशेष सुविधा देने के उद्देश्य से एचपीसीएल के चयनित आउटलेट्स पर 11 समर्पित हेल्प डेस्क भी स्थापित किए गए हैं, जहां उन्हें नजदीकी एलपीजी वितरकों की जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एलपीजी आपूर्ति की निरंतर निगरानी की जा रही है, ताकि किसी भी प्रकार की बाधा न आए और सभी नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित हो सके। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे गैस एजेंसियों या भंडारण स्थलों पर जाने या भीड़ लगाने से बचें, क्योंकि बुक किए गए सभी एलपीजी सिलेंडर निर्धारित समय के भीतर सीधे घर तक पहुंचाए जा रहे हैं। चार अप्रैल के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली में कुल 1,14,679 एलपीजी बुकिंग दर्ज की गईं, जबकि ऑयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा 1,31,335 सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। डिलीवरी की संख्या बुकिंग से अधिक होना इस बात का संकेत है कि लंबित मांग को तेजी से पूरा किया जा रहा है और पूरी प्रणाली प्रभावी ढंग से काम कर रही है। वर्तमान में घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की औसत डिलीवरी समय 4.24 दिन है, जिससे उपभोक्ताओं को समयबद्ध और विश्वसनीय सेवा मिल रही है। मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि अवैध गतिविधियों जैसे जमाखोरी और कालाबाजारी पर रोक लगाने के लिए सरकार ने एक समर्पित कंट्रोल रूम (हेल्पलाइनः 011-23379836 / 8383824659) भी संचालित किया है। प्रवर्तन गतिविधियों को और तेज करते हुए हाल ही में दिल्ली पुलिस द्वारा 17 स्थानों पर छापेमारी की गई, जबकि खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के अधिकारियों ने 76 गैस एजेंसियों और भंडारण स्थलों का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने दिल्लीवासियों को पुनः आश्वस्त किया है कि दिल्ली में एलपीजी आपूर्ति पूरी तरह सुव्यवस्थित और नियंत्रण में है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे शांति बनाए रखें, किसी भी प्रकार की अफवाह से बचें और स्थापित डिलीवरी व्यवस्था पर भरोसा करते हुए प्रशासन के साथ सहयोग करें।

संक्षिप्त समाचार

मिशन शक्ति 5.0 के तहत संभल में महिलाओं को किया गया जागरूक, चौपाल लगाकर दी सुरक्षा व साइबर जानकारी

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी : संभल। थाना नखासा क्षेत्र में पुलिस अधीक्षक संभल कृष्ण कुमार के निर्देशन में जनपद में चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान 5.0 के तहत थाना नखासा पुलिस टीम द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को लेकर व्यापक जागरूकता अभियान चलाया गया। थाना नखासा प्रभारी संजीव बालियान एवं महिला उप निरीक्षक राखी सिंह की टीम ने थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करते हुए नारी सुरक्षा, आत्मनिर्भरता तथा साइबर जागरूकता के विषय में महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस दौरान महिलाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों और डिजिटल ठगी से बचाव के तरीकों के बारे में विस्तार से बताया गया। अभियान के दूसरे चरण में दिनांक 05-04-2026 को अशरफी चौराहा एवं आसपास के बाजार क्षेत्रों में विशेष चौपाल का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। चौपाल के माध्यम से सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ हेल्पलाइन नंबर 1076, 112, 1090, 1930 तथा मिशन शक्ति सीयूजी नंबर के बारे में भी अवगत कराया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को किसी भी आपात स्थिति में तुरंत हेल्पलाइन का उपयोग करने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। यह अभियान महिलाओं में सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की भावना को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है।

पुलिस अधीक्षक, रामपुर द्वारा किया गया थाना केमरी का औचक निरीक्षण

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर पुलिस अधीक्षक, सोमेंद्र मीणा द्वारा थाना केमरी का औचक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान थाना कार्यालय पर बने अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, मालखाना रजिस्टर, फ्लाई शीट आदि का निरीक्षण कर उनमें अंकित की जाने वाली प्रवष्टियों एवं साफ सफाई को चैक किया गया । साथ ही थाना परिसर में बने मालखाना, कम्प्यूटर कक्ष, हवालात, भोजनालय आदि की साफ-सफाई का बारीकी से अवलोकन कर संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए । इसके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की समस्या को शालीनता से सुनकर त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए तथा आमजन के साथ विनम्र व्यवहार बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए ।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर, उदघोष के साथ भक्तो ने की पूजा अर्चना

मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, मुरादाबादमूंढापांडे/ हनुमान जयंती पर मूंढापांडे में स्थित हनुमान मंदिर पर हनुमान जयंती मनाई गई। मंदिर झालरों की लाइट जगमगाथ रहा था। भक्त लोग जय हनुमान ज्ञान गुन सागर, जय कपीस तीन लोग उजागर उदघोष के पूजा अर्चना की गई। महाराज सत्यवीर सिंह ने बताया कि हनुमान जयंती पर शाम से भक्तो ने पूजा अर्चना शुरू कर दी है। कीर्तन और प्रसाद वितरण किया गया जय हनुमान गान गुन सागर जय कपीस तीन लोक उजागर रामदूत अतुलित बल गामा। अंजिली पुत्र पवन सुत नामा महावीर विक्रमी बजरंगी कुमति निवारण सुमित संगी कंचन वरन विराजै सुमेसा का पाठ सुनाया गया इसके बाद आरती की गई। इसमे उमेश कुमार, मनोज कुमार, नरेश कश्यप, विशाल, सुमित कुमार शेखर सौरभ कुमार आदि ने सहयोग किया।

सपा कार्यकर्ताओं ने निषाद राज एवं महर्षि कश्यप की जयंती मनाई

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहाः अमरोहाः रविवार को समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय पर सपा जिला अध्यक्ष मस्तराम यादव के नेतृत्व में सपा कार्यकर्ताओं ने महर्षि कश्यप जी एवं निषाद राज जी की जयंती मनाते हुए दोनों महापुरुषों के चित्र के सम्मुख पुष्प अर्पित कर नमन किया, इस मौके पर समाजवादी पार्टी के अमरोहा जिला अध्यक्ष मस्तराम यादव ने कार्यकर्ताओं से P D A को मजबूत करने के लिए घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करने का आह्वान किया उन्होंने कहा कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक मजबूत होगा तो पार्टी मजबूत होगी उन्होंने कार्यकर्ताओं से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया, इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य 42 विधानसभा हसनपुर खानचंद खड़कवंशी ने भी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी का उद्देश्य पिछड़े दलित एवं अल्पसंख्यक को इंसाफ दिलाना है, हमारी पार्टी समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में 2027 में यूपी में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी, वहीं उन्होंने सपा कार्यकर्ताओं से तन मन धन से पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने की बात कही, इस मौके पर भारी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे 1

महर्षि कश्यप जी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम का विधायक ने किया फीता काटकर शुभारंभ

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः रविवार को विधानसभा के ग्राम ढबारसी में सप्तऋषियों में से एक श्री महर्षि कश्यप जी की जयंती के शुभ अवसर पर महर्षि कश्यप जयंती समारोह कार्यक्रम का विधायक महेंद्र सिंह खड़कवंशी ने फीता काटकर शुभ आरंभ किया, विधायक महेंद्र सिंह खड़क सिंह ने बताया कि कश्यप ऋषि मरीचि जी के विद्वान पुत्र थे, उनकी माता कला कर्दम ऋषि की बेटी वह भगवान कपिल देव की बहन थी, प्राचीन वैदिक सप्त ऋषियों में शामिल कश्यप की सबसे प्रसिद्ध व प्रमुख थे अपने श्रेष्ठ गुड, प्रताप व तब के बल पर उनकी गिनती महान विभूतियां में होती थी ऐसे महर्षि के जीवन को हमें अपने आचरण में में उतरना चाहिए, वहीं उन्होंने कहा कि प्रदेश की योगी सरकार सबका साथ सबका विकास के आधार पर सबको साथ लेकर चल रही है,इस अवसर पर आदमपुर मंडल अध्यक्ष राजीव गोयल, उझारी मंडल अध्यक्ष कल्याण सिंह सैनी, निवर्तमान मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, कमेटी अध्यक्ष करण सिंह कश्यप, मोनू त्यागी, अंकित सागर, राजेश शर्मा, प्रदीप शर्मा, बलजीत सिंह, दीपांशु कश्यप, रतन कश्यप, नायक कश्यप, डॉ भवंत सिंह, विजय कश्यप,राजा राम कश्यप, राजू कश्यप, राकेश कश्यप, भूप सिंह, रणवीर सिंह, अमित, सत्येंद्र सिंह ,अंकुर, रवि सिंह,क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संभल में नारी शक्ति को मिला नया बल, मिशन शक्ति अभियान से बढ़ा आत्मविश्वास

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

संभल/सिरसी थाना हजरत नगर गढ़ी में महिला सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने हेतु मिशन शक्ति चरण 5.0 के अंतर्गत थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में व्यापक जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के मार्गदर्शन में संचालित इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं एवं बालिकाओं को आत्मनिर्भर, जागरूक एवं सुरक्षित बनाना रहा। कार्यक्रम का संचालन थाना प्रभारी सुधीर पवार एवं उपनिरीक्षक रश्मि मलिक द्वारा किया गया। इस दौरान महिलाओं को नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के विषय में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई तथा उन्हें अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया गया। अभियान के अंतर्गत विशेष रूप से साइबर सुरक्षा जागरूकता पर बल दिया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को वर्तमान डिजिटल युग में बढ़ते साइबर अपराधों जैसे ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया दुरुपयोग एवं साइबर उत्पीड़न से बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से बताया। साथ ही सुरक्षित इंटरनेट उपयोग, गोपनीय जानकारी की सुरक्षा तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तत्काल सूचना पुलिस को देने की अपील की गई। इस अवसर पर भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित महिला सुरक्षा योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090 एवं आपातकालीन सेवा 112 के उपयोग के संबंध में जागरूक किया गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि मिशन शक्ति अभियान का उद्देश्य महिलाओं में आत्मविश्वास का संचार करना तथा समाज में उनके प्रति सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना है। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस प्रशासन महिलाओं की सुरक्षा हेतु सदैव तत्पर है। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के जागरूकता अभियानों से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक सजग बनती हैं।

मुख्यमंत्री ने देखी 'आनंद मठ' की नाट्य प्रस्तुति

लोकतंत्र की शान

» सीएम योगी ने कलाविदों व पूर्व छात्रों को किया सम्मानित
» मंच पर पहुंची नन्ही बच्ची, सीएम ने उत्साहवर्धन किया, दी चॉकलेट

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भारतेंदु नाट्य अकादमी के संपूर्ण भवन व दो प्रेक्षागृहों के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। उन्होंने यहां कलाविदों-पूर्व छात्रों का सम्मान, रंगवेद पत्रिका का विमोचन और प्रदर्शनी का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय रचित उपन्यास आनंदमठ की नाट्य प्रस्तुति भी देखी। इसके पहले भारतेंदु नाट्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. रतिशंकर त्रिपाठी ने मुख्यमंत्री का अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। मंच पर पहुंची एक बच्ची ने पैर छूकर मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लिया। सीएम ने बच्ची का उत्साहवर्धन करते हुए चॉकलेट दी।

अगर हिंदुओं की संख्या बढ़ाना इतना ही जरूरी है, तो खुद उदाहरण पेश करिए : शंकराचार्य

लोकतंत्र की शान

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली में उस वक्त माहौल गरमा गया, जब शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने मंच से ऐसा बयान दे डाला, जिसने धार्मिक ही नहीं, राजनीतिक गलियारों में भी भूचाल ला दिया। हिंदू जनसंख्या बढ़ाने के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने सीधे संघ प्रमुख मोहन भागवत पर निशाना साधा और कहा—"अगर हिंदुओं की संख्या बढ़ाना इतना ही जरूरी है, तो खुद उदाहरण पेश करिए... शादी करिए और बच्चे पैदा करिए!" इस तीखे और चुभते बयान ने पलभर में सुर्खियां बटोर लीं। शंकराचार्य यहीं नहीं रुके—उन्होंने दो टूक कहा कि समाज को दिशा देने वाले नेताओं को पहले अपने जीवन में वही सिद्धांत अपनाने चाहिए, जो वे जनता को बताते हैं। उनके शब्दों में तंज भी था और सीधा संदेश भी। उन्होंने सवाल उठाया—"क्या सिर्फ भाषणों से समाज बदल जाएगा? जो बात दूसरों से कह रहे हैं, उसे खुद पर लागू करने का साहस क्यों नहीं दिखाते?" इस बयान को कई लोग खुला राजनीतिक कटाक्ष मान रहे हैं, तो कुछ इसे धार्मिक मर्यादा के नजरिए से देख रहे हैं।उन्होंने सवाल उठाया—"क्या सिर्फ भाषणों से समाज बदल जाएगा? जो बात दूसरों से कह रहे हैं, उसे खुद पर लागू करने का साहस क्यों नहीं दिखाते?" इस बयान को कई लोग खुला राजनीतिक कटाक्ष मान रहे हैं, तो कुछ इसे धार्मिक मर्यादा के नजरिए से देख रहे हैं। बयान के सामने आते ही सोशल मीडिया से लेकर सियासी गलियारों तक हलचल तेज हो गई। समर्थक और विरोधी आमने-सामने आ गए हैं। जहां कुछ लोग शंकराचार्य के बयान को 'सच बोलने की हिम्मत' बता रहे हैं, वहीं अन्य इसे 'अनावश्यक विवाद पैदा करने वाला' कह रहे हैं। शंकराचार्य ने अंत में यह भी कहा कि धर्म और जनसंख्या जैसे संवेदनशील मुद्दों पर बयान देने से पहले नेताओं को अपने आचरण पर गंभीरता से विचार करना चाहिए, ताकि समाज में संतुलन और सद्भाव बना रहे। फिलहाल, बरेली से उठा यह बयान अब राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बन चुका है। आने वाले दिनों में यह विवाद और तूल पकड़ सकता है—और सियासत की गर्मी भी बढ़ा सकता है।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (ABVP) अवध प्रांत की दो दिवसीय प्रांत कार्यकारिणी बैठक महमूदाबाद में संपन्न

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

महमूदाबाद, सीतापुरः अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) अवध प्रांत की दो दिवसीय प्रांत कार्यकारिणी बैठक रविवार को सीतापुर जिले के महमूदाबाद स्थित श्री राम जानकी रिसॉर्ट में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कुल आठ सत्रों में चली इस गहन बैठक में संगठन की मजबूती, पिछले वर्ष के कार्यों की समीक्षा और आगामी वर्ष की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रमुख गतिविधियाँ और चर्चाः बैठक के दौरान विभिन्न आयामों और कार्य गतिविधियों के संयोजकों ने बीते वर्ष के कार्यक्रमों का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया। सत्रों में भविष्य की छात्र राजनीति, शैक्षणिक सुधारों और छात्र हितों के लिए चलाए जाने वाले आगामी आंदोलनों व रचनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने राष्ट्र पुनर्निर्माण में छात्रों की भूमिका पर बल दिया। बैठक के समापन (समारोप) सत्र में महमूदाबाद नगर इकाई के नगर अध्यक्ष राहुल सिंह ने व्यवस्था को सुचारू बनाने में दिन-रात जुटे सभी स्थानीय कार्यकर्ताओं का परिचय कराया और उनके परिश्रम की सराहना की। इसके पश्चात, प्रांत संगठन मंत्री अंशुल विद्यार्थी ने उपस्थित पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। उन्होंने आगामी कार्यक्रमों की सफलता के लिए सभी को संकल्प दिलाया और नई ऊर्जा के साथ मैदान में उतरने के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं। कार्यक्रम के अंत में प्रांत उपाध्यक्ष मंजुला उपाध्याय ने सफल आयोजन के लिए सीतापुर जिले के समस्त कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने स्थानीय इकाई के आतिथ्य और प्रबंधन की प्रशंसा करते हुए बैठक के विधिवत समापन की घोषणा की।

वार्ड 7 और 20 को मिली पक्की सीमेंट कंक्रीट सड़क की सौगात, विकास कार्य हुए पूर्ण

लोकतंत्र की शान, सैय्यद कुमैल ज़ैदी

सम्भलः नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलती नजर आ रही है। जनहित को प्राथमिकता देते हुए वार्ड नं. 7 डेरा सराय एवं वार्ड नं. 20 बेगम सराय में पक्की सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। लंबे समय से जर्जर सड़कों और जलभराव की समस्या से जूझ रहे स्थानीय लोगों को अब बड़ी राहत मिली है। आज चौधरी मुबश्शिर खान ने दोनों वार्डों का दौरा कर निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से निर्माण की गुणवत्ता, सामग्री और समयबद्धता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इस सड़क निर्माण कार्य के पूरा होने से क्षेत्र की तस्वीर बदलती नजर आ रही है। जहां पहले लोगों को टूटी-फूटी सड़कों और कीचड़ का सामना करना पड़ता था, वहीं अब सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो गई है। खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए निकलने वाले लोगों को इससे काफी राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने खुशी जाहिर करते हुए चौधरी मुबश्शिर खान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सड़क निर्माण से न केवल आवागमन आसान हुआ है, बल्कि क्षेत्र में साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति भी बेहतर होगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि आगे भी इसी तरह क्षेत्र में विकास कार्य जारी रहेंगे। चौधरी मुबश्शिर खान ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि नगर के अन्य वार्डों में भी इसी प्रकार के विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं, ताकि हर नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विकास कार्यों को लेकर संतोष व्यक्त किया।

कलेक्ट्रेट सभागार ग्राउंड में पुलिसकर्मियों ने धक्का लगाकर स्टार्ट कराई पुलिस वाहन

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

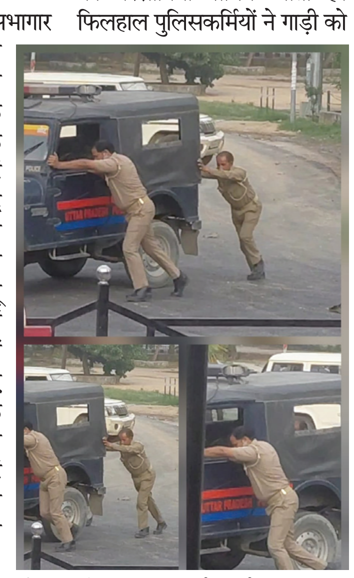

रामपुर। कलेक्ट्रेट सभागार ग्राउंड में उस समय अजीब स्थिति देखने को मिली जब पुलिस की एक सरकारी गाड़ी अचानक खराब हो गई। वाहन स्टार्ट न होने पर मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को धक्का लगाकर आगे बढ़ाया और किसी तरह उसे चालू कराया। घटना के दौरान वहां मौजूद लोगों ने पुलिसकर्मियों को वाहन को धकेलते हुए देखा। बताया जा रहा है कि वाहन में तकनीकी खराबी आ जाने के कारण वह स्टार्ट नहीं हो पा रही थी। मजबूरी में पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को धक्का लगाकर चालू कराया। इस दृश्य को देखकर लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। कई लोगों का कहना है कि सरकारी विभागों में वाहनों की समय-समय पर देखरेख और मरम्मत न होने से इस तरह की परेशानियां सामने आती हैं। फिलहाल पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को ठीक कराकर उसे आगे रवाना कर दिया। घटना कलेक्ट्रेट परिसर में चर्चा का विषय बनी रही।

सदरपुर थाना इलाके के सरय्या चलाकापुर गाँव मे आग लगने से 2 महिलाओ की मृत्यु एक बालिका ज़ख़्मी

लोकतंत्र की शान, सीतापुर से अब्दुल्लाह खान की रिपोर्ट

महमूदाबाद-सीतापुर के सदरपुर थाना क्षेत्र के चलाकापुर गाँव में लगी भीषण आग से लोग दहशत मे आ गए रात मे तेज़ हवा आंधी मे घर व जल रहे चूल्हे की आग ने विकराल रूप धारण कर लिया देखते ही देखते पूरा गाँव आग की चपेट में आ गया, जिससे भारी नुकसान की आशंका है जांच मे सामने आया की महिला और उसकी बेटी की तत्काल मृत्यु हो गई एक बच्ची के झूलस जाने पर उसे बिसवां सी एस सी से सीतापुर रिफर किया गया घटना की जानकारी मिलने पर महमूदाबाद विधायक आशा मौर्या तत्काल मौके पर पहुंची उनके पहुंचने से पहले एस डी एम बी एल सिँह, तहसीलदार अनिल कुमार सिँह, सी ओ महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव पहुचे और हर सम्भव मदद का भरोसा दिलाया विधायक आशा मौर्या ने बताया की जानकारी के अनुसार, इस भयावह हादसे में कुछ ग्रामीण महिलाओं एवं मासूम बच्चों की दुखद मृत्यु की सूचना भी सामने आ रही है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें एवं शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय में संबल दें।

आतिशबाजी का प्रदर्शन संकटा देवी धाम के प्रसिद्ध वासंतिक नवरात्र पर चल रहे वार्षिक मेले के दौरान हुआ

लोकतंत्र की शान, अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ

महमूदाबाद, सीतापुरः नगर के प्रसिद्ध मां संकटा देवी धाम में चल रहे 30 दिवसीय मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत प्रसिद्ध आल्हा गायिका नेहा सिंह का कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां संकटा देवी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ कलाकारों व अतिथियों का माल्यार्पण व स्मृतिचिन्ह भेंटकर किया गया। मां संकटा देवी धाम में चल रहे वार्षिक मेले के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत धाम के सांस्कृतिक मंच पर रायबरेली से आई प्रसिद्ध आल्हा गायिका नेहा सिंह ने अपने सहयोगी गायक विनोद सिंह, शहनाई वादक कल्लू हमीद, ढ़ोलक मास्टर होरीलाल व दंडमाल पर रमेश कुमार के साथ जब मंच पर पहुंची तो श्रोताओं ने जोरदार करतल ध्वनि से उनका स्वागत किया। नेहा सिंह ने वीरोचित वेश-भूषा में पारांपरिक आल्हा गायन प्रस्तुत कर श्रोताओं का मन मोह लिया। उन्होंने आल्हा-ऊदल के जीवन से जुड़े माड़ौ की लड़ाई, नरवलगढ़ की लड़ाई सुनाने के साथ उन्होंने देशभक्ति से परिपूर्ण मुक्तकों को आल्हा विधा में प्रस्तुत कर श्रोताओं की खूब वाहवाही लूटी। देर रात तक चले आल्हा गायन कार्यक्रम में अशोक नाग, शिवदास पुरवार, ज्ञानेश मिश्र, महराज सिंह, सत्य नरायण पुरवार सहित बड़ी संख्या में श्रोताओं ने कार्यक्रम का आनंद लिया। अतिथियों के प्रति आभार प्रदर्शन धाम समिति के अध्यक्ष आरके वाजपेयी ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां संकटा देवी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समिति के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम में पधारे रेउसा ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अवधेश चौहान, चक्रसुदर्शन पांडेय, विजय तोमर सहित कलाकारों का माल्यार्पण व स्मृतिचिन्ह भेंटकर सम्मान किया

संक्षिप्त समाचार

जुआ खेलते 8 जुआरी गिरफ्तार, बाइक-मोबाइल जब्त

हाजीपुर। वैशाली जिले के देसरी थाना क्षेत्र के मुरौवतपुर स्थित ब्रह्मोत्रा गाछी में पुलिस ने जुआ खेलते हुए 8 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई डीआईओ, क्यूआरटी और स्थानीय थाना की संयुक्त टीम ने की। मौके से कई बाइक और मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। एसडीपीओ प्रवीण कुमार ने रविवार दोपहर प्रेसवार्ता में मामले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सुल्तानपुर और मुरौवतपुर इलाकों में लंबे समय से जुआ खेलने की सूचना मिल रही थी। पुलिस अधीक्षक विक्रम सिहाग के निर्देश पर डीआईओ और क्यूआरटी टीम ने कई दिनों तक रेकी की। पुख्ता सूचना मिलने के बाद शनिवार को देसरी थाना पुलिस के साथ संयुक्त छापेमारी की गई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान महनार स्टेशन रोड निवासी नबिन्दु चौधरी के पुत्र राकेश कुमार, खरजम्मा निवासी दीनानाथ राय के पुत्र बंजारी राय, हरेराम पोद्दार के पुत्र राजेश उर्फ गोलू, उमेश राय के पुत्र धर्मेंद्र कुमार, शिव नारायण महतो के पुत्र कर्पूरी महतो, योगेंद्र चौधरी के पुत्र मुकेश कुमार, कबीर मियां के पुत्र मोहम्मद मुस्ताख और योगेंद्र राय के पुत्र मंटू कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

बिना गेटमैन खुले रेलवे फाटक पर 10 मिनट रुकी ट्रेन, घटारो हॉल्ट के पास नहीं था ,अधिकारियों ने बंद किया

हाजीपुर। वैशाली से कोडरमा जाने वाली एक ट्रेन को घटारो हॉल्ट के समीप नामीडीह से करताहां जाने वाली सड़क पर स्थित रेलवे फाटक पर लगभग 10 मिनट तक रुकना पड़ा। यह घटना तब हुई जब फाटक खुला था और वहां कोई गेटमैन मौजूद नहीं था। मौके पर गेटमैन की अनुपस्थिति सबसे चिंताजनक पहलू थी। ट्रेन लगातार हॉर्न बजाती रही, जिससे यात्रियों और आसपास के लोगों में भ्रम और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए, ट्रेन में सवार रेलवे के दो अधिकारी नीचे उतरे। उन्होंने स्वयं फाटक को बंद किया, जिसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रूप से आगे बढ़ाया जा सका। फाटक बंद करने के बाद दोनों अधिकारी वापस ट्रेन में सवार होकर अपने गंतव्य की ओर रवाना हो गए। इस घटना ने रेलवे फाटकों पर सुरक्षा व्यवस्था और कर्मचारियों की उपस्थिति को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

हाजीपुर के 2 कॉलेज में गंभीर लापरवाही उजागर

हाजीपुर। वैशाली जिला पदाधिकारी वर्षा सिंह के निर्देश पर हाजीपुर के दो प्रोफेशनल कॉलेजों - इंदू देवी रंजीत कुमार प्रकाश प्रोफेशनल कॉलेज और डॉ० रंजीत कुमार प्रकाश कॉलेज - में गंभीर अनियमितताएं पाई गई हैं। 23 मार्च 2026 को गठित एक जांच समिति द्वारा किए गए स्थलीय निरीक्षण के बाद प्रस्तुत रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। जांच प्रतिवेदन के अनुसार, इन संस्थानों में नामांकित छात्र-छात्राओं की शैक्षणिक गुणवत्ता पर गंभीर संदेह व्यक्त किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यदि छात्र इन संस्थानों से डिग्री प्राप्त करते हैं, तो उनकी योग्यता पर प्रश्नचिह्न खड़ा होगा। जांच टीम ने इसे बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड (BSCC) जैसी महत्वाकांक्षी योजना को प्रभावित करने वाला कृत्य बताया है। इन संस्थानों के खिलाफ आरोप थे कि स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड की राशि में से प्रथम वर्ष में छात्रों से लगभग दो लाख रुपये तक की वसूली की जाती थी और बाद में आंशिक राशि लौटाई जाती थी। हालांकि, जांच टीम ने स्पष्ट किया कि योजना के तहत ऋण राशि सीधे विभाग द्वारा महाविद्यालय और छात्र-छात्राओं के खातों में भेजी जाती है, इसलिए इन आरोपों की पुष्टि नहीं हो सकी है। जांच के दौरान समिति ने विगत पांच वर्षों के नामांकन और उत्तीर्ण छात्रों से संबंधित आंकड़े मांगे थे, लेकिन संबंधित महाविद्यालयों द्वारा यह जानकारी अब तक उपलब्ध नहीं कराई गई है। जांच में सहयोग न करना और आवश्यक सूचनाएं प्रदान न करना संस्थानों की मंशा पर संदेह पैदा करता है। इस कारण यह भी स्पष्ट नहीं हो सका कि कितने छात्रों ने पढ़ाई बीच में छोड़ी या कितने छात्रों ने योजना के तहत प्राप्त ऋण का उचित उपयोग किया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान दोनों संस्थानों में कोई छात्र, शिक्षक या गैर-शिक्षण कर्मचारी उपस्थित नहीं पाए गए। भवन निर्मित होने के बावजूद किसी प्रकार की शैक्षणिक या गैर-शैक्षणिक गतिविधि संचालित नहीं हो रही थी। प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरणों का अभाव था और कंप्यूटर लैब में कोई कंप्यूटर उपलब्ध नहीं था। जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शर्तों का पालन इन संस्थानों द्वारा नहीं किया जा रहा है। जांच टीम ने अपने प्रतिवेदन में संबंधित विश्वविद्यालयों से इन संस्थानों की संबद्धता पर पुनर्विचार करने की अनुशंसा की है।

वैशाली में बोलेरो चोरी करते दो चोर पकड़ाए, ग्रामीणों ने पेड़ से बांधकर पीटा, पुलिस ने हिरासत में लिया

हाजीपुर। वैशाली जिले में बोलेरो चोरी का प्रयास कर रहे दो चोरों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। यह घटना वैशाली थाना क्षेत्र के मतैया स्थित भैया राम चौक पर हुई। आक्रोशित ग्रामीणों ने दोनों चोरों को पेड़ से बांधकर उनकी पिटाई की। जानकारी के अनुसार, चार से अधिक चोर एक बोलेरो गाड़ी चुराने की कोशिश कर रहे थे। वाहन मालिक को इसकी भनक लगते ही उन्होंने शोर मचाना शुरू कर दिया। शोर सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए, जिसके बाद चोर भागने लगे। ग्रामीणों ने पीछा कर दो चोरों को पकड़ने में सफलता पाई। घटना की सूचना मिलते ही वैशाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस दोनों आरोपियों को अपनी हिरासत में लेने का प्रयास कर रही थी, लेकिन ग्रामीण आक्रोशित थे। ग्रामीणों ने बताया कि इस इलाके से पहले भी कई दोपहिया और चारपहिया वाहन चोरी हो चुके हैं। आक्रोशित ग्रामीण पकड़े गए चोरों पर कड़ी कार्रवाई और उनके गिरोह के अन्य सदस्यों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में पता चला है कि पकड़े गए आरोपियों में से एक मुजफ्फरपुर जिले के चैनपुर का निवासी है, जबकि दूसरा वैशाली थाना क्षेत्र के भागवतपुर का रहने वाला है। पुलिस दोनों आरोपियों को अपनी अभिरक्षा में लेने और भीड़ को शांत करने का प्रयास कर रही है, ताकि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा सके।

मुजफ्फरपुर में 8 साल से फरार डकैत गिरफ्तार

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले के पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर 8 साल पुराने डकैती कांड का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान कथैया थाना के श्रीरामपुर निवासी भबिक्षण राम के बेटे लक्ष्मण राम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, लक्ष्मण राम वर्ष 2018 में कांटी थाना क्षेत्र के बकटपुर पूर्वी टोला में कौशल किशोर सिंह के घर हुई भीषण डकैती कांड में वांछित था। घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। करीब 8 साल बाद पुलिस ने उसे दबोचने में सफलता पाई है। इस मामले की जानकारी कांटी थाना में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में एसडीपीओ (पश्चिमी) सुचित्रा कुमारी ने दी। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर जिले में अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कांटी थाना पुलिस को यह बड़ी सफलता मिली है। गिरफ्तार आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। उसके खिलाफ मुजफ्फरपुर समेत अन्य जिलों के कुल 6 थानों में 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें डकैती, लूट और अन्य गंभीर अपराध शामिल है। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, आरोपी बरुराज, देवरिया, साहेबगंज, मोतीपुर, कथैया समेत विभिन्न थानों में मामले दर्ज है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान उससे कई अहम जानकारियां मिली हैं, जिसके आधार पर अन्य मामलों में भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। नेटवर्क से जुड़े अन्य अपराधियों की भी तलाश जारी है। इस कार्रवाई में कांटी थाना के थानाध्यक्ष रविकांत पाठक, एसआई बिदुर कुमार समेत अन्य पुलिसकर्मियों की अहम भूमिका रही।

पटना में गैस कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस की छापेमारी

एजेंसी, पटना

पटना के श्रीकृष्णापुरी थाना क्षेत्र में पुलिस ने गैस रिफिलिंग के अवैध कारोबार का खुलासा किया है। आनंदपुरी नाला के पास स्थित सर्वेश्वरी इलेक्ट्रिक रिपेयरिंग सेंटर में छापेमारी की है। इस दौरान मौके से पुलिस ने 8 घरेलू और 1 कमर्शियल गैस सिलेंडर बरामद किए हैं।

◆ कस्टमर बनकर दुकान पर पहुंचे पदाधिकारी, 9 सिलेंडर सहित रिफिलिंग के इक्विपमेंट्स जब्त

कस्टमर बनकर पहुंचे दरोगा, ऐसे खुला राजः मामले में लगातार मिल रही गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई की है। रविवार को खुद दरोगा रणधीर कुमार सिंह कस्टमर बनकर दुकान पर पहुंचे और सिलेंडर की मांग की। दुकानदार ने ब्लैक में सिलेंडर देने की हामी भर दी। श्रीकृष्णापुरी के SHO जितेंद्र राणा दल बल के साथ छापेमारी करने दुकान पर पहुंचे। छापेमारी के दौरान दुकान से 8 खाली घरेलू और 1 कमर्शियल सिलेंडर के साथ रिफिलिंग के उपकरण भी बरामद किए गए। पूछताछ में दुकानदार इन सिलेंडरों के बारे में संतोषजनक जवाब नहीं दे सका।

रिपेयरिंग की आड़ में चल रहा था धंधाः दुकानदार की पहचान अनिल कुमार के रूप में हुई है, जो राजापुल का रहने वाला है। बताया जा रहा है कि वह गैस चूल्हा, कुकर, मिक्सी, हीटर, आयरन और पंखा रिपेयरिंग की आड़ में गैस रिफिलिंग और ब्लैक मार्केटिंग का काम कर रहा था।

आपूर्ति विभाग ने दर्ज कराई FIRः आपूर्ति निरीक्षक प्रिंस कुमार ने बताया कि, सूचना के आधार पर कार्रवाई की गई। दुकान से एक कमर्शियल, पांच इंडियन और तीन एचपी कंपनी के डोमेस्टिक यूज वाले सिलेंडर मिले हैं। पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। दुकानदार ने बताया है कि गैस की कीमत की वजह से सिलेंडर नहीं मिल पा रहा था। 1 महीने पहले तक इन्होंने रिफलिंग की है और काफी समय से रीफलिंग के धंधे में शामिल है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ श्री कृष्णा पुरी थाने में आवश्यक वस्तु अधिनियम (Essential Commodities Act) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

3 साल की बच्ची से गैंगरेप ब्लीडिंग से हालत नाजुक

एजेंसी, पटना

पटना के परसा बाजार में 3 साल की दलित बच्ची से गैंगरेप का मामला सामने आया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि आरोपियों में बच्ची का चाचा भी शामिल है। पुलिस ने बच्ची के चाचा और उसके साथी को गिरफ्तार कर लिया है। इन दरिंदों ने मासूम के साथ न सिर्फ रेप किया, बल्कि उसके साथ बर्बरता भी की। बच्ची की चीख को दबाने के लिए बदमाशों ने उसके प्राइवेट पार्ट को दांत से काटा। बच्ची के चेहरे, पीठ और नाजुक अंगों पर गहरे जख्म हैं। पूरे शरीर पर मारपीट के नीले निशान हैं। लहूलुहान और बेसुध बच्ची को एम्स पटना के आईसीयू में भर्ती कराया गया है। उसकी हालत बेहद नाजुक बनी हुई है।

गिरफ्तार चाचा की उम्र 22 साल है। वह शादीशुदा नहीं है। वहीं दूसरे आरोपी जितेंद्र की सात साल की बेटी है। दोनों स्मैकियर हैं। दोनों की गिरफ्तारी हो चुकी है और दो की भूमिका संदिग्ध है। जबकि तीसरा आरोपी फरार है। पुलिस इस मामले में सभी आरोपितों का डीएनए टेस्ट कराएगी। गैंगरेप मामले में एक दिव्यांग युवक को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस और एफएसएल टीम ने घटनास्थल से खून से सने कपड़े और सबूत जुटा लिए हैं। पॉक्सो एक्ट समेत संगीन धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। परसा बाजार इलाके की रहने वाली 3 साल की बच्ची घर में अकेली थी। उसकी मां किसी काम से बाहर गई थी। बच्ची का चाचा घर में आया और बच्ची को गोद में उठाकर घर से बाहर ले गया।

उसके साथ उसके दो दोस्त भी थे। तीनों बच्ची को बहलाकर घर से 300 मीटर एक तालाब के किनारे ले गए। वहीं तीनों से बच्ची के साथ गैंगरेप की वारदात को अंजाम दिया। बच्ची की मां जब घर पहुंची तो वो उसे घर में ढूंढने लगी। बच्ची घर में नहीं मिली तो उसने आस-पड़ोस के लोगों से बच्ची के बारे में पूछा, लेकिन किसी को बच्ची के बार में जानकारी नहीं थी।

'हम नीम जैसे कड़वे, लेकिन इलाज बढ़िया करते हैं'

एजेंसी, पटना

पटना के बापू सभागार में आयोजित खान सर के कार्यक्रम 'पढ़ाई और स्वरोजगार' में एक छात्र ने उन्हें खून से बनाई गई तस्वीर भेंट की। यह तस्वीर नीम की लकड़ी पर बनाई गई थी। तस्वीर देखने के बाद खान सर ने छात्र की तारीफ की। उन्होंने कहा, "इन्होंने पेड़ बहुत अच्छा चुना है, नीम का। हम नीम जैसे हैं, स्वाद में भले कड़वे लगें, लेकिन बीमारी ठीक करने का काम करते हैं।" इसके बाद उन्होंने छात्र से पूछा, "यह तस्वीर कैसे बनाई?" छात्र ने जवाब दिया, "अपने खून से..."। यह सुनकर सभागार में मौजूद छात्र-छात्राएं भावुक हो गए। इस पर खान सर ने कहा, "यह ठीक नहीं है। ऐसा मत करिए, हम टेंशन में आ जाएंगे।" इतना कहने के बाद उन्होंने छात्र को गले लगा लिया।

प्रसिद्ध शिक्षक खान सर की ओर से 'पढ़ाई और स्वरोजगार' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया है। इसमें UPSC, UPSC, UPSC समेत अलग-अलग प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राएं शामिल हुए हैं। सेमिनार का मुख्य उद्देश्य छात्रों को शिक्षा के माध्यम से नौकरी हासिल करने और आगे चलकर स्वरोजगार की दिशा में भी प्रेरित करना है। समिनार में शामिल एक छात्र ने अपनी खून से बनाई तस्वीर खान सर को भेंट की। इसपर खान सर ने कहा कि ऐसा मत करिए, हम टेंशन में आ जाएंगे। खान सर ने अपने संबोधन में छात्रों को सही दिशा देने पर जोर दिया, ताकि वे पढ़ाई के दम पर नौकरी हासिल कर सकें और आगे चलकर अपना खुद का व्यवसाय भी शुरू कर सकें।

'कस्टम अधिकारी' बनकर 17 किलो सोने की लूट

एजेंसी, पटना

पटना में गुजरात के कारोबारी के स्टाफ से 17 किलो सोने की लूट हुई है। कस्टम अधिकारी बनकर अपराधियों ने लूट की वारदात को अंजाम दिया। वारदात दानापुर के खगौल थाना क्षेत्र में हुई। गुजरात के कारोबारी के स्टाफ और राजकोट के रहने वाले महेश को पटना में बंधक बना लिया गया। उससे सोने से भरा बैग बदमाशों ने लूट लिया और इसके बाद महेश को छोड़कर फरार हो गए। घटना शनिवार की है। लूटे गए 17 किलोग्राम सोने की कीमत आज के हिसाब से करीब 25 करोड़ से ज्यादा की होगी। पटना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

अहमदाबाद से पटना पहुंचे थे व्यापारीः जानकारी के अनुसार, गुजरात के राजकोट निवासी महेश मामतोरा और प्रिंस रामपरिया नामक दो व्यापारी अहमदाबाद से सहरसा एक्सप्रेस के जरिए दानापुर पहुंचे थे। वे केबीएस एंड संस के मालिक सुनील भाई का लगभग 17 किलो सोने का जेवर लेकर पटना के बाकरगंज जा रहे थे। दानापुर रेलवे स्टेशन से बाकरगंज जाने के लिए दोनों ने एक ऑटो बुक की।

ब्रिज पर पुलिस की लोगो लगी कार ने रोकाः जैसे ही उनका ऑटो खगौल ओवरब्रिज के बीच पहुंचा, पुलिस का स्टीकर लगी एक कार और दो मोटरसाइकिल पर सवार 5 से 7 बदमाशों ने दोनों को घेर लिया। सभी बदमाश सफेद शर्ट और खाकी पैंट पहने हुए थे। उन्होंने खुद को कस्टम अधिकारी बताकर जांच के नाम पर व्यापारियों के तीनों बैग जब्त कर लिए।

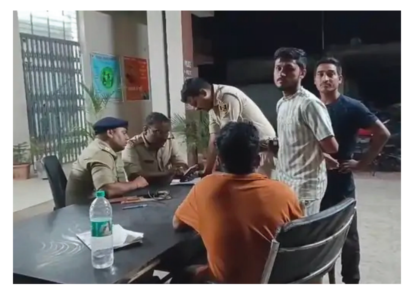

कस्मट अधिकारी बोलकर बैग ले लिएः पीड़ितः गुजरात कारोबारी के स्टाफ प्रिंस ने बताया, 'हमारी ऑटो रुकवाकर उन्होंने कहा, हम कस्टम अधिकारी है, अपना बैग दे दो। पहले तो हम घबरा गए। बातचीत से वो असली अधिकारी लग रहे थे। फिर मैंने अपने सेठ जी को फोन किया, पहले तो उन्होंने रूम जाने को कहा, फिर दोबारा फोन कर कहा कि थाने में शिकायत करो, तो मैं यहां आ गया।'

अपराधियों को सोने के बारे में पहले से पता थाः दूसरे स्टाफ महेश मामतोरा ने बताया, 'ब्रिज पर एक कार और 2 बाइक पर सवार कुछ लोगों ने हमें घेर लिया। मुझे बंधक बना लिया। सभी सफेद शर्ट और खाकी पैंट में थे। बदमाशों की बातचीत और हाव-भाव से वे पूरी तरह असली कस्टम अधिकारी लग रहे थे। कार में मेरे अलावे तीन लोग थे। कुछ देर बाद मुझे एहसास हुआ कि कार में कोई हलचल नहीं है। गाड़ी नहीं चल रही थी, फिर मैंने किसी तरह से अपने हाथ खोले, नाकाब हटाया, तो खुद को सुनसान जगह में कार के साथ अकेला पाया।'

❑ गुजराती कारोबारी के स्टाफ बोले- जबरन कार में बिठाया, सभी सफेद शर्ट-खाकी पैंट में थे

पुलिस ने ब्रिज से कार बरामद कीः घटना की सूचना मिलते ही खगौल थाना पुलिस हरकत में आई और कार्रवाई करते हुए नौबतपुर रोड से संदिग्ध कार को बरामद कर लिया। मामले में डीआईयू और एसटीएफ को भी लगाया गया है। दानापुर स्टेशन, खगौल रोड और आसपास के सीसीटीवी कैमरे को खंगाला जा रहा है। खगौल थाना प्रभारी रंजन कुमार ने बताया कि, 'घटना में इस्तेमाल कार जब्त कर ली गई है। गुजरात स्थित व्यापारी के मालिक सुनील भाई को सूचना दे दी गई है। उनके आने के बाद ही लूटे गए सोने की सही मात्रा का पता चल सकेगा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।'

दुल्हिनबाजार में गैस सिलेंडर फटा, परिवार बाल-बाल बचा

एजेंसी, पटना

पटना के दुल्हिनबाजार थाना क्षेत्र के सदावह गांव में देर रात गैस सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। हादसे में घर का लाखों रुपये का सामान जलकर खाक हो गया, हालांकि समय रहते परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बाहर निकल गए। यह घटना गांव निवासी अशोक मिस्त्री के घर में हुई। घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और दमकल विभाग को बुलाया गया। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दमकल ने कड़ी मशक्कत के बाद पाया काबूः जानकारी के अनुसार, देर रात खाना बनाने से पहले वह गैस सिलेंडर की जांच कर रहे थे। इसी दौरान अचानक जोरदार धमाका हुआ और आग भड़क उठी।

धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और तुरंत परिवार के सभी सदस्यों को घर से बाहर निकाल लिया। इस दौरान आग तेजी से पूरे घर में फैल गई और सामान जलने लगा।

लाखों का नुकसान, मजदूर परिवार पर संकटः अशोक मिस्त्री ने बताया कि, इस हादसे में घर का सारा सामान जल गया है, जिससे लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि वह मजदूरी कर परिवार का पालन-पोषण करते हैं, ऐसे में यह नुकसान उनके लिए बड़ा झटका है।

◆ घर में रखा लाखों का सामान जलकर राख लीकेज से आग लगने की आशंका

लीकेज की आग लगने की आशंकाः प्राथमिक जांच में सिलेंडर लीकेज के दौरान हादसा होने की बात सामने आई है। थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दमकल की मदद से आग पर काबू पाया गया। राहत की बात है कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है, वहीं लोग गैस सिलेंडर के इस्तेमाल में सतर्कता बरतने की अपील कर रहे हैं।

इंगेजमेंट से पहले बॉयफ्रेंड से बनाए संबंध, अस्पताल में भर्ती, ज्यादा ब्लीडिंग होने पर बिगड़ी थी तबीयत

एजेंसी, पटना

पटना के अगमकुआं इलाके में एक युवती (22) इंगेजमेंट से पहले अपने बॉयफ्रेंड से मिलने पहुंची थी। बॉयफ्रेंड उसे अपने साथ लेकर एक जानने वाले के रूम पर गया। वहां युवती और उसके बॉयफ्रेंड ने शारीरिक संबंध बनाए। इसी दौरान प्राइवेट पार्ट से अधिक ब्लीडिंग होने लगी। दोनों डर गए, जिसके बाद बॉयफ्रेंड अपनी बाइक से उसे लेकर इलाज कराने चित्रगुप्त नगर इलाके के एक निजी नर्सिंग होम में पहुंचा।

युवती के कंडीशन को देखते हुए नर्सिंग होम ने इसकी सूचना स्थानीय चित्रगुप्त नगर थाने की पुलिस को दे दी। इसके बाद मौके पर पहुंचकर पुलिस ने छानबीन शुरू की। युवती का बॉयफ्रेंड जिम ट्रेनर है। इसी जिम में युवती भी ट्रेनिंग लेने जाती थी। पुलिस सूत्रों की माने तो 18 अप्रैल को इंगेजमेंट है। नवंबर महीने में युवती की शादी होने वाली है।

केस दर्ज करने से परिजनों ने किया इनकारः लड़की के परिजन से केस दर्ज कराने से साफ इनकार किया है। उनको डर है कि शादी न टूट जाए। युवती फिलहाल निजी नर्सिंग होम में एडमिट है। स्टेटमेंट में भी पुलिस के सामने उसने साफ कर दिया है कि उसे केस नहीं करना है। युवती का कहना है कि संबंध सहमति से बने थे। उधर, लड़की के परिजन ने भी पुलिस को कुछ भी ज्यादा डिटेलिंग देने और निजी मामला कहकर सब टाल दिया है। 13 दिन बाद ही दोनों की सगाई होने वाली थी।

पुलिस ने संदिग्ध मानते हुए अपने स्टेटमेंट पर दर्ज किया केसः पूर्वी एसपी परिचय कुमार ने बताया, युवती से इस संबंध में पूछताछ की गई तो उन्होंने अपने स्टेटमेंट में बताया की मर्जी से सब कुछ हुआ है। यह मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, इसलिए हम लोग पुलिस के स्टेटमेंट पर ही केस दर्ज कर रहे हैं। जिस व्यक्ति के साथ युवती संबंध बनाई थी, उसे नामजद आरोपी बनाया जा रहा है। इन्वेस्टिगेशन के दौरान जो भी चीज निकल कर आयेगी, उसके आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बिहार में स्कूलों की टाइमिंग में बदलाव, 6 अप्रैल से मॉर्निंग शिफ्ट

एजेंसी, पटना

बिहार में गर्मी दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। तेज धूप के कारण तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के करीब पहुंच चुका है। लगातार बढ़ती गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। बिहार शिक्षा विभाग के मुताबिक, राज्य के सभी सरकारी स्कूल सुबह 6:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक संचालित होगी। नई टाइमिंग 31 मई तक गर्मी की छुट्टियों से पहले तक लागू रहेगी। इधर, मौसम विभाग ने 6 अप्रैल से 12 जिलों में आंधी-बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में बिजली गिरने की आशंका है। साथ ही 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है।

सुबह 7 बजे से स्कूलों में होगी पढ़ाईः नई समय-सारणी के तहत सुबह 6:30 बजे स्कूल खुलेगा। पहले आधे घंटे प्रार्थना और अन्य गतिविधियां होंगी। इसके बाद 7 बजे से क्लास शुरू हो जाएगी। कुल सात पीरियड चलेंगे। हर पीरियड 40 मिनट का होगा। दोपहर 12:20 बजे तक बच्चों की छुट्टी हो जाएगी। इसके बाद 10 मिनट तक शिक्षकों की समीक्षा बैठक होगी। मिड-डे मिल को लेकर भी विभाग ने लचीलापन दिया है। जिन स्कूलों में बच्चों की संख्या ज्यादा है। वहां एक साथ भोजन कराना जरूरी नहीं है। ऐसे स्कूलों में दो चरणों में मिड-डे मील कराया जा सकेगा।

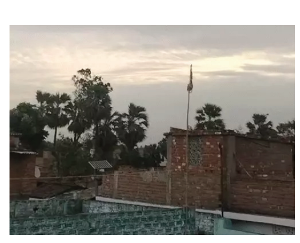

तेजस्वी यादव ने गिनाई बिहार की बदहाली

जेडीयू का पलटवार- आपकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं लेता, नीरज कुमार बोले-हम बहस के लिए तैयार

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीति में एक बार फिर आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर किए गए तीखे पोस्ट के बाद जनता दल यूनाइटेड के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने जोरदार पलटवार किया है।

तेजस्वी ने गिनाए विकास के आंकड़ेः तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में बिहार की बदहाल स्थिति को लेकर एनडीए सरकार पर निशाना साधते हुए कई सामाजिक, आर्थिक और विकास से जुड़े आंकड़े गिनाए और 21 वर्षों के शासन पर सवाल खड़े किए। साथ ही उन्होंने अपराध, बेरोजगारी, गरीबी, पलायन और प्रदूषण को लेकर भी बिहार की स्थिति पर गंभीर सवाल उठाए। तेजस्वी यादव ने अपने पोस्ट में दावा किया कि बिहार देश के लगभग हर प्रमुख विकास सूचकांक में सबसे नीचे है। उन्होंने साक्षरता, प्रति व्यक्ति आय, किसानों की आय, निवेश, बिजली खपत, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वास्थ्य सेवाएं और रोजगार जैसे मुद्दों पर सरकार को घेरा।

मुख्यमंत्री और दोनों डिप्टी सीएम को दी बहस की चुनौतीः तेजस्वी ने कहा कि इतने लंबे शासन के बावजूद बिहार की हालत में अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है और सरकार अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्रियों को खुले मंच पर बहस की चुनौती भी दी। तेजस्वी के इस हमले पर जेडीयू प्रवक्ता नीरज कुमार ने कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि, तेजस्वी यादव की बातों को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता।' नीरज कुमार ने तंज कसते हुए कहा कि, 'तेजस्वी अपने पिता का संदेश लेकर केरल गए थे, लेकिन वहां अपनी सरकार की उपलब्धियां बताने में असफल रहे।' उन्होंने आरोप लगाया कि, 'आरजेडी शासन में "जमीन लेकर नौकरी देने" जैसी परंपरा रही, जबकि वर्तमान सरकार ने पारदर्शी तरीके से लाखों शिक्षकों की बहाली की है।' नीरज कुमार ने आगे कहा कि, 'नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में आधारभूत संरचना, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम हुआ है।' उन्होंने तेजस्वी यादव को खुली चुनौती देते हुए कहा कि वे कहीं भी, कभी भी सार्वजनिक बहस के लिए तैयार हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि, 'जेडीयू का कोई भी कार्यकर्ता या पदाधिकारी तेजस्वी के दावों का जवाब देने में सक्षम है।' जेडीयू प्रवक्ता ने यह भी कहा कि जनता ने बार-बार एनडीए को जनादेश दिया है, जो सरकार के विकास कार्यों पर भरोसे को दर्शाता है। उन्होंने तेजस्वी को अपने पुराने और नए बयानों की तुलना करने की चुनौती देते हुए कहा कि सच्चाई आईने की तरह सामने आ जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर में श्री बालाजी जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया, सुंदरकांड व हनुमान चालीसा का हुआ पाठ

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर। राष्ट्रीय हिंदू जागृति संघ के तत्वावधान में श्री बालाजी महाराज का जन्मोत्सव बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर के अग्रवाल धर्मशाला में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान भक्तों द्वारा हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का सामूहिक पाठ किया गया। पूरा वातावरण जय श्री राम और जय बजरंगबली के जयकारों से गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने बालाजी महाराज के चरणों में पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में मौजूद आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा, धार्मिक जागरूकता और संस्कारों को बढ़ावा मिलता है। अंत में प्रसाद वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया। इस मौके पर संघ के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कंचन सक्सेना संजय शर्मा विशाल गुप्ता राजेंद्र अग्रवाल संगीता अग्रवाल सारिका रस्तोगी सीमा शर्मा संजय गुप्ता रणजीत कौर ममता सिंह राजबाला गुप्ता पूनम अग्रवाल जगदीश श्रीवास्तव विनय दीक्षित अनु मिश्रा शुक्र देव मिश्रा सत्यम कुमार अनुराग गुप्ता रॉबिन गुप्ता दीपा चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

रसोई गैस संकट के बीच राष्ट्र सेवी संगठन ने सरकार से उठाई गोबर गैस प्लांट लगवाने की मांग

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा: हसनपुर। क्षेत्र के निकटवर्ती गांव औसा माफी में गेंदाराम सैनी की बैठक पर 'राष्ट्र सेवी संगठन की एक गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक में वर्तमान समय में गहराते रसोई गैस संकट और आम जनता को हो रही परेशानियों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान में रसोई गैस की भारी किल्लत महसूस की जा रही है। गैस एजेंसियों पर उपभोक्ताओं की लंबी-लंबी कतारें लगी हुई हैं, जिससे आम आदमी का समय और ऊर्जा दोनों नष्ट हो रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि केवल पारंपरिक ईंधन पर निर्भरता अब पर्याप्त नहीं है। आत्मनिर्भरता के लिए 'गोबर गैस' विकल्प है। कृष्ण कुमार शर्मा ने सरकार से मांग की कि इस संकट से निपटने के लिए 'गोबर गैस योजना' को युद्ध स्तर पर बढ़ावा दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा की यदि सरकार भारी अनुदान के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक गोबर गैस प्लांट लगवाती है, तो इससे न केवल रसोई गैस की किल्लत दूर होगी, बल्कि देश 'आत्मनिर्भरता के मामले' में भी मजबूती से आगे बढ़ेगा,पर्यावरण और जेब दोनों को होगा लाभ संगठन के पदाधिकारियों ने तर्क दिया कि गोबर गैस एक स्वच्छ और सस्ता विकल्प है। इससे गांवों में कचरा प्रबंधन बेहतर होगा और किसानों को खाद भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा श्री शर्मा ने उपस्थित जन समुदाय से नियमित रूप से अपने धर्म के अनुसार साधना उपासना के साथ धार्मिक स्थलों से जुड़ने की अपील की। साथ ही प्रति दिन कुछ समय जनहित के कार्य के लिए निकालने की अपील की। इस अवसर पर सुखदेव शर्मा, सुबोध शर्मा,गेंदाराम सैनी, दिलशाद अली, करनवीर सिंह, भगवत सिंह , लोकेश सैनी, विजेंद्र सैनी, कैलाश सैनी, राजवीर सैनी,रामकिशन सैनी, राममूर्ति, वीरवती आदि मौजूद रहे।

वार्ड 7 और 20 को मिली पक्की सीमेंट कंक्रीट सड़क की सौगात, विकास कार्य हुए पूर्ण

लोकतंत्र की शान : सैय्यद कुमैल ज़ैदी ,सम्भल नगर क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलती नजर आ रही है। जनहित को प्राथमिकता देते हुए वार्ड नं. 7 डेरा सराय एवं वार्ड नं. 20 बेगम सराय में पक्की सीमेंट कंक्रीट सड़क निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। लंबे समय से जर्जर सड़कों और जलभराव की समस्या से जूझ रहे स्थानीय लोगों को अब बड़ी राहत मिली है। आज चौधरी मुबश्शिर खान ने दोनों वार्डों का दौरा कर निर्माण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों और कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधियों से निर्माण की गुणवत्ता, सामग्री और समयबद्धता की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। इस सड़क निर्माण कार्य के पूरा होने से क्षेत्र की तस्वीर बदलती नजर आ रही है। जहां पहले लोगों को टूटी-फूटी सड़कों और कीचड़ का सामना करना पड़ता था, वहीं अब सुगम और सुरक्षित आवागमन की सुविधा उपलब्ध हो गई है। खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों, बुजुर्गों और रोजमर्रा के कामकाज के लिए निकलने वाले लोगों को इससे काफी राहत मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने खुशी जाहिर करते हुए चौधरी मुबश्शिर खान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस सड़क निर्माण से न केवल आवागमन आसान हुआ है, बल्कि क्षेत्र में साफ-सफाई और स्वच्छता की स्थिति भी बेहतर होगी। लोगों ने उम्मीद जताई कि आगे भी इसी तरह क्षेत्र में विकास कार्य जारी रहेंगे। चौधरी मुबश्शिर खान ने कहा कि क्षेत्र का समग्र विकास उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि नगर के अन्य वार्डों में भी इसी प्रकार के विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं, ताकि हर नागरिक को बेहतर बुनियादी सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में सड़क, नाली, प्रकाश व्यवस्था और अन्य आवश्यक सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। इस अवसर पर संबंधित विभाग के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे, जिन्होंने विकास कार्यों को लेकर संतोष व्यक्त किया।

महमूदाबाद मे 62 वर्षीय रिटायर्ड कर्मचारी का आम के पेड़ से लटका मिला शव

अब्दुल्लाह खान ब्यूरो चीफ, जनपद सीतापुर के थाना कोतवाली महमूदाबाद के चतुराबेहड़ क्षेत्र में आज सुबह एक संदिग्ध घटना से सनसनी फैल गई, जहां एक आम के बाग में पेड़ से एक बुजुर्ग का शव लटका मिला। मृतक की पहचान शुभनाथ वर्मा (लगभग 60 वर्ष) के रूप में हुई है, जो वर्तमान में लखनऊ में रह रहे थे सुबह सुबह ज़ब गांव वालों ने शव देखा तो अचानक घबरा गए तत्काल पुलिस को सुचना दी गई कोतवाली प्रभारी अनिल सिँह अपने हमरहियो के साथ मौके पर पहुचे और शव को पेड़ से उतारा इस मौके पर महमूदाबाद विधायक आशा मौर्या ने खबर मिलते ही मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और जांच शुरू कर दी है गाँवालों के अनुसार बताया जा रहा है कि शनिवार शाम उन्हें आखिरी बार चतुराबेहड़ चौराहे पर देखा गया था। घटनास्थल पर शव की स्थिति, पास में मिली चप्पल-चश्मा, कार के टायर के निशान और बारिश के बावजूद कुछ जगह सूखी जमीन मिलने से परिजन व ग्रामीण हत्या की आशंका जता रहे है फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा घटना की सुचना मिली और तत्काल कोतवाली प्रभारी को भेजा और स्वयं मौके पर आया गाँव वालो से बात कर जानकारी उपलब्ध की है फिलहाल किसी भी स्तिथ के बारे मे कहना गलत होगा हम फारेंसिक टीम और एक्सपर्ट की टीम के साथ मुआयना किया जा रहा है हर बिन्दु पर जांच कर आगे की कार्यवाही की जाएगी पुलिस उपाधीक्षक महमूदाबाद वेद प्रकाश श्रीवास्तव

गरीबों के शव ले जाने नगर पालिका करेगी इंतजाम

» नगर पालिका सीधी के अध्यक्ष की सराहनीय परिकल्पना,
» परिषद की आगामी बैठक में किया जाएगा प्रस्ताव पारित

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। जिला मुख्यालय के जिला अस्पताल या फिर नर्सिंग होम में अपने परिजनों को उपचार के लिए लाते थे और किन्हीं कारणों वश उनकी मौत हो जाती थी तो उसके बाद उन्हें शव वाहन को लेकर के भारी दिक्कत होती थी। कई बार लोग अपने कंधे पर जनाजे के रूप में कई-कई किलोमीटर दूर तक अपने उसे परिजन के शव को ले जाते थे। कुछ लोग डोली खटोली में अपने परिजनों का शव वापस ले जाते थे और कई बार तो लोग शव वाहन के नाम पर यहां के वाहन मालिकों के हाथों लुट जाते थे। इन सब जटिल मानवीय समस्याओं के मद्देनजर सीधी नगर पालिका की अध्यक्ष काजल वर्मा ने अपनी एक परिकल्पना के तहत ऐसे सभी जाति वर्ग के गरीब परिवारों को बड़ी राहत देने की घोषणा की है। अब सीधी नगर पालिका सीमा अंतर्गत के निवासी हर ऐसे गरीब तपके के लोगों को जिनके परिजन का किन्ही कारणवश निधन हो जाता है और उन्हें अस्पताल से अपने घर तक ले जाने के लिए साधन उपलब्ध नहीं हो पाता उनको नगर पालिका परिषद सीधी अपनी तरफ से मुफ्त में शव वाहन उपलब्ध कराएगी।

गरीबों के सुख दुख में साथ खड़ी रहेगी नगर पालिका : काजल-नगर पालिका परिषद सीधी की अध्यक्ष काजल वर्मा ने मीडिया से बात करते हुये बताया है कि अतीत में उन्होने अपने कार्यकाल में नगर पालिका क्षेत्र के सामान्य, पिछड़े, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति, अल्पसंख्यक वर्ग के गरीब लोगों के लिए शव दाह हेतु 04 क्विंटल लकड़ी की मुफ्त व्यवस्था परिषद द्वारा प्रस्ताव पारित कराकर कर रखी है और उसका अनवरत अमल हो रहा है और उसके तहत गरीब वर्ग के लोगों को लगातार संवेदनात्मक मदद बतौर शव दाह हेतु लकड़ी उपलब्ध कराई जा रही है। काजल वर्मा ने आगे कहा कि अपने परिजनों की मृत्यु के दौरान भावनात्मक और संवेदनशील क्षणों में कुछ अन्य कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुये मैंने यह तय किया है कि आगामी परिषद में ये भी प्रस्ताव रखा जावे कि नगरीय निकाय क्षेत्रान्तर्गत निवास करने वाले सभी रहवासियों को शोक के अवसर पर शव मुक्ति धाम या गऊघाट सोन नदी तट तक ले जाने हेतु शव वाहन मुफ्त उपलब्ध कराया जावे, साथ ही गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले सभी वर्ग के लोगों को पानी टैंकर शोक के अवसर पर दशगात्र, तेरहवीं हेतु व सामान्य स्थिति में उत्सव के अवसरों पर भी मुफ्त उपलब्ध कराया जावे। उन्होंने कहा कि गरीबी रेखा में जीवन यापन न करने वाले अनुसूचित जाति, जनजाति वर्ग के लोगो को भी पानी टैंकर उक्त अवसरों पर मुफ्त उपलब्ध कराया जावे, यह सुविधा अल्पसंख्यक वर्ग को भी यथारूप ही उपलब्ध कराई जावेगी। नपा अध्यक्ष काजल वर्मा ने अंत में कहा कि मेरी ये परिकल्पना है कि अब कोई भी गरीब अपने किसी परिजन की मौत पर रोते विलखते हुए अपने कंधों पर शव लेकर न चले और दुख के क्षणों में उसे संस्कारो के लिए जल व लकडी हेतु न भटकना पड़े। इसी कल्पना के अधीन मैंने अपने कार्यकाल में उक्त सुविधाएं उपलब्ध हों इसके लिए प्रयास किया है। उम्मीद है कि आगे आने वाली परिषद भी उक्त जन कल्याणकारी प्रस्तावों को यथारूप जारी रखेंगी।

शराबियों की शरारतो से तंग हो रही कन्या विद्यालय की छात्राएं

लोकतंत्र की शान सीधी। जिले के चुरहट नगर में शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के समीप संचालित शराब दुकान छात्राओं के लिए मुसीबत बन रही है, विद्यालय आने जाने वाली छात्राओं को यहां बैठने वाले शराबी अश्लील भाषाओं से संबोधित कर जलील करते हैं। उल्लेखनीय हैं कि चुरहट नगर में इन दिनों शराबियों का आतंक फैला हुआ है। इसके पीछे की एक वजह यह भी बताई जा रही है कि शराब दुकान के समीप संचालित अवैध अहातों में बैठाकर शराब पिलाने की जो सुविधा उपलब्ध कराई जाती है उसी के चलते यहां शराबियों का जमावड़ा लगा रहता है। सड़क में शराबियों के द्वारा वाहनों को लोगों के घर के सामने खड़ा कर दिया जाता हैं, अगर उन्हें वाहन खड़ा करने से मना किया जाता है तो वह मारपीट व गाली गलौज में उतारू हो जाते हैं । प्रमुख बात यह है कि शराब दुकान से महज 300 मीटर की दूरी पर कन्या विद्यालय स्थित है। नशे में चूर शराबियों के चलते यहां आए दिन विवाद होता रहता है । शराबियों द्वारा जब भी छात्राएं विद्यालय के लिए निकलती है तो उन्हें देखकर अनर्गल बात व अश्लील गाना गाते हैं। शाम को महिलाए जब मंदिर जाती है तो शराबियों द्वारा परेशान किया जाता है। शर्म की वजह से महिलाएं व छात्राएं किसी से शिकायत नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि आखिर किसके संरक्षण में चुरहट नगर के व्यस्ततम और संवेदनशील इलाके में अवैध अहाते संचालित है।

नाभा की राजमाता दीर्घ कौर के निधन पर रामपुर के राजपरिवार में भी शोक

» राजमाता के अंतिम संस्कार में शामिल हुए पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां
» राजमाता दीर्घ कौर हमेशा दिलों में ज़िंदा रहेंगी : नवेद मियां

लोक तंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। नाभा की राजमाता दीर्घ कौर के निधन पर रामपुर के अंतिम शासक नवाब रज़ा अली खां के पौत्र पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वो रविवार को दिल्ली स्थित लोधी शमशान घाट में राजमाता के अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए। नवेद मियां ने राजमाता के पुत्रों महाराजा युधिष्ठिर सिंह और महाराजकुमार किरत सिंह के साथ-साथ नाभा और भरतपुर के शाही परिवारों के सदस्यों के प्रति अपनी संवेदनाएं ज़ाहिर कीं। पूर्व मंत्री नवेद मियां ने बताया कि राजमाता का निधन 73 वर्ष आयु में हुआ। राजमाता दीर्घ कौर स्वर्गीय महाराजा हनुवंत सिंह नाभा की पत्नी और भरतपुर की राजकुमारी थीं। उनके निधन से भरतपुर और नाभा के साथ साथ रामपुर के शाही परिवार में भी शोक छाया हुआ है। राजमाता की मुस्कान में ममता थी, वाणी में अपनापन और हृदय में सभी के लिए असीम करुणा थी। राजमाता हमेशा दिलों में ज़िंदा रहेंगी।

नाभा की राजमाता दीर्घ कौर का फाइल फोटो।

राजमाता दीर्घ कौर के साथ नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां का फाइल फोटो।

ईसाई समाज द्वारा ईस्टर का त्योहार धूमधाम के साथ मनाया गया, निकाली गई प्रभात फेरी

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुरः रविवार को हसनपुर नगर में ईसाई समुदाय का प्रमुख पर्व ईस्टर पूरी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। नगर के सेंट जॉन्स चर्च में विशेष प्रार्थना सभा और विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ, जिसमें मसीह समाज के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रभु यीशु मसीह के पुनरुत्थान की खुशी हर चेहरे पर साफ झलक ररही थी, ईस्टर के कार्यक्रमों की शुरुआत तड़के 5 बजे पारंपरिक प्रभात फेरी के साथ हुई। हसनपुर के मसीह समाज के लोग बड़ी संख्या में चर्च परिसर में एकत्रित हुए और भजनों के साथ प्रभात फेरी निकाली। जैसे ही भोर की पहली किरण दिखाई दी, लोगों ने एक-दूसरे को गले लगकर 'हैप्पी ईस्टर' कहा और प्रभु के जी उठने की मुबारकबाद दी।

विशेष प्रार्थना सभा और 'उद्धार' का संदेश-सुबह 10 बजे चर्च में मुख्य प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस पावन अवसर पर रेव्ह. सुशील मसीह ने पवित्र शास्त्र (बाइबल) का पाठ किया और प्रभु यीशु के बलिदान व पुनरुत्थान के महत्व पर प्रकाश डाला।

अपने संबोधन में उन्होंने विस्तार से बतायाः पाप से मुक्तिः सृष्टि के आरंभ में आदम और हव्वा द्वारा किए गए पाप के कारण संपूर्ण मानव जाति मृत्यु के प्रभाव में आ गई थी, जिससे दुनिया का सुख-चैन समाप्त हो गया था।मृत्यु पर विजयः आज ही के दिन प्रभु यीशु ने मृतकों में से जीवित होकर मृत्यु पर विजय प्राप्त की और समस्त मानव जाति के लिए उद्धार का मार्ग खोला। अनंत जीवन का संदेशः उन्होंने यूहन्ना 3:16 का संदर्भ देते हुए कहा कि परमेश्वर ने जगत से ऐसा प्रेम किया कि अपना इकलौता पुत्र दे दिया, ताकि जो कोई भी उन पर विश्वास करे, वह अनंत जीवन पाए, इस मौके पर मुख्य रूप से रेव्ह. सुशील मसीह, डेबरा मसीह, रिबका मसीह, शैन मसीह, राखी मसीह, शैनन मसीह, ओलिवर मसीह, मेघा, श्वेता, सुभाष मसीह, अभी मसीह, अनुज मसीह सहित हसनपुर क्षेत्र के मसीही समाज के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नर्सिंग कॉलेज के छात्रावास में हो रही चोरी, बदनामी से बचने नहीं दर्ज करा रहे थाने में रिपोर्ट

» छात्रावास में रहने वाली छात्राओं में दहसत का माहौल
» कॉलेज प्राचार्य एवं उप प्राचार्य की विदेश यात्रा पर उठे सवाल

लोकतंत्र की शान (ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख)

सीधी। शासकीय नर्सिंग कॉलेज सीधी की प्रभारी प्राचार्या और उप प्राचार्या बिना अनुमति मिले ही विदेश यात्रा कर वापस लौट आईं। लौटने के बाद उनके द्वारा अवकाश लेने के लिए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय में आवेदन देकर आवक पंजी में कार्योत्तर आवेदन पत्र देकर अपनी कमी छुपाने के लिए पावती ले ली गई। जिस पर मुख्यालय छोंडऩे की पूर्व स्वीकृति नहीं थी। सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार नर्सिंग कॉलेज सीधी की प्रभारी प्राचार्य रजनीश पटेल और उनके साथ उप प्राचार्य सुषमा तिवारी अवकाश की पूर्व स्वीकृति मुख्यालय अनुमति लिए बिना ही बाहर नेपाल की यात्रा पर चली गई। बाद में अति आवश्यक कार्य पड़ जाने के कारण दिनांक 19 मार्च 2026 से 23 मार्च 2026 तक मुख्यालय से बाहर जाने के लिए अवकाश का आवेदन लगा दीं। इनके कॉलेज से बाहर होने के दौरान 19 मार्च की रात करीब 10 बजे गर्ल्स हास्टल में दो चोर घुसे। चोरों के हास्टल में घुसने का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि हास्टल की छात्राएं हांथ में लाठी डंडे और राड लेकर कमरे के अंदर फंसी अन्य छात्राओं को बचाने का प्रयास कर रही है। काफी मशक्कत के बाद जब उन्हें सफलता नहीं मिली तो शोर मचाया गया। जिसके बाद हास्टल से लगे जिला अस्पताल के कुछ वाहन चालक, गार्ड, वार्ड ब्वाय आदि ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी कर किसी तरह दो चारों को पड़ा। इस दौरान चोरों ने हास्टल की ड्यूटी गार्ड पर भी हमला किया जिससे उसे भी चोंटे आईं। हैरानी की बात यह है कि इस घटना के बाद हास्टल की छात्राओं द्वारा प्रभारी प्राचार्या और उप प्राचार्या को बार-बार कॉल करती रहीं, दोनो के द्वारा ट्रेन में हूं, आवाज क्लियर नहीं है कहकर फोन काट देती थीं। बाद में प्रभारी उप प्राचार्या ने तो अपना मोबाइल ही स्विच ऑफ कर लिया। 19 मार्च की आधी रात को नर्सिंग हास्टल में हुई घटना के पूर्व भी चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। बताया गया है कि नर्सिंग कॉलेज एवं हास्टल से दर्जनों पंखे चोरी हो चुके हैं। प्रभारी प्राचार्या द्वारा सिर्फ एक बार ही कोरम पूर्ति के लिए थाने में सूचना दिया गया था। 19 मार्च की घटना को भी इनके द्वारा छात्राओं को डरा-धमका कर दबाया जा रहा है। इसके लिए एफआईआर तक नहीं कराई गई। अब घटना का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है।

मंडावली क्रिकेट टूर्नामेंट में विजेता टीम को ट्राफी देकर सम्मानित करते वाजिद मकरानी

रोमांचक मुकाबले में 7 ओवर में लक्ष्य हासिल कर जीता खिताब, वाजिद मकरानी ने किया सम्मानित

लोकतंत्र की शान, खिज़्र अहमद

मंडावली क्षेत्र में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें भनेड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए खिताब अपने नाम किया। मंडावली टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 90 रन बनाए, जिसके जवाब में भनेड़ा की टीम ने मात्र 7 ओवर में ही 90 रन बनाकर मुकाबला जीत लिया। भनेड़ा टीम के कप्तान नावेद अहमद के नेतृत्व में टीम ने बेहतरीन खेल दिखाया, जबकि मंडावली टीम की कमान प्रिंस चौहान ने संभाली। उप कप्तान अफज़ल ज़ैदी का भी टीम में महत्वपूर्ण योगदान रहा। मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए इसरार को 4 विकेट लेने पर "मैन ऑफ द मैच" चुना गया, जबकि पूरे टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के लिए शादाब अहमद को "मैन ऑफ द सीरीज" का खिताब दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वाजिद मकरानी (जिला पंचायत पिरतियासी) ने विजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। टूर्नामेंट में क्षेत्र के खेल प्रेमियों की भारी भीड़ देखने को मिली।

महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष 7 को सीधी आएंगी

लोकतंत्र की शान

सीधी। महिला कांग्रेस सेवादल की प्रदेश अध्यक्ष संगीता कांकरिया का 7 अप्रैल को सीधी आगमन प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे प्रातः 10:00 बजे जवाहर कांग्रेस भवन पहुंचेंगी, जहां सेवा दल के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक आयोजित की जाएगी। बैठक में संगीता कांकरिया पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए संगठन की वर्तमान स्थिति, मजबूती एवं विस्तार को लेकर मार्गदर्शन देंगी। साथ ही आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा, संगठनात्मक सक्रियता बढ़ाने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। इस दौरान जिला एवं ब्लॉक स्तर के सेवा दल पदाधिकारी, महिला कांग्रेस कार्यकर्ता एवं अन्य संबंधित कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। बैठक का उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना, नए सदस्यों को जोड़ना और आगामी राजनीतिक एवं सामाजिक गतिविधियों के लिए रणनीति तैयार करना है। कार्यक्रम को लेकर स्थानीय कांग्रेस एवं सेवा दल कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति की संभावना जताई जा रही है।

नारायण शाह वार्ड से सुनील मोटवानी एवं संत कवर राम वार्ड से नानक मलवानी को सर्वसम्मति से वार्ड अध्यक्ष नियुक्त किया गया

लोकतंत्र कि शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी : आज माधव नगर उप ब्लॉक का व्यापक दौरा किया गया, जिसके अंतर्गत बाबा नारायण शाह, हेमू कल्याणी, संत कवर राम एवं आचार्य कृपलानी वार्डों में संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया गया।

दौरे के दौरान सभी वार्डों में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों के साथ-सार्थक संवाद स्थापित किया गया। इस अवसर पर संगठन विस्तार के तहत आचार्य कृपलानी वार्ड से भावेश थारवानी, हेमू कल्याणी वार्ड से अशोक बहलानी, बाबा नारायण शाह वार्ड से सुनील मोटवानी एवं संत कवर राम वार्ड से नानक मलवानी को सर्वसम्मति से वार्ड अध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठकों में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण एवं आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला जी ने कहा कि संगठन की मजबूती ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने सभी नवनियुक्त वार्ड अध्यक्षों को बधाई देते हुए अपेक्षा व्यक्त की कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाएंगे। कार्यक्रम में झम्मतमल थारवानी, राजा जगवानी, राहुल होतवानी, श्याम पाहुजा, अजय जैसवानी, श्रीचंद मनवानी, सुनील तालुजा, ओमप्रकाश आहूजा, विजय चंदवानी, राजेश जाटव, दिग्विजय सिंह, संजय गुप्ता, रमेश अहिरवार, सुरेश लालवानी, अशोक लालवानी, वीरभान, हरीश आहूजा, राजकुमार विश्वकर्मा, देवीदास तुलस्यानी, गोविंद कुकरेजा एवं रामचंद्र मलवानी सहित अनेक कार्यकर्ताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। नवनियुक्त वार्ड अध्यक्षों ने संगठन के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने एवं क्षेत्र में सक्रिय रहकर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान सभी वार्डों में कार्यकर्ताओं का उत्साह एवं समर्पण देखने को मिला, जो संगठन की मजबूती का प्रतीक है।

संक्षिप्त समाचार

ईरान के पहाड़ों में छिपा था अमेरिकी पायलट, 36 घंटे में दुश्मन के बीच से बचाया

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका के एक F-15 फाइटर जेट को ईरान के ऊपर मार गिराए जाने के 36 घंटे बाद उसके दोनों पायलट को अमेरिकी स्पेशल फोर्स ने बचा लिया है। शनिवार को स्पेशल कमांडो यूनिट ने दर्जनों लड़ाकू विमानों के साथ ईरान में ऑपरेशन चलाया। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरानी फोर्स को उस इलाके तक पहुंचने से रोकने के लिए हमले भी किए। इस दौरान भारी गोलीबारी हुई, लेकिन अंत में अमेरिकी टीम पायलट को सुरक्षित निकालने में सफल रही और सभी सैनिक ईरान से बाहर आ गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने इसे अमेरिकी इतिहास का सबसे साहसी सर्च और रेस्क्यू ऑपरेशन करार दिया

है। अमेरिकी वेबसाइट एक्सियोस ने 3 अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से बताया कि ईरान ने शुक्रवार को F-15 विमान गिरा दिया था। उसमें दो लोग थे। एक मेन पायलट और एक एयरमैन यानी वेपन सिस्टम ऑफिसर (जो हथियारों को ऑपरेट करता है)। मेन पायलट को कुछ घंटों के भीतर ही बचा लिया गया था। लेकिन एयरमैन पैराशूट से उतरने के बाद घायल हो गया। चोट लगने के बावजूद वह चलने की हालत में था। इसके बाद वह ईरान के पहाड़ी इलाके में छिप गया और वहां एक दिन से ज्यादा समय तक पकड़ से बचता रहा। उसने अपनी SERE ट्रेनिंग (जिंदा रहना, बचना, विरोध करना और निकलना) का इस्तेमाल करते हुए कोहगिलुयेह और बोयर-अहमद प्रांत के कठिन पहाड़ी इलाके में खुद को छिपाए रखा।

ऑस्ट्रिया किसी भी सैन्य टकराव का हिस्सा नहीं बनेगा : उप-चांसलर

वियना। ऑस्ट्रिया के उप-चांसलर आंद्रेयास बाबलेर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'अराजक नीति' की आलोचना करते हुए कहा कि ऑस्ट्रिया न तो किसी सैन्य टकराव का हिस्सा बनेगा और न ही अपने हवाई क्षेत्र का उपयोग बिना सख्त जांच के होने देगा। साथ ही उन्होंने अमेरिका की मौजूदा विदेश नीति से दूरी बनाते हुए स्पष्ट किया है कि उनका देश अपनी ऐतिहासिक तटस्थता से कोई समझौता नहीं करेगा। पश्चिम एशिया में अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच एक माह से जारी युद्ध और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) के भीतर उभरते मतभेदों के बीच वियना का यह रुख यूरोप में रणनीतिक असहमति और बदलते वैश्विक समीकरणों की ओर इशारा करता है। तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी (एए) के अनुसार ऑस्ट्रिया के उप चांसलर ने ज़ोर देकर कहा कि उनका देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की "अराजक नीति" का हिस्सा नहीं हैं और इस मामले में हमें एक इंच भी पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि वियना की तटस्थता "गैर-समझौता योग्य" है और एक ऐसा सिद्धांत जो अमेरिकी सैन्य विमानों की उड़ान पर भी लागू होता है। एंड्रियास बैबलर ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि ऑस्ट्रियाई हवाई क्षेत्र से अमेरिकी सैन्य विमानों की उड़ानों को देखते हुए एक स्पष्ट सीमा तय करना जरूरी है। हमारी तटस्थता गैर-समझौता योग्य है और इसे लगातार बनाए रखा जाना चाहिए, वह भी अभी। उन्होंने कहा कि ऐसी उड़ानों के मामले में, यहां तक कि वे मिशन भी जो सीधे तौर पर संघर्ष क्षेत्रों में प्रवेश नहीं करते, बल्कि सैन्य कार्रवाइयों में सहायता करते हैं, उनकी भी गहन जाँच होनी चाहिए। ऑस्ट्रिया 1955 से ही तटस्थता की एक पुरानी नीति का पालन करता आ रहा है, जिसके तहत वह किसी भी सैन्य गठबंधन में शामिल होने या अपनी धरती पर विदेशी सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति नहीं देता है। ये टिप्पणियां ईरान के साथ अमेरिका-इज़रायल युद्ध के दूसरे महीने में सामने आईं। 28 फरवरी से शुरू हुए इस युद्ध में अब तक 1,340 से ज़्यादा लोगों की मौत हुई हैं, जिनमें ईरान के सर्वोच्च नेता अली खामेनेई भी शामिल हैं। ईरान ने इसके जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए हैं, जिनमें इज़रायल, जॉर्डन, इराक और उन खाड़ी देशों को निशाना बनाया गया है जहाँ अमेरिकी सेनाएँ तैनात हैं। हालांकि, डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोप में अपने नाटो सहयोगियों से होर्मुज़ जलडमरूमध्य की सुरक्षा के लिए नौसेना बल भेजने का आग्रह किया है, लेकिन कई प्रमुख सदस्यों ने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया है। उन्होंने ऐसा करके रणनीतिक मतभेदों और इस गठबंधन के उद्देश्य को लेकर चल रही बहस को उजागर किया है। इन सहयोगियों ने यह भी बताया है कि ट्रंप ने नाटो सहयोगियों से बिना किसी परामर्श के ही इस युद्ध की शुरुआत कर दी थी।

झारखंड समेत 6 राज्यों में आज भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल/लखनऊ/शिमला/देहरादून। देश के उत्तरी इलाकों में अप्रैल के पहले हफ्ते में तापमान 40°C के आसपास रहता है। कई राज्यों में लू चलती है। दक्षिणी और समुद्र किनारे बसे राज्यों में उमस भरा मौसम रहता है। लेकिन इस बार पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी हो रही है। तटीय राज्यों में बारिश, मैदानी इलाकों में ओले गिर रहे हैं। तापमान भी 35°C से कम या आसपास है। इसका कारण है लगातार आ रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस)। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक मार्च-अप्रैल में अमूमन इतने ज्यादा विक्षोभ नहीं बनते। इनका असर उत्तर भारत में देखने को मिलता है। इस बार इनकी पोजिशन उत्तर-पश्चिमी मैदानी इलाकों में है। इसे अरब सागर के साथ बंगाल की खाड़ी से भरपूर नमी मिली और जमकर आंधी-बारिश हुई। अकेले मार्च में देश पर 8 पश्चिमी विक्षोभों का असर पड़ा, जबकि सामान्य तौर पर यह संख्या 5 या 6 होती है। 13 मार्च से अब तक 6 पश्चिमी विक्षोभ आ चुके हैं। 6 अप्रैल को एक नया सिस्टम बनेगा। इसका असर आज से शुरू हो गया है। असम, मेघालय, अरुणाचल, केरल और तमिलनाडु में भारी बारिश हो सकती है। झारखंड में ओले-बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। उत्तराखंड के चार जिलों उत्तरकाशी, पौड़ी, बागेश्वर और रुद्रप्रयाग में दोपहर बाद बारिश हो रही है। वहीं रुद्रप्रयाग की केदारघाटी में बारिश हो रही है। इसके अलावा नैनीताल, अल्मोड़ा, चमोली, देहरादून और पिथौरागढ़ में काले घने बादल छाए हैं। 3300 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश के साथ बर्फबारी भी हो सकती है। रविवार को मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पूर्वी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, ओडिशा, बंगाल, झारखंड, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

जीएसटी अफसर से विवाद के बाद ट्रांसपोर्टर की मौत

आगरा। आगरा में एक ट्रांसपोर्टर की लाश शनिवार सुबह 5 बजे सड़क पर मिली। सिर पर चोट के निशान थे। ट्रांसपोर्टर अजहर का कुछ महीनों से GST अधिकारी से विवाद चल रहा था। उन्होंने जीएसटी अधिकारी पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे। अजहर के बेटे सजमल ने बताया- पिता ने गुरुवार को जीएसटी अधिकारी के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। इसके बाद अलग-अलग नंबरों से धमकी भरे कॉल आ रहे थे। उनपर दबाव बनाया जा रहा था कि शिकायत वापस ले लो, नहीं तो तुमको मार दिया जाएगा। पिता शुक्रवार की रात जयपुर जूता ट्रांसपोर्ट करने के लिए निकले थे। इस दौरान उनकी हत्या की गई है। रात में फोन करके बताया था कि GST अधिकारी ने गाड़ी पकड़ ली है, इसके बाद से उनका पता नहीं चला। बॉडी को देख सड़क पर लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। लाश भोगीपुरा के प्रकाश नगर में मिली थी। 55 साल के अजहर अली मेवाती गली में अपनी पत्नी और बेटा सजमल के साथ रहते थे। अजहर अली ट्रांसपोर्ट का काम करते थे। उनका जिला जीएसटी अधिकारी से विवाद चल रहा था। उनका कहना था कि जीएसटी अधिकारी आए दिन घुसखोरी करते हैं, जिससे उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है। इसको लेकर उन्होंने 2 अप्रैल को प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भतीजे अरशद ने बताया- चाचा अजहर अली हर बार की तरह शुक्रवार की रात जयपुर के लिए जूता ट्रांसपोर्ट करने के लिए निकले थे। उनका रात 2 बजे फोन आया था। बताया कि GST अधिकारी ने गाड़ी को पकड़ लिया है, वे अब GST ऑफिस जा रहे हैं। इसके बाद कोई फोन नहीं आया, गाड़ी छूट गई या नहीं। ये भी नहीं पता चला। कुछ देर बाद हमने फोन किया तो बंद जा रहा था।

'प्रियंका गांधी के असम दौरे के साथ ही कांग्रेस में भगदड़ मच गई'

एजेंसी, गुवाहाटी

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को असम की बोकाखात और नाडुआर विधानसभा सीटों पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग), भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशियों के समर्थन में विशाल जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने बोकाखात में बिहरा टी एस्टेट मैदान में असम गण परिषद (एजीपी) नेता अतुल बोरा और नाडुआर में भाजपा उम्मीदवार पद्म हजारिका के समर्थन में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा के नेतृत्व की सराहना करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि असम के लोग सरल, देशभक्त और ईमानदार हैं तथा राज्य की चाय विश्वभर में प्रसिद्ध है।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विपक्षी गठबंधन पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस की स्थिति कमजोर हो चुकी है और पार्टी में आंतरिक कलह जारी है। उन्होंने दावा किया कि प्रियंका गांधी के असम दौरे के साथ ही कांग्रेस में भगदड़ मच गई। उन्होंने कहा कि राज्य में "मामा हिमंत" की लोकप्रियता के कारण कांग्रेस चिंतित है। कांग्रेस पर हमला करते हुए आरोप लगाया कि पार्टी ने असम के साथ "पांच महापाप" किए। उन्होंने कहा कि विभाजन के समय असम को पाकिस्तान में शामिल करने की बात, 1962 के युद्ध में राज्य को असहाय छोड़ना, बांग्लादेशी घुसपैठ को संरक्षण देना, युवाओं को रोजगार न देना और परिवारवाद को बढ़ावा देना - ये कांग्रेस की बड़ी गलतियां रही हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि राजग सरकार राज्य में पांच वर्षों में दो लाख सरकारी नौकरियां देने और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। यह भी कहा कि असम में "लैंड जिहाद" और "लव जिहाद" को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा अवैध कब्जों पर सख्ती से कार्रवाई होगी। महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और भविष्य में लोकसभा व विधानसभा चुनावों में 33 प्रतिशत सीटों पर महिलाओं को अवसर दिया जाएगा। उन्होंने अरुणोदय योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे महिलाओं के खातों में सीधे आर्थिक सहायता पहुंची है।

चाय बागान श्रमिकों के मुद्दे पर बोलते हुए चौहान ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों ने उन्हें वर्षों तक जमीन का अधिकार नहीं दिया। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से अब श्रमिकों को जमीन के पट्टे दिए जा रहे हैं और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्के मकान भी उपलब्ध कराए जाएंगे। सभा के अंत में चौहान ने असमिया में "जय आई असम, कांग्रेस खत्म" का नारा देते हुए दावा किया कि राज्य में एक बार फिर भाजपा-राजग की जीत सुनिश्चित है और जनता से गठबंधन के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

ट्रम्प ने ईरान को कहा, धमकी दी- होर्मुज खोलो, नहीं तो नरक बना दूंगा

पावर प्लांट और पुलों पर हमला करेंगे

एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान को बास्टर्ड कहते हुए होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोलने पर बड़ा हमला करने की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने होर्मुज नहीं खोला तो वो उसे नरक बना देंगे। इसके साथ ही उन्होंने ईरान में पावर प्लांट और पुलों पर हमला करने की बात कही। ट्रम्प ने रविवार को सोशल मीडिया पर लिखा कि ईरान में मंगलवार को पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा यानी हमला होगा। ईरान होर्मुज स्ट्रेट खोले दे, नहीं तो नरक जैसे हालात में पहुंच जाएगा।

अमेरिका ने इससे पहले गुरुवार को ईरान की राजधानी तेहरान को कराज शहर से जोड़ने वाले B1 हाईवे ब्रिज पर हमला किया था। यह पुल इसी साल शुरू हुआ था और इसे मिडिल ईस्ट का सबसे ऊंचा पुल माना जाता है। करीब 1050 मीटर लंबे और 136 मीटर ऊंचे इस पुल को बनाने में लगभग 400 मिलियन डॉलर (करीब 3,800

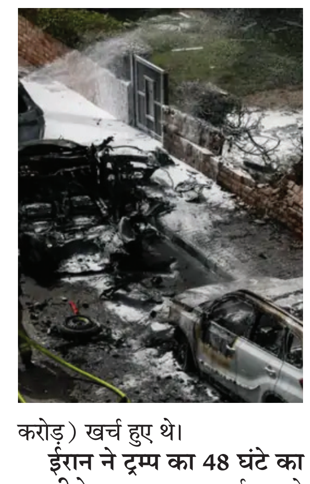

करोड़) खर्च हुए थे।

ईरान ने ट्रम्प का 48 घंटे का अल्टीमेटम ठुकराया: ईरान ने ट्रम्प के 48 घंटे में होर्मुज खोलने के अल्टीमेटम को ठुकरा दिया है। ईरानी सेना ने कहा है कि अमेरिका बेबस और घबराकर धमकियां दे रहा है। ट्रम्प ने ईरान को होर्मुज खोलने या समझौता करने का अल्टीमेटम दिया था। उन्होंने कहा था कि समय खत्म हो रहा है और ऐसा नहीं होने पर ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाकर तबाह कर दिया जाएगा।

कानपुर किडनी कांड का मास्टरमाइंड बोला- करोड़ों फेंक देते हैं

एजेंसी, कानपुर

कानपुर के चर्चित किडनी कांड के मास्टरमाइंड शिवम अग्रवाल के मोबाइल से पुलिस को कॉल रिकॉर्डिंग मिली है। डीसीपी वेस्ट एसएम कासिम आबिदी के मुताबिक, यह रिकॉर्डिंग उसने गिरोह में शामिल प्रयागराज के रहने वाले नवीन पांडेय को भेजी थी।ऑडियो में नवीन, शिवम से प्रयागराज के ही दलाल साहिल का जिक्र कर रहा है। वह कहता है कि साहिल ने तुम्हारा नाम लेकर 22 लाख रुपए ले लिए हैं। इस पर शिवम कहता है- उसे नहीं पता कि शिवम और डॉ. रोहित क्या चीज हैं, हम लोग करोड़ों रुपए ऐसे ही फेंक देते हैं।

इस बीच पुलिस टीम शनिवार शाम नवीन पांडेय के प्रयागराज स्थित घर पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला। इधर, पुलिस ने शिवम की पत्नी को रावपुर थाने पूछताछ के लिए बुलाया। उसने बताया कि नवीन गाजियाबाद के रहने वाले डॉ. रोहित के साथ 4-5 साल से काम कर रहा है। शिवम तो एक साल से ही डॉ.

रोहित से जुड़ा था। पुलिस सोमवार को जिला कोर्ट में अप्लीकेशन देकर शिवम की रिमांड मांगेगी। पुलिस के मुताबिक, यह रिकॉर्डिंग पिछले साल दिसंबर महीने की है। हालांकि, पुलिस ने इसे सार्वजनिक नहीं किया है। किडनी कांड में अब तक 9 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। कन्नौज के डॉक्टर को पुलिस ने हिरासत में लिया पुलिस के अनुसार, रिकॉर्डिंग में शिवम एक महिला का जिक्र कर रहा है। वह कहता है कि जिस महिला को हम दिल्ली लेकर आए थे, उसे द्वारका के मैक्स हॉस्पिटल में भर्ती कराया था, वह मर गई। इस पर नवीन कहता है कि महिला को एंबुलेंस से लेकर जाना चाहिए था, तुम लोग उसे स्कॉर्पियो से लेकर चले गए।

मालदीव की मुइज़्ज़ू सरकार की संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर चुनावों में हार

एजेंसी, माले

मालदीव में हुए अहम चुनावी मुकाबले में सत्ताधारी दल को बड़ा झटका लगा है। संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर चुनावों में विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी(एमडीपी)ने मजबूत प्रदर्शन करते हुए बढ़त बनाई है, जिससे सरकार की स्थिति कमजोर होती दिख रही है। इन नतीजों को मोहम्मद मुइज़्ज़ू के नेतृत्व वाली सत्ताधारी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस(पीएनसी)के लिए एक बड़ी राजनीतिक परीक्षा माना जा रहा था।

शुरुआती आंकड़ों के अनुसार बड़ी संख्या में मतदाताओं ने प्रस्तावित संवैधानिक बदलावों को खारिज किया, जबकि मेयर चुनावों में भी विपक्ष ने कई प्रमुख सीटों पर जीत दर्ज कर अपनी पकड़ मजबूत की है। तुर्किए की सरकारी समाचार संस्था अनाडोलू एजेंसी (एए) ने मीडिया रिपोर्टों के हवाले से बताया

कि मालदीव की सत्ताधारी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस(पीएनसी) को एक बड़ा झटका लगा है, क्योंकि वह एक अहम संवैधानिक जनमत संग्रह और मेयर पद की दौड़ में हार गई है। इस चुनाव को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज़्ज़ू के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक शुरुआती नतीजों से पता चला है कि गिने गए वोटों में से 70% लोगों ने उस जनमत संग्रह का विरोध किया है, जिसे देश के राजनीतिक ढांचे के लिए काफी अहम माना जाता है। मेयर पद की दौड़ में, विपक्षी पार्टी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सभी पांचों शहरों में मेयर की सीटें जीत ली हैं। वहीं, सत्ताधारी पार्टी पीपल्स नेशनल कांग्रेस (पीएनसी) ने 498 काउंसिल सीटों में से 220 सीटें जीती हैं, जबकि एमडीपी ने 207 सीटें हासिल की हैं। मालदीव में शनिवार को स्थानीय काउंसिल चुनाव, महिला विकास समिति (डब्ल्यूडीसी) के चुनाव और एक राष्ट्रव्यापी जनमत संग्रह एक साथ हुए। इसमें इस बात पर भी वोटिंग हुई कि क्या राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक ही दिन कराए जाएं। चुनाव आयोग की ओर से आधिकारिक नतीजों की घोषणा देर शाम तक करने की उम्मीद है।

एमडीपी के समर्थक चुनाव में अपनी जीत का जश्न मनाने के लिए राजधानी माले में 'आर्टिफिशियल बीच' पर इकट्ठा हुए। माले सिटी काउंसिल की सीटें जीतने वाले उम्मीदवार और माले के मौजूदा मेयर एडम अज़ीम, जो दूसरी बार इस पद के लिए चुने गए हैं, भी इस जश्न में शामिल हुए। यह जनमत संग्रह 10 फरवरी को संसद द्वारा पारित एक प्रस्तावित संवैधानिक संशोधन से जुड़ा है। इन बदलावों से राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव एक साथ कराए जा सकेंगे और संसदीय कार्यकाल के लिए एक निश्चित शुरुआती तारीख तय हो जाएगी।

मप्र के अनूपपुर जिले में हुए हादसे में मृतकों के परिजनों को 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता

एजेंसी, भोपाल

मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतमा नगर में बस स्टैंड के पास शनिवार शाम को तीन मंजिला बिल्डिंग ढहने से हुए हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग घायल हो गए। मुख्यमंत्री मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को हादसे पर दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजन को 9-9 लाख रुपये की आर्थिक सहायता और हादसे के निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने काल-कवलित लोगों के परिजन को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 4-4 लाख, संबल योजना के अंतर्गत 4-4 लाख और रेडक्रॉस से 1-1 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि घायलों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख रुपये और रेडक्रॉस से 50-50 हजार रुपये राशि दी जाएगी। उन्होंने दिवंगतों की आत्मा को शांति और परिजन को यह गहन दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ है। उन्होंने हादसे की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं।

गौरतलब है कि अनूपपुर जिले के कोतमा बस स्टैंड के पास शनिवार शाम करीब 5.30 बजे अग्रवाल लॉज का तीन मंजिला भवन भरभराकर ढह गया था। सूचना मिलने के बाद राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंचा और रेस्क्यू शुरू किया। शनिवार शाम से प्रारंभ हुआ रेस्क्यू ऑपरेशन रविवार दोपहर तक जारी रहा। रेस्क्यू कार्य में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, स्थानीय पुलिस, प्रशासन तथा एसईसीएल की टीमों ने आधुनिक मशीनों एवं डॉग स्क्वॉड की मदद से मलबे के एक-एक हिस्से की गहन तलाशी ली। रेस्क्यू टीम ने मलबे से तीन व्यक्तियों को सुरक्षित बाहर निकालकर तत्काल उपचार उपलब्ध कराया जबकि तीन अन्य व्यक्तियों के शव बरामद किए गए। मृतकों में दो की पहचान हनुमान दीन यादव (55) और रामकृपाल यादव (40) स्थानीय निवासी के

♦ **मुख्यमंत्री ने दिए हादसे की निष्पक्ष जांच के निर्देश, बोले- राज्य सरकार प्रभावित परिजन के साथ**

रूप में हुई है। वहीं, रविवार सुबह एक महिला का शव मिला है। अभी मृतक महिला की पहचान नहीं हुआ है।

हादसे के बाद मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देशित किया था कि राहत एवं बचाव कार्यों में कोई कमी न रहे और प्रभावित परिवारों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के निर्देशानुसार जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार और कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री दिलीप जायसवाल पूरी रात घटनास्थल पर उपस्थित रहकर राहत एवं बचाव कार्यों का नेतृत्व करते रहे। प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार ने बताया कि इस दुखद घटना में तीन लोगों की मृत्यु हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए थे।

यूक्रेन पर रूस के रात भर चले ड्रोन हमलों में पांच लोगों की मौत, 30 घायल

एजेंसी, कीव

यूक्रेन पर रूसी हमलों ने एक बार फिर हालात को तनावपूर्ण बना दिया है। रात भर चले ड्रोन हमलों में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई और 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की तुर्की यात्रा के दौरान हुए इन हमलों में कई शहरों को निशाना बनाया गया, जिनमें निकोपोल और सूमी शामिल हैं। हमलों से रिहायशी इलाकों, बाज़ारों और इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति और गंभीर हो गई है।

अंतरराष्ट्रीय मीडिया एनबीसी के अनुसार यूक्रेनी वायु सेना ने एक ऑनलाइन बयान में बताया कि रूस ने रात भर में यूक्रेन पर 286 ड्रोन दागे, जिनमें से 260 को मार गिराया गया। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर हंझा ने बताया कि निप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र के निकोपोल शहर में तीन महिलाओं और दो पुरुषों की मौत हो गई। इसके अलावा 19 अन्य लोग घायल हुए, जिनमें एक 14 साल की लड़की भी है। इस हमले में बाज़ार के स्टॉल और एक दुकान को नुकसान पहुंचा।

ये हमले तब हुए जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के साथ बातचीत के लिए इस्तांबुल गए हुए थे। वह पूर्वी ऑर्थोडॉक्स ईसाइयों के आध्यात्मिक गुरु एक्यूमेनिकल पैट्रिआर्क बार्थोलोम्यू से भी मुलाक़ात करेंगे। राष्ट्रीय पुलिस ने बताया कि रूस की सीमा से सटे सुमी शहर में हुए एक हमले में 11 लोग घायल हो गए, जिनमें एक 15 साल का किशोर भी शामिल है। इस हमले में रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया गया, और घरों, कारों तथा उपयोगिता नेटवर्क को नुकसान पहुंचा। राज्य आपातकालीन सेवा ने बताया कि राजधानी कीव में हुए एक ड्रोन हमले के कारण तीन मंज़िला दफ़्तर और गोदाम वाली एक इमारत की पहली मंज़िल पर आग लग गई। इसमें किसी के हताहत होने की कोई ख़बर नहीं है।

अमेरिका और चीन को अपना 'जागीरदार' न बनाएं दुनिया भर के देश : इमैनुएल मैक्रों

एजेंसी, पेरिस/सियोल

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने वैश्विक मंच पर एक बड़ा संदेश देते हुए समान विचारधारा वाले देशों से "स्वतंत्रता गठबंधन" बनाने की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ हालिया सार्वजनिक मतभेदों के बाद मैक्रों ने अमेरिका की "अनिश्चितता" और चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच देशों से किसी एक शक्ति के "जागीरदार" न बनने की बात कही। दक्षिण कोरिया के सियोल में दिए अपने भाषण में उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और जलवायु जैसे साझा मूल्यों पर आधारित नई वैश्विक व्यवस्था बनाने का आह्वान किया, जो मौजूदा भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच एक अहम संकेत माना जा रहा है।

रूस की सरकारी नियंत्रण वाला अंतरराष्ट्रीय समाचार टेलीविजन नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के अनुसार पश्चिम एशिया में जारी युद्ध और उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ सार्वजनिक विवाद के बाद फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने दुनिया भर के देशों से अपील की है कि वे अमेरिका या चीन के "जागीरदार" न बनें।

शुक्रवार को सियोल की यात्रा के दौरान, फ्रांसीसी राष्ट्रपतिने दक्षिण कोरिया, जापान, ब्राजील, भारत, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित अन्य देशों से अंतरराष्ट्रीय कानून, लोकतंत्र और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर साझा प्रतिबद्धताओं के आधार पर एक "स्वतंत्रता गठबंधन" बनाने का आग्रह किया।

योनसेई विश्वविद्यालय में दिए गए अपने भाषण में फ्रांसीसी राष्ट्रपतिमैक्रों ने कहा कि दशकों तक, हमारे पास एक तथाकथित स्थिरता थी, जो इस अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था और हमारे पास मौजूद कुछ निश्चितताओं पर आधारित थी। अब इसमें उतार-चढ़ाव आ रहा है। इस नई अव्यवस्था में हमें केवल मूकदर्शक बनकर नहीं रहना चाहिए। हमें एक नई व्यवस्था का निर्माण करना होगा। उन्होंने आगे कहा कि हमारा उद्देश्य दो वर्चस्ववादी शक्तियों के जागीरदार बनना नहीं है। हम चीन के प्रभुत्व पर निर्भर नहीं रहना चाहते और न ही हम अमेरिका की अनिश्चितता के प्रति अत्यधिक संवेदनशील बनना चाहते हैं।

इमैनुएल मैक्रोंने पश्चिम एशिया में ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल युद्ध का समर्थन करने से इनकार कर दिया है। साथ ही उन्होंने ट्रंप पर भी पलटवार किया, जिन्होंने नाटो के यूरोपीय सदस्यों द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की उनकी अपील को अनसुना किए जाने के बाद, संगठन को एक "कागजी शेर" कहकर उसका मजाक उड़ाया था। पश्चिम एशिया में अमेरिका के पूर्व और वर्तमान हस्तक्षेपों का ज़िक्र करते हुए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि हम केवल बमबारी या सैन्य अभियानों के ज़रिए इस स्थिति को ठीक कर पाएंगे।

आरटी ने न्यूयॉर्क टाइम्स के हवाले से बताया कि फ्रांस ने रूस और चीन के साथ मिलकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के उस प्रस्ताव का विरोध किया, जो होर्मुज में ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई को अधिकृत करता। इस प्रस्ताव पर मतदान मूल रूप से शुक्रवार को होना था, जिसे अब स्थगित कर दिया गया है। फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल के वर्षों में फ्रांस के रक्षा खर्च में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिसमें मिसाइल, ड्रोन और पनडुब्बी क्षमताओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। पिछले महीने उन्होंने कहा था कि फ्रांस जर्मनी और अन्य यूरोपीय देशों की सुरक्षा के लिए अपनी परमाणु सुरक्षा छतरी का विस्तार कर सकता है।

जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026-दंड से विश्वास की ओर भारत की न्यायिक और आर्थिक नीति का ऐतिहासिक परिवर्तन -समग्र विश्लेषण

लोकंत्र की शान

» जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026,डर आधारित शासन से विश्वास आधारित शासन की ओर एक निर्णायक बदलाव है

» जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026-एक विधायी परिवर्तन नहीं,बल्कि शासन की सोच में बदलाव का प्रतीक-जहां दंड आधारित नियंत्रण से हटकर विश्वास आधारित अनुपालन की दिशा में कदम बढ़ाया- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

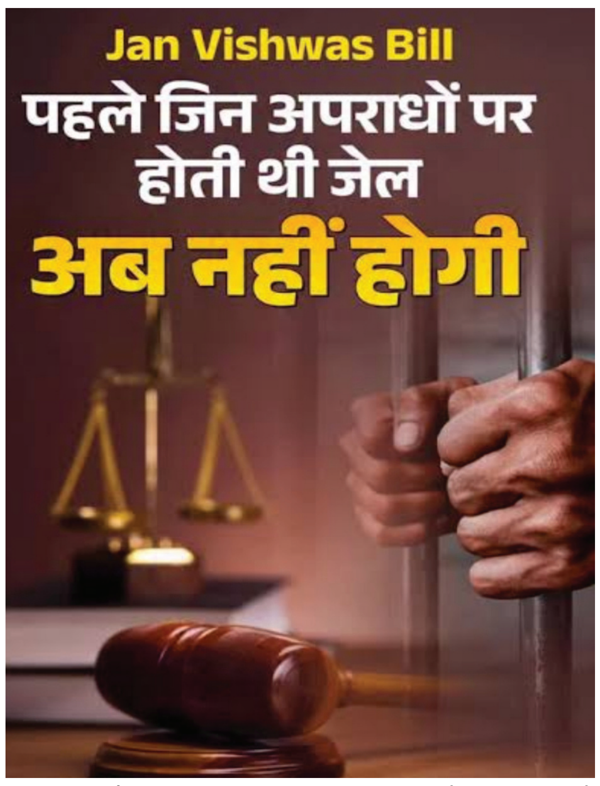

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र में न्याय प्रणाली की सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है,लंबित मामलों का अत्यधिक बोझ। वर्षों से अदालतों में करोड़ों मामले लंबित हैं,जिनमें से एक बड़ा हिस्सा ऐसे छोटे- छोटे तकनीकी या प्रक्रियात्मक उल्लंघनों से जुड़ा है,जिनका समाज पर गंभीर आपराधिक प्रभाव नहीं होता।इसी पृष्ठभूमि में केंद्र सरकार द्वारा पारित जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 एक ऐतिहासिक और संरचनात्मक सुधार के रूप में सामने आता है। यह केवल एक विधायी परिवर्तन नहीं,बल्कि शासन की सोच में बदलाव का प्रतीक है,जहां दंड आधारित नियंत्रण से हटकर विश्वास आधारित अनुपालन की दिशा में कदम बढ़ाया गया है। इस कानून के लागू होने से अनुमानतःलगभग 5 करोड़ तक छोटे-मोटे मामले समाप्त हो सकते हैं, जिससे न केवल न्यायपालिका पर दबाव कम होगा,बल्किनागरिकों और छोटे कारोबारियों को भी बड़ी राहत मिलेगी। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस अधिनियम की मूल भावना है,छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना अर्थात डिक्रिमिनलाइजेशन लंबे समय से यह देखा गया है कि भारत में अनेक कानूनों में मामूली उल्लंघनों के लिए भी आपराधिक प्रावधान मौजूद थे,जिनके कारण लोगों को अनावश्यक रूप से पुलिस,कोर्ट और कानूनी प्रक्रियाओं के चक्रव्यूह में फंसना पड़ता था। इससे न केवल समय और संसाधनों की बर्बादी होती थी, बल्कि व्यवसायिक माहौल भी प्रभावित होता था।जन विश्वास अधिनियम 2026 इस समस्या का समाधान प्रस्तुत करता है, जिसमें 23 मंत्रालयों के अंतर्गत आने वाले 79 केंद्रीय कानूनों में संशोधन किया गया है और लगभग 700 से अधिक प्रावधानों में जेल की सजा को हटाकर केवल आर्थिक दंड (जुर्माना) का प्रावधान किया गया है। साथियों बात अगर हम यह विधेयक पहले लाए गए जन विश्वास विधेयक, 2025 का विस्तारित और अधिक व्यापक रूप है इसको समझने की करें तो, प्रारंभिक प्रस्ताव में जहां 17 कानूनों में संशोधन की बात थी, वहीं संसद की सेलेक्ट कमेटी की सिफारिशों के बाद इसका दायरा काफी बढ़ा दिया गया। यह विस्तार इस बात का संकेत है कि सरकार ने विभिन्न हितधारकों उद्योग, नागरिक समाज, विधि विशेषज्ञों और प्रशासनिक संस्थाओं की चिंताओं को गंभीरता से लिया और एक संतुलित कानून तैयार करने का प्रयास किया।इस प्रकार, यह अधिनियम केवल एक राजनीतिक पहल नहीं, बल्कि एक व्यापक परामर्श प्रक्रिया का परिणाम है।इस कानून का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है अपराधमुक्ति (डिक्रीमिनालिजेशन) लगभग 717 प्रावधानों को आपराधिक श्रेणी से बाहर कर दिया गया है, जिनमें पहले जेल की सजा का प्रावधान था। अब इन मामलों में केवल जुर्माना लगाया जाएगा। यह बदलाव विशेष रूप से छोटे व्यापारियों, स्टार्टअप्स और आम नागरिकों के लिए राहतकारी है क्योंकि वे अक्सर अनजाने में या तकनीकी कारणों से कानून का उल्लंघन कर बैठते थे और उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने पड़ते थे।उदाहरण के लिए, ड्राइविंग लाइसेंस के नवीनीकरण में देरी, जन्म या मृत्यु की सूचना समय पर न देना, या सार्वजनिक स्थानों पर मामूली नियमों का उल्लंघन इन सभी मामलों में अब जेल नहीं, बल्कि प्रशासनिक दंड का प्रावधान होगा।व्यापारिक दृष्टिकोण से यह कानून अत्यंत महत्वपूर्ण है। भारत लंबे समय से ईजी ऑफ़ डूइंग बिज़नेस यानें व्यापार करने की आसानी के क्षेत्र में सुधार करने का प्रयास कर रहा है। हालांकि, जटिल नियमों और कठोर दंडात्मक प्रावधानों के कारण छोटे और मध्यम उद्योगों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ता था। जन विश्वास अधिनियम 2026 इस दिशा में एक बड़ा कदम है, क्योंकि यह इंस्पेक्टर राज को सीमित करता है और व्यवसायियों को अनावश्यक डर से मुक्त करता है। अब मामूली तकनीकी त्रुटियों के लिए जेल जाने का खतरा नहीं होगा, जिससे उद्यमिता को बढ़ावा मिलेगा और निवेश का माहौल बेहतर होगा। साथियों बात कर हम इसकानून के तहत कई प्रमुख क्षेत्रों में बदलाव किए गए हैं इसको समझने की करें तो उदाहरण के लिए,मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के अंतर्गत कुछउल्लंघनों में जेल की सजा को हटाकर जुर्माना कर दिया गया है। इसी प्रकार, ड्रग्स और कॉस्मेटिक्स कानून में भी कुछ तकनीकी उल्लंघनों के लिए जेल की जगह आर्थिक दंड का प्रावधान किया गया है, जो एक लाख रुपये तक हो सकता है। यह बदलाव विशेष रूप से उन छोटे व्यवसायों के लिए महत्वपूर्ण है जो जटिल अनुपालन आवश्यकताओं के कारण अक्सर कठिनाइयों का सामना करते थे।सार्वजनिक जीवन से जुड़े मामलों में भी इस कानून का प्रभाव स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मेट्रो में धूम्रपान करना, सड़क संकेतों को नुकसान पहुंचाना या सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाना इन सभी मामलों में अब एफआईआर दर्ज करने के बजाय केवल जुर्माना लगाया जाएगा। इससे पुलिस और न्यायपालिका का समय बच सकेगा और वे गंभीर अपराधों पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सकेंगे। यह परिवर्तन "स्मार्ट गवर्नेंस" की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जहां संसाधनों का उपयोग अधिक प्रभावी तरीके से किया जाता है।श्रम कानूनों में भी इस अधिनियम के तहत नरमी लाई गई है। उदाहरण के लिए, एप्रेंटिस एक्ट, 1961 के तहत पहले या दूसरे उल्लंघन पर अब सख्त कार्रवाई के बजाय चेतावनी या सलाह दी जाएगी। यह दृष्टिकोण यह दर्शाता है कि सरकार अब दंड देने के बजाय सुधार और मार्गदर्शन पर अधिक जोर दे रही है। इससे उद्योगों और श्रमिकों के बीच बेहतर संबंध स्थापित हो सकते हैं और अनुपालन की संस्कृति को सटीक रूप से प्रोत्साहन मिल सकता है। साथियों बात अगर हम इस कानून को आलोचनात्मक दृष्टिकोण से देखें तो हालांकि, इस कानून के कई सकारात्मक पहलुओं के बावजूद, इसके कुछ आलोचनात्मक पक्ष भी हैं। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि अत्यधिक डिक्रिमिनलाइजेशन से कानूनों का प्रभाव कमजोर हो सकता है और लोग नियमों को हल्के में लेने लग सकते हैं। यदि दंड केवल आर्थिक जुर्माने तक सीमित रह जाए, तो बड़े कारोबारी या संपन्न व्यक्ति इसे आसानी से वहन कर सकते हैं और नियमों का उल्लंघन जारी रख सकते हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि जुर्माने की राशि उचित और प्रभावी हो, ताकि वह एकवास्तविक निवारक (डिटरेंट) के रूप में कार्य कर सके।इसके अतिरिक्त, इस कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक ढांचे को भी मजबूत करना होगा। केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि इसका सही तरीके से पालन हो। इसके लिए डिजिटल सिस्टम, पारदर्शी प्रक्रियाएं और जवाबदेही तंत्र विकसित करना होगा। यदि यह पहल सही तरीके से लागू की जाती है, तो यह भारत की न्याय प्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव ला सकती है।अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो कई विकसित देशों ने पहले ही इस प्रकार के सुधार अपनाए हैं, जहां छोटे उल्लंघनों के लिए आपराधिक दंड के बजाय प्रशासनिक दंड का प्रावधान होता है। इससे न केवल न्याय प्रणाली पर दबाव कम होता है, बल्कि नागरिकों और सरकार के बीच विश्वास भी बढ़ता है। भारत का यह कदम वैश्विक मानकों के अनुरूप है और यह दर्शाता है कि देश अपनी कानूनी प्रणाली को अधिक आधुनिक और प्रभावी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि,जन विश्वास (संशोधन प्रावधान) अधिनियम, 2026 भारत कीविधायी और प्रशासनिक व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह कानून न केवल न्याय प्रणाली को अधिक कुशल बनाने में सहायक होगा, बल्कि आर्थिक विकास को भी गति देगा।यह डर आधारित शासन से विश्वास आधारित शासन की ओर एक निर्णायक बदलाव है। हालांकि इसके सफल क्रियान्वयन के लिए सतत निगरानी, संतुलित नीति और मजबूत प्रशासनिक व्यवस्था आवश्यक होगी, लेकिन यदि यह सभी तत्व सही तरीके से कार्य करते हैं, तो यह अधिनियम भारत को एक अधिक न्यायसंगत, पारदर्शी और व्यवसाय अनुकूल देश बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

-संकलनकर्ता लेखक - क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

भाजपा के 47 सालः शिखर पर जीत, सिद्धांतों पर सवाल

लेखक- दिलीप कुमार पाठक

6 अप्रैल 1980 को मुंबई के समंदर किनारे जब अटल बिहारी वाजपेयी ने अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा का उद्घोष किया था, तो वह केवल एक चुनावी नारा नहीं बल्कि एक वैकल्पिक राजनीति का संकल्प था। आज 2026 में जब भारतीय जनता पार्टी अपना 47वां स्थापना दिवस मना रही है, तो इसमें कोई दो राय नहीं कि वह दुनिया के सबसे बड़े और अजेय नजर आने वाले राजनीतिक संगठन के रूप में स्थापित हो चुकी है। लेकिन इस अभूतपूर्व सफलता के ऊंचे बुर्ज पर बैठकर जब हम पीछे मुड़कर देखते हैं, तो कुछ बुनियादी सवाल आज भी पार्टी की उस अलग तरह के दल वाली छवि का पीछा कर रहे हैं। क्या सत्ता के इस विशाल साम्राज्य को खड़ा करने की प्रक्रिया में वे आदर्श कहीं पीछे छूट गए हैं, जो इस दल की नींव में रखे गए थे? भारतीय राजनीति के इस लंबे सफर में भाजपा ने शून्य से शिखर तक की जो यात्रा तय की है, वह संगठनात्मक कौशल का अद्भुत उदाहरण तो है, पर क्या यह सफर अपनी मूल शुचिता को भी साथ लेकर चल पाया है? भाजपा की वैचारिक यात्रा का मूल आधार अंत्योदय और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के दो मजबूत स्तंभ थे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का सपना था कि विकास की कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति का उदय हो। हालांकि, उज्ज्वला से लेकर मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में मदद जैसी बड़ी योजनाओं ने एक बड़ा लाभार्थी वर्ग तैयार किया है, जिसे पार्टी अपनी सबसे बड़ी उपलब्धि मानती है। लेकिन क्या कल्याणकारी योजनाओं का यह दाता और याचक वाला मॉडल असल सशक्तिकरण है? आज की राजनीति सेवा से ज्यादा आयोजन प्रबंधन और डिजिटल प्रचार पर टिकी नजर आती है। जिस नैतिक बल और सादगी की मिसाल पुराने दौर के नेता देते थे, उसकी जगह अब चकाचौंध और भारी-भरकम चुनावी मशीनरी ने ले ली है। विकास के दावों के बीच यह सवाल अक्सर दबी जुबान में पूछा जाता है कि क्या हम बुनियादी मुद्दों के बजाय केवल भावनात्मक और सांकेतिक राजनीति के जाल में तो नहीं उलझ गए हैं? एक जीवंत लोकतंत्र के लिए मजबूत विपक्ष का होना उतना ही जरूरी है जितना कि एक स्पष्ट बहुमत वाली सरकार का होना। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में विपक्ष मुक्त भारत की जिस अवधारणा को हवा दी गई, उसने लोकतांत्रिक संतुलन को बुरी तरह असहज किया है। जांच एजेंसियों के बढ़ते प्रभाव और विपक्षी नेताओं का बड़ी संख्या में भाजपा में शामिल होकर रातों-रात पवित्र हो जाना, पार्टी की उस शुचिता पर गहरा सवालिया निशान लगाता है जिसका दावा वह दशकों से करती आई है। क्या सत्ता पाने की व्याकुलता में किसी भी दल के दागी चेहरों को अपना लेना उस कार्यकर्ता आधारित संगठन के लिए सही है, जो कभी अपने सिद्धांतों पर गर्व करता था? आज पार्टी का ढांचा भी पहले की तुलना में अधिक व्यक्ति-केंद्रित हो गया है। सामूहिक नेतृत्व और आंतरिक विमर्श की जगह अब केवल ऊपर से आने वाले आदेशों और हां में हां मिलाने वाली संस्कृति ने ले ली है। राम मंदिर का निर्माण, अनुच्छेद 370 का खात्मा और नागरिकता कानूनों जैसे मुद्दों पर उसे व्यापक जनसमर्थन मिला है, लेकिन क्या राष्ट्रवाद की इस प्रबल लहर ने देश की बुनियादी आर्थिक चुनौतियों को कालीन के नीचे धकेल दिया है? बढ़ती बेरोजगारी, मध्यम वर्ग पर महंगाई का लगातार बढ़ता बोझ और अमीर-गरीब के बीच बढ़ती गहरी खाई ऐसे कड़वे सच हैं, जिन्हें केवल भव्य आयोजनों और नारों से नहीं बदला जा सकता। आत्मनिर्भर भारत का संकल्प तब तक अधूरा है जब तक देश का शिक्षित युवा रोजगार के लिए दर-दर भटक रहा है। बड़े व्यापारिक घरानों के साथ बढ़ती नजदीकियों ने भी यह धारणा पुख्ता की है कि पार्टी का झुकाव अब आम आदमी से हटकर खास प्रबंधकों की ओर हो गया है। स्थापना दिवस के इस महत्वपूर्ण अवसर पर भाजपा को गहराई से आत्ममंथन करने की जरूरत है। क्या वह केवल चुनाव जीतने वाली एक पेशेवर मशीन बनकर रहना चाहती है या वापस उस नैतिक राजनीति की ओर लौटेगी, जिसका वादा 1980 के मुंबई अधिवेशन में किया गया था? लोकतंत्र केवल बहुमत का नाम नहीं है, यह अल्पमत के सम्मान, आलोचना को पचाने की शक्ति और संस्थाओं की स्वायत्तता का नाम भी है।

युद्ध : संस्कृति का संकटकाल

सुमन कुमार

इधर के वर्षों में यह स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि नफ़रत, हिंसा और युद्ध को प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि एक गुप्त सांस्कृतिक, व्यापारिक एजेंडा के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। विशेषकर सिनेमा—जो समाज की संवेदनाओं को आकार देने का एक प्रभावी माध्यम है—ने कई बार छद्म हीरोगिरी और आक्रामक राष्ट्रवाद को अत्यंत आकर्षक ढंग से परोसकर इसे एक लोकप्रिय प्रवृत्ति बना दिया है। हॉलीवुड और बॉलीवुड दोनों ही इस प्रवृत्ति से अछूते नहीं हैं। बड़े पर्दे पर युद्ध को अक्सर एक रोमांचक, गौरवशाली और 'न्यायपूर्ण' संघर्ष के रूप में दिखाया जाता है, जहाँ नायक की वीरता सब कुछ सही ठहरा देती है। यह प्रवृत्ति केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहती, बल्कि धीरे-धीरे दर्शकों की चेतना में एक विशेष प्रकार की मानसिकता का निर्माण करती है। इतिहास की गौरवगाथाओं, धार्मिक आस्थाओं और देशप्रेम को फिल्मों में इस प्रकार उत्सव की तरह प्रस्तुत किया जाता है कि वे आलोचनात्मक दृष्टि से परे हो जाते हैं। परिणामस्वरूप, युद्ध और हिंसा के पीछे छिपे जटिल राजनीतिक, आर्थिक और मानवीय प्रश्न गौण हो जाते हैं। दर्शक एक भावनात्मक उन्माद में इन कथाओं को स्वीकार करने लगते हैं, बिना यह सोचे कि इनका सामाजिक प्रभाव क्या हो सकता है। समकालीन वैश्विक परिदृश्य इस प्रवृत्ति को और अधिक चिंताजनक बनाता है। रूस और उक्रेन के बीच चल रहा युद्ध न केवल क्षेत्रीय संघर्ष है, बल्कि यह वैश्विक अस्थिरता का प्रतीक बन चुका है। इसी प्रकार, अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और आक्रामक नीतियाँ यह संकेत देती हैं कि विश्व राजनीति में शक्ति और स्वार्थ की भूमिका अब भी निर्णायक है। इन संघर्षों के पीछे राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक हित काम करते हैं, लेकिन उनकी कीमत आम नागरिकों को चुकानी पड़ती है। रोज़ आने वाली भयावह खबरें इस बात की गवाही देती हैं कि युद्ध किसी एक देश का नहीं, बल्कि पूरी मानवता का संकट है। ऐसे समय में युद्ध से सीधे प्रभावित देश की रचनात्मक और कलात्मक विधाएँ सबसे अधिक प्रभावित होती हैं। युद्ध का वातावरण उसके लिए ठीक उसी प्रकार का संकट उत्पन्न करता है जैसा महामारी के समय देखा गया था। जैसे कोविड- 19 ने सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को ठहरा दिया था, वैसे ही युद्ध भी सामाजिक-सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों को सीमित कर देता है। युद्ध की छाया में सबसे पहले स्वतंत्र विचार और सृजनात्मकता पर नियंत्रण स्थापित किया जाता है। कलाकारों, लेखकों और विचारकों की आवाज़ों को या तो दबा दिया जाता है या उन्हें एक विशेष विचारधारा के अनुरूप ढालने का प्रयास किया जाता है। संस्कृति, जो स्वाभाविक रूप से स्वतंत्र और बहुवचनात्मक होती है, युद्ध के समय 'नियंत्रित' और 'निर्देशित' कर दी जाती है। इतिहास गवाह है कि किसी भी संघर्ष के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सबसे पहले प्रभावित होती है। कला और साहित्य, जो समाज का दर्पण होते हैं, उन्हें या तो प्रचार का माध्यम बना दिया जाता है या फिर हाशिए पर धकेल दिया जाता है। इस प्रकार, युद्ध केवल भौतिक विनाश नहीं करता, बल्कि सांस्कृतिक विविधता और बौद्धिक स्वतंत्रता को भी क्षति पहुँचाता है। यह एक ऐसा मौन संकट है, जिसकी ओर अक्सर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। विश्व रंगमंच के इतिहास में अनेक कलाकृतियों, फिल्मों और प्रसिद्ध नाटकों ने युद्ध और हिंसा के विरुद्ध गहरा मानवीय प्रतिरोध व्यक्त किया है। यूनानी त्रासदी "ट्रोजन वुमेन" में युद्ध के बाद पराजित स्त्रियों की पीड़ा के माध्यम से यह दिखाया गया है कि विजय के पीछे कितना गहरा शोक छिपा होता है। इसी परंपरा में लेसिसट्राटा युद्ध-विरोध को व्यंग्यात्मक ढंग से प्रस्तुत करता है, जहाँ स्त्रियाँ युद्ध समाप्त कराने के लिए असहयोग का मार्ग अपनाती हैं। आधुनिक यूरोपीय रंगमंच में ब्रेख्त के नाटक "मदर करेज एंड हर चिल्ड्रेन" युद्ध को एक ऐसे व्यापार के रूप में चित्रित करता है जो अंततः मानव जीवन को ही नष्ट करता है। अंग्रेज़ी नाटककार शेक्सपीयर के नाटक हेनरी V में युद्ध की वीरता दिखाई देती है, पर साथ ही उसके नैतिक द्वंद भी उभरते हैं। भारतीय संदर्भ में "अंधा युग" युद्धोत्तर विनाश और नैतिक अंधकार का सशक्त चित्रण करता है। ये नाटक मिलकर यह सिद्ध करते हैं कि विश्व रंगमंच ने युद्ध को केवल वीरता नहीं, बल्कि गहन मानवीय त्रासदी के रूप में समझा है। इस संदर्भ में भारतीय सांस्कृतिक दर्शन विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। "वसुधैव कुटुम्बकम्"—यह विचार केवल एक आदर्श वाक्य नहीं, बल्कि एक गहरी मानवीय दृष्टि है, जो समस्त विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की प्रेरणा देता है। ऐसे दर्शन को आत्मसात करने वाले समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह उन सभी प्रवृत्तियों का विरोध करे जो मानवता के नैतिक मूल्यों को कुचलती हैं। वीरता का अर्थ केवल युद्ध में विजय प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भी होना चाहिए कि हम शांति, सहिष्णुता और संवाद के मार्ग को अपनाने का साहस रखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि हम सिनेमा और अन्य सांस्कृतिक माध्यमों को केवल मनोरंजन के साधन के रूप में न देखें, बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार सामाजिक उपकरण के रूप में समझें। हमें यह प्रश्न उठाना होगा कि क्या हम ऐसी कहानियों को बढ़ावा दे रहे हैं जो नफ़रत और विभाजन को प्रोत्साहित करती हैं, या हम उन अभिव्यक्तियों को स्थान दे रहे हैं जो सह-अस्तित्व और मानवता के मूल्यों को सुदृढ़ करती हैं। अंततः, यह समझना आवश्यक है कि युद्ध का महिमामंडन किसी भी रूप में—चाहे वह सिनेमा के माध्यम से हो या राजनीतिक भाषणों के द्वारा—मानवता के लिए घातक है। संस्कृति का कार्य जीवन को समृद्ध करना है, न कि उसे विनाश की ओर ले जाना। इसलिए, एक जागरूक समाज के रूप में हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियाँ शांति, संवाद और मानवीय मूल्यों को प्राथमिकता दें। युद्ध के इस दौर में सबसे बड़ी जिम्मेदारी संस्कृति की ही है—वह न केवल इस अंधकार को पहचानने में हमारी सहायता करे, बल्कि हमें एक बेहतर, अधिक मानवीय और सह-अस्तित्व पर आधारित भविष्य की ओर भी मार्गदर्शन दे।

युद्ध अपराधी है डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू

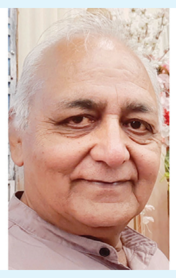

लेखक- तनवीर जाफ़री

अमेरिका व इस्राईल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान पर थोपे गये बलात युद्ध को पांच सप्ताह बीत चुके हैं। पूरी दुनिया में अपनी फ़ज़ीहत होती देख राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप ने अब खिसियाहट में ईरान के आधारभूत ढांचों को नुक़्सान पहुँचाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में अमेरिका ने पिछले दिनों ईरान की राजधानी तेहरान और कराज़ को जोड़ने के लिए बनाये जा रहे राजधानी के सबसे ऊँचे सस्पेंशन ब्रिज को ध्वस्त कर दिया। लगभग 1 किलोमीटर से अधिक लंबे और 136 मीटर ऊँचे इस निर्माणाधीन हाई-राइज़ ब्रिज पर पिछले दिनों अमेरिका और इज़राइल ने मिलकर दो बार एयरस्ट्राइक की। इन हवाई हमलों के परिणामस्वरूप पुल का बड़ा हिस्सा बर्बाद हो गया। इस हमले में कम से कम 8 लोग मारे गए और 100 से अधिक घायल हुए। इस हमले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने सोशल मीडिया पर इस पुल के ढहते हुए वीडियो शेयर कर ईरान को धमकी देते हुये लिखा कि "डील कर लो, वरना बहुत देर हो जाएगी"। उन्होंने लिखा कि अगर ईरान ने अपना रुख़ नहीं बदला तो "उस देश में कुछ भी नहीं बचेगा जो कभी महान देश बन सकता था,"। ट्रंप ने इस हमले को "अमेरिकी सेना की ताक़त का छोटा नमूना" बताया और यह संकेत दिया कि अगर ईरान डील से मना करता है तो देश के पावर प्लांट, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आदि अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर भी अगले निशाने हो सकते हैं। इसी अमेरिका ने युद्ध की शुरुआत में 28 फ़रवरी को ही ईरान के मिनाब शहर में शजारेह तैय्येबह बालिका प्राथमिक स्कूल की ईमारत पर टॉमहॉक मिसाइल मिसाइल से हमला कर लगभग 175 लोगों को शहीद कर दिया था इनमें अधिकांश स्कूल की बच्चियां शामिल थीं। स्कूल के पास ही दवाख़ाना व अन्य नागरिक सुविधाएं भी थीं। इसी हमले के चलते न केवल ईरान ने अमेरिका को युद्ध अपराध का दोषी ठहरा दिया था बल्कि दुनिया भर में भी इसे युद्ध अपराध क़रार दिया गया। ग़ौरतलब है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय क़ानून के मूल सिद्धांतों के तहत जिनेवा कन्वेंशन्स 1949 व इसके एडिशनल प्रोटोकॉल्स 1977 के अंतर्गत युद्ध में रिहाइशी इलाक़ों,स्कूलों, अस्पताल, पानी की व्यवस्था संबंधित प्लांट्स, बिजली ग्रिड,पुल जैसे बुनियादी ढांचों पर हमले सामान्यतः नहीं किए जा सकते। ये युद्ध अपराध माने जाते हैं। युद्ध में लड़ाई के दौरान सैनिकों,सैन्य लक्ष्यों और नागरिकों व नागरिक सुविधा संबंधी वस्तुओं के बीच स्पष्ट अंतर करना ज़रूरी है। परन्तु अमेरिका तो क्या उसकी शह व संरक्षण में युद्धरत इस्राइल को भी न तो मानवीय क़ानून की फ़िक्र है न ही जिनेवा कन्वेंशन्स में निर्धारित युद्ध के सिद्धांतों की। इसीलिये अपनी अपार शक्ति व सर्वोच्चता के नशे में चूर अमेरिका व उसके पिछलग्गू इस्राईल द्वारा हर संभव युद्ध अपराध किया जा रहा है। गज़ा में तो नेतन्याहू के नेतृत्व में इस्राईल ने दरिन्दिगी का वह इतिहास रचा है जिसने युद्ध अपराध की सभी सीमाओं को पार कर दिया है। सरकारी आंकड़े बताते है कि 7 अक्टूबर 2023 से 25 मार्च 2026 तक इस्राईली सेना द्वारा 72,265 फ़िलिस्तीनी मारे जा चुके हैं जबकि 1,71,959 लोग घायल हुए। यहाँ तक कि 10 अक्टूबर 2025 को लागू हुये युद्धविराम के बाद भी इस्राईल ने लगभग 700 लोगों को मार दिया है। हालाँकि कुछ स्वतंत्र अध्ययन कुल मौतों का आंकड़ा 75,000 से ज़्यादा बता रहे हैं। स्वयं इस्राइली सेना ने जनवरी 2026 में 70,000 मौतों का आंकड़ा स्वीकार किया था। कुल लगभग 22-23 लाख की आबादी वाले इस इलाक़े में 19 लाख से ज़्यादा लोग एक या कई बार विस्थापित हुए हैं। नतीजतन आज भी 17 लाख से ज़्यादा लोग अस्थायी विस्थापन कैंप्स में रह रहे हैं। इनमें से ज़्यादातर लोगों के घर-मकान नष्ट हो चुके हैं जिसके चलते लोग बेघर हैं। नेतन्याहू के इशारों पर यह हत्याएं घने रिहायशी इलाक़ों,स्कूल्स ,बाज़ार,अस्पताल,स्कूल यहाँ तक कि शरणार्थी कैम्पस में और भूख की तपिश से जूझ रहे खाद्य सामग्री लेने की लाइन में लगे असहाय लोगों पर बम व गोले बरसा कर उनकी जान लेकर की गयी हैं। यही वजह है कि नेतन्याहू पर अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय ने युद्ध अपराध वारंट जारी किया हुआ है। नेतन्याहू पर भुखमरी को युद्ध का हथियार बनाना, जानबूझकर नागरिक आबादी पर हमला निर्देशित करना,मानवता के ख़िलाफ़ अपराध,हत्या,उत्पीड़न व अन्य अमानवीय कृत्य जैसे युद्ध अपराध शामिल हैं। आज भी नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के भगौड़े अपराधियों की श्रेणी में शामिल हैं। परन्तु युद्ध अपराधी भगौड़ा नेतन्याहू अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को मान्यता नहीं देता। उल्टे इसे यहूदी-विरोधी तथा राजनीतिक साज़िश बताकर अपने युद्ध अपराध पर पर्दा डालने की कोशिश करता है।

इसी युद्ध अपराधी नेतन्याहू के जाल में फंसकर राष्ट्रपति ट्रंप भी युद्ध अपराध करते जा रहे हैं। ईरान को पाषाण युग में पहुंचाने की उनकी धमकी इस बात का सुबूत है कि ऐसे मानसिक रोगी राजनीतिज्ञ की जगह जेल में होनी चाहिये। दुनिया को यह सोचना पड़ेगा कि आख़िर क्या वजह है कि उनके सलाहकारों से लेकर सैन्य विभाग के अनेक बड़े अधिकारी तक इस अवैध युद्ध का विरोध करते हुये क्योंकर इस सनकी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़े होने के बजाये अपने इस्तीफ़े दे रहे हैं। नाटो सहित उसके कई सहयोगी देश खुलकर ट्रंप के ईरान में सैन्य हस्तक्षेप का विरोध कर रहे हैं। और आज ईरान की ताक़त व उसकी रक्षात्मक व आक्रामक शक्ति का अंदाज़ा किये बिना ईरान पर हमला बोल देने और परणामस्वरूप अमेरिका द्वारा ऐतिहासिक क्षति का सामना करने से अमेरिका के महाशक्ति होने का जो भरम टूटा है उसका ज़िम्मेदार भी ट्रंप ही है। और इसी सन्दर्भ में ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अरागची को यह कहना पड़ा है कि -अधूरे बने पुलों समेत इंफ्रास्टक्चर पर हो रहे हमले ईरानियों को सरेंडर करने के लिये मजबूर नहीं कर सकते। यह केवल अव्यवस्था में फंसे दुश्मन की हार और उस के नैतिक पतन को दिखाता है। साथ ही अरागची ने यह भी कहा कि हर पुल और ईमारत को पहले से ज़्यादा मज़बूती के साथ बनाया जायेगा। परन्तु जिसकी कभी भरपाई नहीं हो पायेगी वह है अमेरिकी साख को हुआ नुक़्सान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने भी अमेरिकियों के नाम एक खुला पत्र लिखकर कहा है कि वे युद्ध के प्रोपेगैंडा के धुंध से बाहर देखें और मनगढ़ंत ख़तरे को नकारें। राष्ट्रपति पेज़ेश्कियन ने सवाल उठाया है कि क्या अमेरिका सचमुच अमेरिका फ़र्स्ट को आगे रख रहा है या फिर वह केवल इज़रायल के लिए एक प्रॉक्सी के तौर पर काम कर रहा है? पेज़ेश्कियन ने आगे कहा कि ईरानियों के मन में अमेरिका, यूरोप या किसी भी पड़ोसी देश के प्रति कोई दुश्मनी नहीं है। परन्तु सच्चाई तो यही है कि युद्ध अपराधी भगौड़े नेतन्याहू के चक्रव्यूह में उलझकर ट्रंप ने भी युद्ध अपराध को हीअंजाम दिया है। गोया डोनॉल्ड ट्रंप व नेतन्याहू दोनों ही युद्ध अपराधी हैं।

अशोक ने फेंकी सबसे तेज गेंद

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में गुजरात टाइटन्स के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने कमाल कर दिया. अशोक ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में ऐसी रफ्तार दिखाई, जिसके कारण स्टेडियम से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह उन्हीं की चर्चा होने लगी. 4 अप्रैल (शनिवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशोक ने 154.2 किमी/घंटा की रफ्तार से एक गेंद डाली. यह आईपीएल 2026 की सबसे तेज गेंद रही.

पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने पहले मैच में अशोक शर्मा ने अच्छी रफ्तार की झलक दिखाई थी, लेकिन राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ वह बिल्कुल अलग ही लेवल पर नजर आए. उन्होंने शुरुआत से 145 (किमी/घंटा) से ऊपर की गेंदें फेंकीं और फिर पूरे स्पेल के दौरान तेज रफ्तार को बनाए रखा।. असली धमाका पारी के 16वें ओवर में हुआ, जब उन्होंने ओवर की आखिरी गेंद ध्रुव जुरेल को 154.2 किमी की रफ्तार से डाली. जुरेल उस यॉर्कर गेंद पर किसी तरह बच पाए।

टेस्ट के लिए बीसीसीआई का स्पेशल प्लान, श्रीलंका का दौरा, लक्ष्मण को जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड टेस्ट क्रिकेट की बढ़ोतरी के लिए प्रयासरत है। खबर है कि रेड बॉल फॉर्मेट को प्रमोट करने के लिए बीसीसीआई ने खास प्लान तैयार किया है। अंडर-19 और अंडर-25 स्तर के क्रिकेट पर भी बड़े फैसले लिए जाने की संभावना है। मीडिया रिपोर्ट्स अनुसार सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के डायरेक्टर वीवीएस लक्ष्मण और उनकी टीम भी रेड बॉल क्रिकेट पर अधिक ध्यान लगाएगी। रिपोर्ट्स अनुसार भारत की अंडर-19 और अंडर-25 टीम टेस्ट मैच सीरीज के लिए श्रीलंका का दौरा करने वाली है। भारत की अंडर-19 टीम ने हाल ही में आयुष म्हात्रे की कप्तानी में अंडर-19 वर्ल्ड कप का खिताब जीता है। इस टेस्ट सीरीज में वैभव सूर्यवंशी भी खेलते हुए दिख सकते हैं। बीसीसीआई का सेंटर ऑफ एक्सीलेंस इसी साल जून और जुलाई के महीने मेंटूर्नामेंट आयोजित करने जा रहा है। मतलब आईपीएल 2026 के समापन के ठीक बाद खूब सारी लाल गेंद की क्रिकेट खेली जाएगी। इस टूर्नामेंट में 4-दिवसीय मैच खेले जाएंगे। इसका उद्देश्य टेस्ट फॉर्मेट के लिए ऐसे सुपरस्टार खिलाड़ी तैयार करना है, जो भविष्य में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर सकें। बताया जा रहा है कि इस टूर्नामेंट में 64 युवा क्रिकेटर खेलते हुए दिख सकते हैं। इन सभी 64 खिलाड़ियों की उम्र 25 साल से कम होगी। सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के हेड ऑफ क्रिकेट वीवीएस लक्ष्मण उस प्रतिभा को खोजने में अहम भूमिका निभाएंगे, जो इस इंट्रा-ष्ट्हृश्व टूर्नामेंट में खेलेंगे। रिपोर्ट अनुसार राष्ट्रीय चयनकर्ताओं, कोचों को भी टेस्ट फॉर्मेट के नए सुपरस्टार खिलाड़ी तैयार करने का संदेश भेजा जा चुका है।

अधिकारी पर लगा यौन उत्पीड़न, दुर्व्यवहार और करियर बर्बाद करने की धमकी देने का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी इस वक्त एक गलत वजह से चर्चा में है। दरअसल हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी पर यौन उत्पीड़न, अपने पद का दरुपयोग और दुर्व्यवहार करने का आरोप लगा है। इस तरह के आरोप के बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर फिर से गंभीर चिताएं उठ खड़ी हुई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक एक गुमनाम ईमेल शीर्ष अधिकारियों के पास भेजा गया है जिसमें इन आरोपों का जिक्र किया गया है। जिन अधिकारियों के पास ये मेल भेजा गया है उसमें हरि रंजन राव (निदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण), कल्पना शर्मा (निदेशक, साई, आंतरिक शिकायत समिति) और दिलीप तिर्की (अध्यक्ष, हॉकी इंडिया) शामिल हैं। अधिकारियों के पास भेजे गए ईमेल में हॉकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी पर महिला अधिकारियों, कोचों और खिलाड़ियों के साथ अनुचित व्यवहार करने का आरोप लगाया गया था साथ ही ये भी बताया गया है कि उस अधिकारी ने खिलाड़ियों से अनुचित तस्वीरें भी मांगी थी। यही नहीं उस अधिकारी पर अपनी सत्ता का दुरुपयोग करके निजी मेल-जोल के लिए मजबूर करने, बार-बार अवांछित कॉल करने और यहां तक कि करियर बर्बाद करने की धमकी देने के भी आरोप लगे हैं।

गुजरात टाइटंस ने गिल की इंजरी पर तोड़ी चुप्पी, दिया बड़ा अपडेट

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते शनिवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ गुजरात टाइटंस की कप्तानी शुभमन गिल की गैरमौजूदगी में राशिद खान ने की। शुभमन गिल मांसपेशियों में खिचाव के चलते आरआर के खिलाफ नहीं खेल पाए। गुजरात टाइटंस के असिस्टेंट कोच पार्थिव पटेल ने हालांकि शुभमन गिल की चोट को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। पार्थिव पटेल को उम्मीद है कि दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 8 अप्रैल को होने वाले मुकाबले तक शुभमन गिल फिट हो जाएंगे। होस्ट ब्रॉडकास्टर से बात करते हुए भारत के पूर्व खिलाड़ी पार्थिव पटेल ने कहा, 'उनको पहले नेक स्प्रेन हुआ था और कुछ दिन पहले उनको स्पेज्म भी था। उम्मीद है कि वह आने वाले गेम के लिए फिट हो जाएंगे। इंजरी ज्यादा सीरियस नहीं लग रही है। इंजरी मैनेजमेंट मेरी विशेषज्ञता नहीं है। लेकिन मैं आपको कह सकता हूं कि वो ठीक हो जाएंगे।' गिल का शेड्यूल पिछले साल फरवरी से काफी ज्यादा बिजी रहा है। उन्होंने लगातार क्रिकेट खेला है। वनडे और टेस्ट में कप्तान बनने के बाद उनका वर्कलोड और भी बढ़ गया। पिछले साल उन्होंने इंग्लैंड, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी खेला है। शुभमन गिल एशिया कप का भी हिस्सा थे।

जीत के हीरो रहे बिश्नोई बोले- सुधार के लिए की कड़ी मेहनत

अहमदाबाद, एजेंसी। राजस्थान रॉयल्स ने शनिवार रात खेले गए इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के अपने दूसरे मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 6 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की। इस मुकाबले के हीरो लेग स्पिनर रवि बिश्नोई रहे, जिन्होंने चार महत्वपूर्ण विकेट लेकर प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार जीता। इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में उतरे बिश्नोई ने 4 ओवर में 41 रन देकर 4 विकेट झटके। उन्होंने साई सुदर्शन, ग्लेन फिलिप्स, वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया को आउट कर मैच का रुख पलट दिया। मैच के बाद बिश्नोई ने कहा कि पिछला सीजन उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा, लेकिन उन्होंने अपनी लेंथ और प्रदर्शन पर लगातार मेहनत की। उन्होंने बताया कि मानसिक, तकनीकी और शारीरिक–तीनों स्तर पर सुधार के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। अपने पसंदीदा विकेट के रूप में उन्होंने राहुल तेवतिया का नाम लिया। बिश्नोई के अनुसार, वह ऐसे मौकों के खिलाड़ी हैं। अगर वह उस समय आउट नहीं होते, तो मैच किसी भी तरफ जा सकता था।

खिलाड़ी के साथ सेल्फी के बाद बदला कार्लसन का मूड! अधिकारी से कहकर मोबाइल हटवाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मैग्नस कार्लसन ने मैच से पहले प्रतिद्वंदी के साथ सेल्फी ली, लेकिन बाद में नियमों का हवाला देकर उनका फोन हटवा दिया। यह घटना वायरल हो गई और सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। शतरंज की दुनिया के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह कोई चाल या जीत नहीं, बल्कि मैच से पहले का एक अजीब वाकया है। जर्मनी के कार्लजूए में खेले जा रहे ग्रेंके चेस फ्रीस्टाइल ओपन के दौरान कार्लसन और उनकी प्रतिद्वंदी एलुए नुरमान के बीच यह घटना हुई। मैच शुरू होने से ठीक पहले नुरमान ने कार्लसन से सेल्फी की रिक्वेस्ट की। कार्लसन ने मुस्कुराते हुए इसके लिए हामी भर दी और तस्वीर भी खिंचवाई। सब कुछ सामान्य लग रहा था, लेकिन कुछ ही पलों बाद माहौल पूरी तरह बदल गया।सेल्फी लेने के बाद कार्लसन अपनी सीट से उठे और एक आर्बिटर (रेफरी) को लेकर लौटे। उन्होंने इशारा किया कि नुरमान के पास फोन है, जो नियमों के खिलाफ है। इसके बाद आर्बिटर ने नुरमान से उनका फोन ले लिया और फिर मैच शुरू हुआ।

भारतीय एथलीट श्रीशंकर का शानदार प्रदर्शन, लंबी कूद में जीता स्वर्ण पदक

बंगलूरू, एजेंसी। इस सत्र में पहली बार प्रतिस्पर्धा कर रहे मुरली श्रीशंकर ने शनिवार को शुरू हुई पहली इंडियन एथलेटिक्स सीरीज में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा में 8.15 मीटर की कूद लगाकर खिताब अपने नाम किया। एनसीओई त्रिवेंद्रम का प्रतिनिधित्व कर रहे श्रीशंकर ने अपने चौथे प्रयास में यह कूद लगाई। 2024 में घुटने की सर्जरी के बाद वापसी करने के बाद से यह उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। पिछले सत्र में 27 वर्षीय इस खिलाड़ी का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 8.13 मीटर था।

ओलंपिक में हिस्सा नहीं ले सके थे

श्रीशंकर को घुटने की चोट के कारण हुई सर्जरी की वजह से 2024 पेरिस ओलंपिक से बाहर रहना पड़ा था। उन्होंने पिछले साल सितंबर में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा लिया था, लेकिन फाइनल राउंड के लिए क्वालिफाई नहीं कर पाए थे। कांतीरवा स्टेडियम में श्रीशंकर मैदान में एकमात्र ऐसे एथलीट थे जिन्होंने आठ मीटर का आंकड़ा पार किया। बिहार के सनी कुमार 7.90 मीटर की कूद के साथ दूसरे स्थान पर रहे, जबकि कर्नाटक के पुरुषोत्तम 7.87 मीटर से तीसरे स्थान पर रहे।

पायल नाग ने महिला कम्पाउंड फाइनल में जीता स्वर्ण पदक

बैंकॉक, एजेंसी। भारत की युवा पैरा तीरंदाज पायल नाग ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए शीतल देवी को हराया। पायल ने पैरा तीरंदाजी सीरीज के महिला कम्पाउंड वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय पैरा तीरंदाजी में एक नया सितारा उभर कर सामने आया है। बैंकॉक में महिला कम्पाउंड वर्ग के फाइनल में पायल नाग ने विश्व चैंपियन शीतल देवी को हराकर पैरा तीरंदाजी सीरीज में स्वर्ण पदक जीत लिया है। फाइनल में दो भारतीय आमने-सामने थे और 18 वर्षीय पायल ने ये मुकाबला 139-136 के अंतर से जीता। पायल का यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहला स्वर्ण पदक है। 19 वर्षीय शीतल के हालिया शानदार प्रदर्शन को देखते हुए यह परिणाम और भी उल्लेखनीय है। शीतल बेहतरीन फॉर्म में थीं और 2025 के शानदार सीजन के बाद उन्हें विश्व तीरंदाजी की पैरा आर्चर ऑफ द ईयर भी चुना गया था। उन्होंने बैंकॉक में भी उसी लय को बरकरार रखा और क्वालिफाइंग राउंड में 698 के शानदार स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जो कजाखस्तान की जनात ऐतिमोवा से 20 अंक अधिक था। वहीं, पायल ने 678 के स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया था।

43 साल की उम्र में कमाल !, फर्स्ट क्लास क्रिकेट में एंडरसन की घातक गेंदबाजी, 56वीं बार पारी में पांच विकेट झटके

नई दिल्ली। क्रिकेट में अक्सर उम्र के साथ खिलाड़ियों की धार कम होती दिखती है, लेकिन कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो इस धारणा को पूरी तरह गलत साबित कर देते हैं। इंग्लैंड के दिग्गज तेज गेंदबाज सर जेम्स एंडरसन उन्हीं में से एक हैं, जिन्होंने 43 साल की उम्र में भी अपनी स्विंग और सटीकता से बल्लेबाजों को परेशान करना जारी रखा है। काउंटी क्रिकेट में एंडरसन ने एक बार फिर शानदार गेंदबाजी करते हुए पारी में पांच विकेट झटके। यह उनके फर्स्ट क्लास करियर का 56वां पांच विकेट हॉल है। लंकाशायर की ओर से खेलते हुए उन्होंने नॉर्थैम्पटनशायर के खिलाफ यह कारनामा किया। एंडरसन ने 13 ओवर में 64 रन देकर पांच विकेट हासिल किए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। एंडरसन की गेंदबाजी के आगे विपक्षी बल्लेबाज टिक नहीं पाए। उन्होंने टॉप और मिडिल ऑर्डर को झकझोरते हुए अहम विकेट निकाले। उनकी स्विंग और लाइन–लेंथ इतनी सटीक थी कि बल्लेबाजों के पास जवाब नहीं था। खास बात यह रही कि इस उम्र में भी उनकी फिटनेस और रिदम बिल्कुल युवा गेंदबाजों जैसी नजर आई।

व्यापार

जंग के बाद नमकीन इंडस्ट्री का बिगड़ा माहौल, बीकानेर भुजिया के बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका और इजराइल-ईरान के बीच छिड़ी जंग का असर अब दुनिया भर में मशहूर बीकानेर की नमकीन इंडस्ट्री पर भी पड़ने लगा है। नमकीन के एक्सपोर्ट की रफ्तार धीमी पड़ गई है। एक्सपोर्टर्स का कहना है कि युद्ध के कारण कंटेनरों की कमी हो गई है, जिसका असर न सिर्फ एक्सपोर्ट पर पड़ा है बल्कि इंपोर्ट भी प्रभावित हो रहा है। निर्यातकों के अनुसार कंटेनरों का आवागम काफी धीमा हुआ है। जो खेप पहले लगभग 30 दिन में पहुंच जाती थी उसमें अब 60 दिन तक का समय लग रहा है क्योंकि युद्ध के चलते उसे लंबे और सुरक्षित रास्तों से भेजा जा रहा है। मैन्युफैक्चरर्स को डर है कि जंग के कारण पैदा हुई आर्थिक अस्थिरता से प्रोडक्ट्स की कीमतें बढ़ सकती हैं। ऐसे में बीकानेर भुजिया के दाम बढ़ेंगे।

क्या कहा नमकीन कारोबारी ने– भीखाराम ग्रुप से जुड़े नमकीन कारोबारी आशीष अग्रवाल ने कहा कि कच्चे माल और ढुलाई आदि की बढ़ती लागत से उद्योग को नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध की वजह से माल भाड़े में भारी बढ़ोतरी हुई है और कच्चे माल की कीमतें भी बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि पिछले एक महीने में खाद्य तेल की कीमत में लगभग 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है जिसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ रहा है।

क्या कहते हैं निर्यातक – न्यूज एजेंसी पीटीआई की एक खबर में निर्यातक राजेश जिंदल ने कहा कि आने वाले और जाने वाले, दोनों तरह के माल की खेप में देरी हो रही है। इससे व्यापारियों पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उन्होंने कहा- आने वाला और जाने वाला, दोनों तरह का माल देर से पहुंच रहा है और लागत में काफी बढ़ोतरी हुई है। अरब देशों में बीकानेरी नमकीन (स्नैक्स) और मसालों की मांग अब भी काफी ज्यादा है लेकिन आपूर्ति ढांचे में आई रुकावटों की वजह से नुकसान हो रहा है। व्यापारियों ने बताया कि निर्यात के साथ साथ पाम ऑयल और सोयाबीन जैसे जरूरी कच्चे माल के आयात पर भी असर पड़ा है। पेट्रोलियम की बढ़ती कीमतों से पैकेजिंग की लागत को 30-40 प्रतिशत तक बढ़ी है जिससे जिससे निर्माताओं के लिए लागत अधिक आ रही है। निर्यातकों ने कहा कि यह समय नमकीन के व्यापार के लिए बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि निर्यात के 'व्यस्ततम समय' के लिए तैयारियां आमतौर पर इसी समय शुरू हो जाती हैं। उत्पादों की आपूर्ति के समय को लेकर बनी अनिश्चितता और बढ़े माल भाड़े की वजह से व्यापारी अपनी रणनीति पर पुनर्विचार को मजबूर हैं।

ऐपल की नौकरी छोड़ चुनी आजादी, थाम लिया ऑटो का स्टीयरिंग अब बन चुके हैं सेंसेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। ज्यादातर लोगों के लिए आज सफलता का पैमाना मोटी सैलरी, कॉर्पोरेट की चमक–धमक और लग्जरी कार–बंगला है। लेकिन, बेंगलुरु के राकेश बी. पाल की कहानी इस धारणा को चुनौती देती है। वह ऐपल जैसी दिग्गज कंपनी और बड़े बैंकों में काम कर चुके हैं। लेकिन, मानसिक शांति की तलाश में कॉर्पोरेट की कठपुतली बनने के बजाय उन्होंने बेंगलुरु की सड़कों पर ऑटो चलाना चुना। इस कदम ने उन्हें इंटरनेट पर सेंसेशन बना दिया है। यह कहानी सिर्फ करियर बदलने की नहीं है। इसके बजाय खुद को खोकर दोबारा पाने और मेंटल डिप्रेशन से जीत हासिल करने की प्रेरणादायक दास्तान है। आइए, यहां राकेश बी. पॉल के इस पूरे सफर के बारे में जानते हैं। बेंगलुरु के राकेश बी. पाल के करियर की शुरुआत किसी सपने जैसी थी। दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी ऐपल में मोटी सैलरी और सुख–सुविधाओं वाली जिंदगी। इसके बाद उन्होंने कई बड़े बैंकों और कंप्यूटर मैन्युफैक्चरिंग कंपनियों में भी काम किया। लेकिन, इस चमक–धमक के पीछे वह खुद को अकेला और मशीन का एक पुर्जा भर महसूस करने लगे थे। उन्हें अहसास हुआ कि कॉर्पोरेट वर्ल्ड में लोग केवल इस्तेमाल होते हैं। दूसरों को खुश रखने की होड़ में वह अपनी खुद की खुशी और पहचान पूरी तरह भूल चुके थे।

डिप्रेशन का हो गए थे शिकार

राकेश की चुनौतियां सिर्फ दफ्तर तक सीमित नहीं थीं। उनके पारिवारिक और वैवाहिक जिंदगी के तनाव ने उन्हें मानसिक रूप से तोड़ दिया था। हालात इतने बिगड़ गए कि उन्हें निमहंस जैसे अस्पतालों में इलाज कराना पड़ा। वह लंबे समय तक एंटी–डिप्रेसेंट दवाओं पर निर्भर रहे। घंटों एक जगह बैठकर एक ही चीज पर सोचते रहते थे। उन्होंने खुद को घर की चारदीवारी में कैद कर लिया था। यह उनकी जिंदगी का सबसे अंधकारमय दौर था। सुख–सुविधाएं तो जरूर थीं। पर, मन में शांति का नामोनिशान नहीं था।

यस बैंक के नतीजे देख निवेशक खुश! डिपॉजिट-लोन दोनों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के प्रमुख बैंक यस बैंक ने फाइनेंशियल ईयर 2026 की चौथी तिमाही में ऐसा प्रदर्शन किया है, जो यह संकेत देता है कि बैंक अब धीरे-धीरे स्थिरता की ओर बढ़ रहा है। इस तिमाही में बैंक के लोन सालाना आधार पर 11 प्रतिशत बढ़कर 2.72 लाख करोड़ तक पहुंच गए, जबकि तिमाही दर तिमाही इसमें 6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, डिपॉजिट यानी ग्राहकों द्वारा बैंक में जमा राशि 12 प्रतिशत ङ्घश्वङ्घ बढ़कर 3.18 लाख करोड़ हो गई, जो लोन ग्रोथ से ज्यादा तेज है। यह ट्रेंड बैंक के लिए सकारात्मक माना जाता है, क्योंकि ज्यादा डिपॉजिट का मतलब बेहतर फंडिंग और कम जोखिम है।

इस स्ट्रॉन्ग डिपॉजिट ग्रोथ का सीधा असर बैंक के क्रेडिट-डिपॉजिट पर भी देखने को मिला, जो घटकर 85.4 प्रतिशत पर आ गया है, जबकि पिछली तिमाही में यह 88 प्रतिशत था। आसान भाषा में समझें तो बैंक अब अपने पास मौजूद फंड के मुकाबले थोड़ा कम लोन दे रहा है, जिससे उसकी बैलेंस शीट ज्यादा संतुलित और सुरक्षित बन रही है। निवेशकों के लिए यह एक अच्छा संकेत माना जाता है, क्योंकि इससे बैंक की फाइनेंशियल हेल्थ बेहतर दिखती है। बता दें कि यस बैंक के शेयर अभी 17.90 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

इस तिमाही का एक और बड़ा पॉजिटिव फैक्टर सीएएसए (करंट और सेविंग अकाउंट) डिपॉजिट में जबरदस्त बढ़ोतरी रही। सीएएसए 14.9 प्रतिशत सालाना बढ़कर 1.11 लाख करोड़ तक पहुंच गया, जबकि इसका अनुपात भी बढ़कर 35.1 प्रतिशत हो गया। सीएएसए डिपॉजिट बैंक के लिए सस्ता फंड होता है, जिससे ब्याज लागत कम होती है और मुनाफा बढ़ाने में मदद मिलती है। इसका मतलब है कि यस बैंक अब अपनी रिटेल डिपॉजिट बेस को मजबूत करने में सफल हो रहा है।

हालांकि, तस्वीर पूरी तरह से परफेक्ट नहीं है। बैंक ने सर्टिफिकेट्स ऑफ डिपॉजिट के जरिए भी काफी फंड जुटाया है, जो 990 करोड़ से बढ़कर 6,831 करोड़ तक पहुंच गया। इसका मतलब है कि बैंक अभी भी कुछ हद तक महंगे या शॉर्ट-टर्म फंडिंग सोर्स पर निर्भर है। यह एक ऐसा पहलू है, जिस पर निवेशकों की नजर बनी रहेगी। लिक्विडिटी की बात करें तो बैंक की स्थिति मजबूत बनी हुई है। लिक्विडिटी कवरेज रेशियो 119 प्रतिशत पर है, जो नियामकीय जरूरतों से काफी ऊपर है। कुल मिलाकर त्त४ के आंकड़े यह दिखाते हैं कि बैंक की ग्रोथ भले ही बहुत आक्रामक न हो, लेकिन उसकी गुणवत्ता बेहतर हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेलः- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)